राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 ओलिंपिक ऑर्डर, भारत के 'गोल्डन बॉय' अभिनव बिंद्रा को मिला, पीएम मोदी ...

अमेरिका की संसद में गरजे इजरायली पीएम नेतन्याहू... 12

वर्ष : 12 | अंक : 105 | पटना, शुक्रवार, 26 जुलाई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%

नहीं 50%

कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और अशोक हॉल अब कहलाएंगे गणतंत्र मंडप, अशोक मंडप

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित दरबार हॉल और अशोक हॉल के नाम बृहस्पतिवार को बदलकर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कर दिए गए। पिछले साल राष्ट्रपति भवन परिसर में प्रसिद्ध मुगल गार्डन का नाम बदलकर अमृत उद्यान कर दिया गया था। राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि भारत के राष्ट्रपति का कार्यालय और निवास राष्ट्रपति भवन, राष्ट्र का प्रतीक और देश की एक अमूल्य धरोहर है। बयान में कहा गया, लोगों के लिए इसे और अधिक सुलभ बनाने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचार को प्रतिबिंबित करने वाला बनाने का लगातार प्रयास किया गया है। इसमें कहा गया कि इसी क्रम में राष्ट्रपति भवन के दो

महत्वपूर्ण हॉल दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को प्रसन्नता है। राष्ट्रपति भवन के मध्य गुंबद के नीचे स्थित दरबार हॉल राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों और कार्यक्रम के आयोजन का स्थान है। बयान में कहा गया,दरबार शब्द भारतीय शासकों और ब्रिटिश अदालतों तथा सभाओं को संदर्भित करता है। भारत के गणतंत्र बनने के बाद दरबार की प्रासंगिकता खत्म गई। गणतंत्र की अवधारणा प्राचीन काल से भारतीय समाज में गहराई से निहित है। गणतंत्र मंडप आयोजन स्थल के लिए एक उपयुक्त नाम है। बयान के अनुसार, अशोक शब्द का अर्थ किसी ऐसे व्यक्ति से है जो सभी कष्टों से मुक्त या किसी भी दुख से रहित है तथा इसके अलावा, अशोक का तात्पर्य एकता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के प्रतीक सम्राट अशोक से है। बयान में कहा गया, भारत गणराज्य का एक राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ है। इसके अनुसार, अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप रखा गया है। मंडप भाषा में एकरूपता लाता है और अशोक शब्द से जुड़े प्रमुख मूल्यों को बरकरार रखते हुए अंग्रेजीकरण की संस्कृति के निशान को मिटाता है। हॉल का उपयोग विदेशी देशों के मिशन के प्रमुखों द्वारा परिचय पत्र प्रस्तुत करने और राष्ट्रपति द्वारा आयोजित राजकीय भोज की शुरूआत से पहले आने वाले प्रतिनिधिमंडलों के लिए परिचय के औपचारिक स्थान के रूप में किया जाता है।

उच्चतम न्यायालय ने करीब 35 साल पुराना अपना एक फैसला पलटा

रॉयल्टी कोई कर नहीं, खदानों पर कर लगाना राज्यों का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट

संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत के फैसले में कहा कि निजों पर देय रॉयल्टी कर नहीं

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने करीब 35 साल पुराना अपना एक फैसला पलटते हुए गुरुवार को कहा कि रॉयल्टी कोई कर नहीं है तथा राज्यों के पास खनिजों और खदानों पर कर लगाने का अधिकार है। शीर्ष अदालत की नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने केंद्र और विभिन्न खनन कंपनियों की आपत्तियों को खारिज करते हुए आठ-एक के बहुमत वाले फैसले से 1989 के सात सदस्यीय पीठ के फैसले (इंडिया सीमेंट लिमिटेड बनाम तमिलनाडु सरकार) को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि राज्यों के पास कर लगाने का कोई अधिकार नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की संविधान पीठ ने यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने हालांकि, बहुमत के फैसले से असहमति जताई। संविधान पीठ ने कहा कि खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम (खान अधिनियम) राज्यों को खनिज अधिकारों पर कर लगाने की शक्ति से वंचित नहीं करेगा। शीर्ष अदालत के बहुमत वाले इस फैसले में कहा गया है कि रॉयल्टी कोई टैक्स नहीं तथा विधानसभाओं के पास खनिजों वाली जमीन पर कर लगाने की विधायी शक्ति प्राप्त है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने बहुमत के फैसले में कहा कि संसद के पास खनिज अधिकारों के तहत कर लगाने की शक्ति नहीं, लेकिन वह (राज्य द्वारा) कर लगाने की सीमा निर्धारित कर सकती है। खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकरण और अन्य ने सात सदस्यीय पीठ के फैसले को चुनौती दी थी। ओडिशा और झारखंड आदि ने दलील दी थी कि संविधान के अनुसार कर लगाने का अधिकार सिर्फ राज्यों के पास है। सर्वोच्च न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत के फैसले में कहा कि निजों पर देय रॉयल्टी कर नहीं है।

विधान सभा में अनुपरक बजट पेश करते हुए शिक्षा मंत्री ने की घोषणा

सूबे में 1.60 लाख नए शिक्षकों की होगी बहाली : मंत्री

प्रात: किरण

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में शिक्षा विभाग में बड़ी बहाली होगी। राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नीतीश सरकार1.60 लाख नए शिक्षकों की नियुक्ति करेगी। यह घोषणा गुरुवार को विधान सभा में शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने अनुपरक बजट पेश करते हुए की। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में शिक्षा विभाग सभी को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए काम कर रहा है। प्रदेश की बालिकाओं, अल्पसंख्यक, पिछड़ा, अति-पिछड़ा को ध्यान में रख राज्य के कुल बजट में 18 प्रतिशत राशि सिर्फ शिक्षा विभाग के लिए निर्धारित की गई। उन्होंने कहा कि शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए 1.73 लाख शिक्षकों की नियुक्ति एक बार में की गई। यह अपने आप में रिकार्ड है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में शिक्षकों की कुल संख्या 5.37 लाख है। सदन में घोषणा करते हुए मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि अब सरकार ने नए 1.60 लाख शिक्षकों की नियुक्ति का निर्णय लिया है। इसी प्रकार शिक्षकों की गुणवत्ता सुधार के लिए लगातार उन्हें प्रशिक्षित करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का निर्णय हुआ है कि स्कूलों का सिलेबस प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा ताकि बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सके। निकाय शिक्षकों को राजकीय का दर्जा देने के लिए सक्षमता परीक्षा ली जा रही है। जल्द ही 85 हजार शिक्षक सक्षमता परीक्षा देंगे। इसके अलावा निकाय के बीमार, महिला, पति-पत्नी को स्थानांतरण की सुविधा भी दी जाएगी। मंत्री ने विधानसभा में कहा कि सरकार ने स्कूलों की आधारभूत संरचना पर भी ध्यान दिया है। सभी विधायकों से 10-10 विद्यालयों की सूची मांगी गई है। सूची मिलने के बाद संबंधित स्कूलों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। यदि इस मामले में कोई लापरवाही होती है तो संबंधित दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा क्षेत्र में काफी बदलाव हुए हैं। 2006 में शिक्षकों की कुल संख्या 1.80 लाख थी। जो 2024 में बढ़कर 5.77 लाख हो चुकी है। उस दौरान 65 बच्चों पर एक शिक्षक हुआ करते थे। आज 32 बच्चों पर एक शिक्षक हो चुके हैं। सदन में अजय कुमार द्वारा लाए गए प्रस्ताव के विरूद्ध शिक्षा विभाग के करीब 10,391 अनुपूरक बजट को सर्वसम्मति से स्वीकृत कर दिया गया। प्रथम अनुपूरक में शिक्षा का बजट करीब 10,391 करोड़ रुपये का है। कुल बजट 52 हजार करोड़ रुपये का है, जो कि राज्य सरकार के कुल बजट का करीब 18 प्रतिशत है। बाद में शिक्षा के अनुपूरक बजट में को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान विपक्ष कर रहा राजनीति : रीजीजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने संसद में केंद्रीय बजट पर बहस के दौरान महत्वपूर्ण पहलुओं पर बोलने के बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गाली देना शुरू कर दिया। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में रीजीजू ने कहा कि जिस तरह से कुछ विपक्षी नेताओं ने अपने भाषण दिए, वह सदन का अपमान करने और बजट सत्र की गरिमा को कम करने जैसा है। रीजीजू ने कहा, हमें लोगों के जनादेश का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री मोदी को जनादेश दिया है। अगर कोई जनता के फैसले का अपमान करने की कोशिश करता है तो उसे चुनावों में सजा मिलेगी। विपक्षी दलों के सदस्यों ने कल संसद में बजट पर चर्चा के दौरान दावा किया कि केंद्रीय बजट में गैर-राजग शासित राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है और प्रधानमंत्री एक अस्थिर और कमजोर गठबंधन सरकार चला रहे हैं। बुधवार को लोकसभा में 2024-25 के बजट पर सामान्य चर्चा के दौरान, विभिन्न विपक्षी सदस्यों ने सरकार पर उसके प्रमुख सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) को रियायतें देने का आरोप लगाया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकार को अपने गठबंधन सहयोगियों से कोई बाधा न हो।

सूचना आयोग में सीआईसी व दो आयुक्त कर रहे हैं काम : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा को बताया कि केंद्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त और दो सूचना आयुक्त काम कर रहे हैं। सूचना का अधिकार के तहत यह आयोग अपील एवं शिकायतों की सुनवाई करता है और इसमें अधिकतम 10 सूचना आयुक्त हो सकते हैं। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि केंद्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त एवं दो सूचना आयुक्तों की छह नवंबर 2023 को नियुक्ति के बाद आयोग में वर्तमान में मुख्य सूचना आयुक्त एवं दो सूचना आयुक्त हैं। उन्होंने कहा कि आयोग में विभिन्न श्रेणियों/वर्गों में 160 स्वीकृत पद हैं तथा 13 जुलाई 2024 तक 146 पद भरे जा चुके थे तथा मात्र 14 पद रिक्त थे। उन्होंने कहा कि आयोग में सेवानिवृत्ति, पदोन्नति एवं अन्य विभिन्न कारणों से समय-समय पर रिक्तियां होती रहती हैं।

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन का निधन

सीएम नीतीश ने जताया शोक

पटना। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन की हृदयाघात से मौत हो गई है। दिल्ली के मैक्स अस्पताल में उनका निधन हुआ है। इस्लामपुर से वह विधायक रह चुके हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनके असामयिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि राजीव रंजन एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं प्रसिद्ध समाजसेवी थे। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति एवं उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। वे पूर्व राज्यपाल सिद्धेश्वर प्रसाद के दामाद थे। बताया जा रहा है कि उनके पार्थिव शरीर शुक्रवार को पटना लाया जाएगा। वहीं, इसे जदयू के लिए बड़ी क्षति मानी जा रही है। राजीव रंजन जदयू में राष्ट्रीय महासचिव व राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर थे। जदयू के टिकट से इस्लामपुर से 2010 में विधायक बने थे. 2014 में बीजेपी में आ गये थे। बिहार बीजेपी में भी संगठन में विभिन्न पदों पर रहे। बीजेपी में मीडिया प्रभारी व उपाध्यक्ष जैसे पद पर रहे। एक साल पहले बीजेपी से जेडीयू आ गए थे। श्री सिंह मुख्यमंत्री के बेहद करीबी के रूप में जाने जाते थे। उनके निधन पर जदयू में शोक की लहर है। पार्टी के नेताओं ने उनके निधन पर दुख व्यक्त किया है। अचानक उनकी निधन की खबर सुनकर लोग सन्न रह गए।

प्रधानमंत्री मोदी आज करगिल का करेंगे दौरा

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करगिल विजय दिवस के अवसर पर शुक्रवार को करगिल युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे और इस दौरान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शिंकुन ला सुरंग परियोजना का पहला विस्फोट करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बृहस्पतिवार को एक बयान में यह जानकारी दी।पीएमओ के अनुसार, यह परियोजना लेह को सभी मौसम में संपर्क प्रदान करेगी और पूरी होने पर यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी। प्रधानमंत्री 26 जुलाई को 25वें करगिल विजय दिवस के अवसर पर, सुबह नौ बज कर लगभग 20 मिनट पर करगिल युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे और कर्तव्य की पंक्ति में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। पीएमओ ने कहा, प्रधानमंत्री वस्तुतः शिंकुन ला सुरंग परियोजना का पहला विस्फोट भी करेंगे।

तीसरे चरण की शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में 1.27 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

5.96 लाख आवेदकों में से 4.69 लाख ही हुए शामिल

प्रात: किरण

पटना। तीसरे चरण की शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में 5.96 लाख आवेदकों में से 4.69 लाख ही शामिल हुए। इस तरह 1.27 लाख आवेदक अनुपस्थित रहे। बीपीएससी कार्यालय में गुरुवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीपीएससी अध्यक्ष रवि मनुभाई परमार ने बताया कि आयोग को सभी जिलों की उत्तर पुस्तिकाएं प्राप्त हो चुकी हैं और गुरुवार से ओएमआर शीट की स्कैनिंग शुरू हो गयी। सभी ओएमआर शीट की स्कैनिंग से लेकर अंतिम आंसर-की तैयार करने और उसके अनुसार मूल्यांकन में कम-से-कम 20-25 दिन लगेंगे। उसके बाद आरक्षण पर सरकार के निर्णय का इंतजार किया जायेगा और दिशानिर्देश मिलने के बाद ही उसके अनुरूप रिजल्ट तैयार कर जारी किया जायेगा। यदि अभी आरक्षण पर दिशा-निर्देश मिल जाये, तो हम 15 अगस्त के आसपास रिजल्ट देने का प्रयास कर सकते हैं। मौके पर आयोग के सचिव गयासुद्दीन अंसारी व परीक्षा नियंत्रक सत्य प्रकाश शर्मा भी मौजूद थे। बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा कि तीसरे चरण की शिक्षक नियुक्ति परीक्षा के दौरान बायोमेट्रिक मिलान में दूसरे की जगह परीक्षा देने वाले 57 अभ्यर्थी पकड़े गये, जिनको प्रतिबंधित करने की कार्रवाई की जा रही है। आगे की परीक्षाओं में न केवल बायोमेट्रिक का सख्तीपूर्वक मिलान जारी रहेगा, बल्कि व्यक्तिगत विवरण में बदलाव कर गड़बड़ी करने वाले अभ्यर्थियों को पकड़ने के लिए आयोग सभी अभ्यर्थियों का मास्टर डेटा बेस भी तैयार करेगा। लेकिन इसका निर्माण सॉफ्टवेयर तैयार होने और संबंधित पोर्टल के सफल ट्रायल रन के बाद ही शुरू होगा।

जो अभ्यर्थी आयोग की परीक्षाओं में पहले शामिल हो चुके हैं, उनके द्वारा पहले दिया गया डेटा बेस आयोग के पास मौजूद है और एआइ की मदद से इससे जरूरत अनुसार मिलान भी किया जाता है, लेकिन जल्द ही ऐसी व्यवस्था की जायेगी, जिसमें हर अभ्यर्थी को आयोग के पोर्टल पर परीक्षा फॉर्म भरने से पहले अपना पर्सनल डिटेल रजिस्टर्ड करना होगा। इसमें अभ्यर्थी के नाम, जन्मतिथि, 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर और उच्च शैक्षणिक डिग्रियों से संबंधित विवरण, उससे संबंधित प्रमाणपत्र का पीडीएफ, फोटो और हस्ताक्षर अपलोड करना होगा। इसके बाद अभ्यर्थी को एक यूनिक एग्जामिनी नंबर दिया जायेगा। इस नंबर को उन्हें किसी भी परीक्षा का फॉर्म भरते समय डालना होगा और सिस्टम अपने आपे उनसे संबंधित व्यक्तिगत डिटेल ले लेगा। उन्हें केवल उन कॉलम की जानकारी देनी पड़ेगी, जो उस परीक्षा विशेष से संबंधित अनुभव या विशेष शैक्षणिक योग्यता आदि से संबंधित है। नयी व्यवस्था को बनाने में कम- से-कम एक से दो महीने का समय लगेगा। एक बार इसकी शुरूआत होने के बाद सालोंभर पोर्टल खुला रहेगा, जिसपर कोई भी व्यक्ति अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकेगा।

बिहार के राजस्व में 8.46 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि

प्रात: किरण

पटना। बिहार को लेकर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से जारी लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को गुरुवार को विधानसभा पटल पर रखा गया। वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने इसके बारे में सदन को विस्तृत जानकारी दी। रिपोर्ट में इस बात का जिक्र है कि प्राप्तियों और व्यय के बीच निरंतर असंतुलन, बढ़ते राजकोषीय दबाव का संकेत देता है। आंकड़े के हिसाब से वर्ष 2018-19 से 2022-23 के बीच राजस्व प्राप्तियां 8.46 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर के साथ है। वहीं राजस्व व्यय 2018-19 से 2022-23 के बीच 12.60 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रहा था। वर्ष 2018-19 से वर्ष 2022-23 तक राजस्व प्राप्तियां 1,72,688 करोड़ हो गई। राजस्व प्राप्तियों में सहायता अनुदान की हिस्सेदारी 2018-19 के 18.70 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 16.81 प्रतिशत हो गयी। सेवाओं के वर्तमान स्तर को बनाए रखने और पिछले दायित्वों के भुगतान के लिए राजस्व व्यय किया जाता है। इससे राज्य की अवसंरचनात्मक और सेवा क्षेत्र में कोई वृद्धि नहीं होती। राजस्व व्यय 2018-19 के दौरान 1,24,897 करोड़ से बढ़कर 1,83,976 करोड़ रुपए हो गया। यह 12.60 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रहा था। सकल घरेलू उत्पाद में 10.10 प्रतिशत की बढ़ोतरी : वर्तमान मूल्य पर राज्य का सकल घरेलू उत्पाद 10.10 प्रतिशत की औसत वृद्धि के साथ रहा। वर्ष 2018-19 के 5,27,976 करोड़ से बढ़कर 2022-23 में 7,51,396 करोड़ रुपए हो गया। तुलनात्मक तरीके जब विश्लेषण किया गया तो 2021-22 की तुलना में जीएसडीपी में 15.55 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एसी बिल के माध्यम से निकाले गए अग्रिम धन के विरुद्ध डीसी बिल जमा करने की जरूरत के बाद भी 31 मार्च 2023 तक 7,489,06 करोड़ के 27392 एसी बिल जमा किए जाने को लंबित थे। इनमें से 6,450,17 करोड़ के 26674 एसी बिल 2021-22 की अवधि के थे। सीएजी की रिपोर्ट मे इस बात का जिक्र है कि 31 मार्च 2022 तक बिक्री, व्यापार आदि पर माल एवं यात्रियों पर कर, बिजली पर कर एवं शुल्क , वाहनो पर कर, वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर एवं शुल्क, भू राजस्व, राज्य उत्पाद, मुद्रांक व निबंधन फीस के बकाये 4,022.59 करोड़ रुपए थे। इनमें 1300.42 करोड़ पांच वर्षो से अधिक समय से लंबित थे।

नीट पर न्यायालय का फैसला कांग्रेस की ओछी राजनीति की हार : प्रधान

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-स्नातक मामले पर उच्चतम न्यायालय का फैसला छात्रों की हार नहीं बल्कि कांग्रेस के गैरजिम्मेदाराना रवैये और ओछी राजनीति की हार है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पर्चा लीक और भ्रष्टाचार की जनक है। प्रधान ने एक्स पर लिखा, सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि परीक्षा की शुचिता में कोई व्यवस्थागत उल्लंघन नहीं पाया गया है। कांग्रेस को भारत सरकार पर तो नहीं पर क्या उच्च न्यायालय पर भी भरोसा नहीं है? नीट मामले पर उच्चतम न्यायालय का फैसला विद्यार्थियों की नहीं कांग्रेस के गैरजिम्मेदाराना रवैये, कुतर्क और ओछी राजनीति की हार है। शिक्षा मंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से राजस्थान में जब उनकी पार्टी सत्ता में थी तब हुए पेपर लीक को लेकर सवाल किया।

हंगामा कांग्रेस कार्यकर्ता पर लाठीचार्ज और भ्रष्ट अधिकारी को संरक्षण देने का लगाया आरोप

मानसून सत्र : विपक्ष का हंगामा, मुंह पर काली पट्टी बांधकर पहुंचे कांग्रेस विधायक

प्रात: किरण

पटना। बिहार विधानसभा में मॉनसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को विपक्ष के सदस्यों ने कांग्रेस कार्यकताओं पर लाठीचार्ज के विरोध और सरकार पर भ्रष्ट अधिकारी को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए सदन में जमकर हंगामा किया। कांग्रेस के विधायक मुंह पर काली पट्टी बांधकर विधानसभा पहुंचे। कांग्रेस के विधायक राजेश राम ने कहा कि सरकार विरोधियों पर लाठी चलवाती रहती है।

उन्होंने कहा कि कल युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे और पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इधर, भाजपा के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि जो भी नियम तोड़ेगा उन पर पुलिस कार्रवाई करती है। दरअसल, विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। इसके अलावा विपक्ष ने महिला से दुराचार और भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी संजीव हंस का मुद्दा उठाया। विपक्षी सदस्य संजीव हंस की बर्खास्तगी की मांग को लेकर सदन के बीच में आ गए। विपक्ष के सदस्य प्ले कार्ड लिए हुए थे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव के आदेश पर मार्शल ने विपक्षी विधायकों के हाथ से प्ले कार्ड छीन लिया। शोरगुल के बीच ही प्रश्नोत्तर काल जारी रहा। इस दौरान विपक्षी सदस्यों ने सदन के बीच में ही बैठकर शैडो सदन बना लिया। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिनवादी (भाकपा माले) के विधायक महबूब आलम अध्यक्ष की भूमिका में रिपोर्टिंग कुर्सी पर और बाकी सदस्य जमीन पर बैठ गए। सभाध्यक्ष ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि सदस्य आसन की ओर पीठ करके नहीं बैठे अन्यथा वह करवाई करेंगे।

हंगामे के बीच ही वित्त विभाग के प्रभारी मंत्री सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक से प्राप्त बिहार सरकार का 31 मार्च, 2022 को समाप्त हुए वर्ष 2021-22 के अनुपालन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं स्थानीय सरकार पर लेखा परीक्षा प्रतिवेदन तथा 31 मार्च, 2023 को समाप्त हुये वर्ष 2022-23 के राज्य के वित्त प्रतिवेदन को सदन पटल पर रखा।कुछ देर तक हंगामा करने के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और वामपंथी दलों के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए। इसके बाद सदन की कार्यवाही बिना किसी व्यवधान के सुचारू ढंग से चली। सभी निर्धारित विधायी कार्य निपटने के बाद सभा की कार्यवाही भोजनावकाश तक के लिए स्थगित कर दी गई।

मतदान केंद्रों पर कब्जा करने की 900 से अधिक मिलीं शिकायतें : मंत्री

विधि और कानून राज्य मंत्री ने चुनाव आयोग द्वारा दिए गए आंकड़ों को किया साझा

नई दिल्ली/एजेंसी। सरकार ने बृहस्पतिवार को बताया कि हाल में हुए संसदीय चुनाव और विधानसभा चुनावों के दौरान मतदान केंद्रों पर कब्जा करने की 925 शिकायतें मिलीं, जिनमें से सबसे अधिक 875 शिकायतें पश्चिम बंगाल से प्राप्त हुईं। विधि और कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए राज्यसभा को बताया कि मतदान केंद्रों पर कब्जा करने के मामलों में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि अरुणाचल प्रदेश से एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जहां हाल ही में लोकसभा और राज्य विधानसभा के लिए एक साथ चुनाव हुए थे और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। चुनाव आयोग द्वारा की गई कार्रवाई का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को नए सिरे से चुनाव कराने का निर्देश दिया गया था और संबंधित निर्वाचन अधिकारी को जांच शुरू करने का निर्देश दिया गया था। पूर्वी कामेंग जिले के खेनवा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है और एक व्यक्ति अभी भी न्यायिक हिरासत में है। उन्होंने बताया कि बिहार में 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान केंद्रों पर कब्जे की 47 शिकायतें दर्ज की गईं। इसके अलावा, 2019 के लोकसभा चुनाव में 50 और 2020 में राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान 13 ऐसी शिकायतें प्राप्त हुईं। सत्यापन के बाद सभी शिकायतें झूठी पाई गईं और उनका निपटारा कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

स्कूटी सवार तीस हजार झपटा मार हुआ फरार

पटना सिटी (प्राकि)। स्कूटी सवार झपटमार गिरोह भी क्षेत्र में सक्रिय है। यह गिरोह एक साइकिल सवार से तीस हजार रुपया झपटा मार कर फरार हो गया। मेहंदीगंज थाना की पुलिस को सूचना मिलने पर मामले की छानबीन कर रही है। दरअसल कुम्हरार का रहने वाला अमित कुमार सिंह एक निजी कंपनी में स्टोरकीपर है। कंपनी का काम समाप्त होने के बाद वह साइकिल से अपने घर जा रहा था। मेहंदीगंज के नारायण धर्मकांटा के पास स्कूटी सवार दो अपराधी उसे ओवरटेक कर आगे बढ़ा और कंधा पर रहा झोला को झपट्टा मार कर भाग निकला। झोला में कंपनी का तीस हजार रुपया और मोबाइल था। स्कूटी के पीछे बैठा अपराधी उजला शर्ट और ब्लू पैंट पहन रखा था। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन किए जाने की बात कह रही है।

सड़क निर्माण कार्य का किया गया शिलान्यास

पटना सिटी (प्राकि)। वार्ड संख्या 61 के रानीपुर बाहरी पानी टंकी से लेकर रानीपुर काली स्थान तक सड़क निर्माण का नींव रखा गया। पूर्व उपमहापौर सह पार्षद प्रतिनिधि रूप नारायण मेहता ने इसकी नींव रखा। आयोजन में श्री काली पूजा समिति रानीपुर के जुड़े लोगों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। पूर्व महापौर ने कहा कि सड़क बनने से लोगों को आवाजाही में सुविधा होगी। वार्ड के हर लोगों के बीच बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। इसी संकल्प के साथ कार्य किया जा रहा है।

13 की जांच डेंगू का मिला एक मरीज

पटना सिटी (प्राकि)। नएमसीएच के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में डेंगू के 13 सैंपल की जांच गुरुवार को की गई। इसमें एक डेंगू संक्रमित मरीज मिला है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉप्रो संजय कुमार ने बताया कि संक्रमित डेंगू मरीज बहादुरपुर बाजार समिति की 34 वर्षीया महिला है। अस्पताल के अधीक्षक डॉ बिनोद कुमार सिंह और उपाधीक्षक डॉ सरोज कुमार ने बताया कि अस्पताल में तीस बेड डेंगू मरीजों के लिए आरक्षित किया गया है। इसमें पांच वार्ड शिशु रोग विभाग में है।

एटीएम कार्ड बदलकर जालसाजों ने रुपए उड़ाए

फतुहा। एटीएम से रुपए निकालने गई एक महिला का कार्ड बदलकर जालसाजों ने गुरुवार को उनहत्तर हजार रुपए उड़ा लिए। इस संदर्भ में मसाढ़ी निवासी शंभू सिंह की पत्नी सोनी देवी ने फतुहा थाने में लिखित शिकायत की है। पीड़िता के अनुसार उसका एसबीआई में खाता है तथा वह महारानी चौक स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम से रुपए निकालने गई तभी एक जालसाज अंदर घुस गया। उसने मदद के नाम पर झांसे में लेकर दूसरा एटीएम थमाकर कहा कि लिंक नहीं है इसलिए रुपया नहीं निकलेगा। इसके बाद महिला घर चली गई। कुछ ही देर बाद उसके मोबाइल पर उनहत्तर हजार रुपए निकलने का मैसेज आ गया तब उसे ठगी का अहसास हुआ। इस मामले की पुलिस जांच कर रही है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण बेहद जरूरी, कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं

बिक्रम :- गोपाल विद्यार्थी स्थानीय पार्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय के क्रीड़ा मैदान में गुरुवार को हिंदू धर्म रक्षक संगठन द्वारा पौधारोपण किया गयो मौके पर संगठन के लोगों ने क्रीड़ा मैदान के चारो ओर दर्जनों फलदार व फूलदार पौधे लगाए व इसकी देख रेख करने का संकल्प लिऐ वहीं संगठन के विक्रम प्रखंड संयोजक गुड्डू गुप्ता ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को हर वर्ष कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिऐ उन्होंने कहा कि संगठन के अध्यक्ष कुणाल किशोर के द्वारा पर्यावरणीय प्रदूषण नियंत्रण हेतु लगातार पौधा वितरण किया जा रहा है पर्यावरण को बचाने के लिए हम सभी को मिलकर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना होगा मौके पर व्यवसायिकता संघ के सदस्य रितिक रोशन, श्री प्रकाश गुप्ता, कौशल, अरुण, सुजीत, लवकुश कुमार, नीरज कुमार, अजय, सुनील, भोली, पप्पू कुमार एवं ट्रेनर हरे राम ने भी पौधारोपण किया

माँगों को लेकर बिहार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने पीएचसी पर किया प्रदर्शन

बिक्रम :- गोपाल विद्यार्थी विभिन्न माँगों को लेकर गुरुवार को बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले एनएचएम कर्मचारियों ने बिक्रम के अस्पुरा स्थित पीएचसी पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कियो मौके पर कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार करते हुए अस्पताल में ओपीडी सेवाएं बंद रखा, हालांकि आपातकालीन सेवा को चालू रखा गयो प्रदर्शनकारियों की माने तो जबतक सरकार हमारी मांगों को पूरी नही करती तबतक उनकी हड़ताल जारी रहेगो प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने संघ के माध्यम से सरकार व संबंधित वरीय अधिकारियों को मांग पत्र भेजा है जिसमें समान काम का समान वेतन, कैडर में शामिल कर नियमित किए जाने, बिजली, साफ पानी, शौचालय, सफाईकर्मी तथा महिला सीएचओ, जीएनएम, एएनएम के लिए सुरक्षा की तमाम व्यवस्था अविलंब बहाल किए जाने सहित कई अन्य मांगे रखी है

एम्स में किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा अगस्त से शुरू होने की उम्मीद : जीके पाल

स्वास्थ्य विभाग ने एम्स को दी किडनी प्रत्यारोपण के लिए मंजूरी

प्रात :किरण संवाददाता

पटना एम्स आने वाले महीनों में किडनी प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू करने की तैयारी कर रहा है। बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने मानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत एम्स पटना को किडनी प्रत्यारोपण के लिए मंजूरी दे दी है। एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक और सीईओ डॉ गोपाल कृष्ण पाल ने कहा कि ट्रांसप्लांट कार्यक्रम इस साल अगस्त तक शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विशिष्टताओं के सात डॉक्टरों की एक टीम ने पीजीआई, चंडीगढ़ में औपचारिक अल्पकालिक प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले टीम के सदस्य हैं डॉ. कमलेश गुंजन, डॉ. विपिन चंद्रा, डॉ. अभ्युदय कुमार, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. उपासना सिन्हा, डॉ. तरूण कुमार और डॉ. जुटांग। उन्होंने आगे कहा, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और एनेस्थिसियोलॉजी विभाग, किडनी प्रत्यारोपण के लिए महत्वपूर्ण हैं, यहां अच्छी तरह से कार्य कर रहे हैं और रेडियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी और कार्डियोलॉजी सहित विभिन्न विभागों के सुपर विशेषज्ञों की एक टीम से पूरी तरह सुसज्जित हैं। यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. कमलेश गुंजन ने कहा कि पहले चरण में किडनी प्रत्यारोपण तभी शुरू होगा, जब मरीजों को रक्त संबंधी डोनर से किडनी मिलेगी। दूसरे चरण में, संस्थान कैडवेरिक ट्रांसप्लांट शुरू करेगा, जहां मस्तिष्क-मृत व्यक्ति की सहमति से किडनी निकाली जाएगी। डॉ. गुंजन ने कहा, हमारे पास पहले से ही 5 डायलिसिस मरीज हैं जो प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे हैं, जिनकी सर्जरी के लिए विभिन्न परीक्षण किए जा रहे हैं। एम्स पटना में एक अत्याधुनिक गहन देखभाल इकाई है जिसमें कार्डियक आउटपुट मॉनिटर और ईसीएमओ आदि जैसे अद्यतन उपकरण और सुविधाएं हैं, प्रत्यारोपण टीम के डॉ. अभ्युदय और डॉ. नीरज ने बताया। एम्स पटना में आगामी सुविधा से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर पूर्वी राज्यों और यहां तक कि उत्तर प्रदेश और उड़ीसा के आसपास के जिलों के मरीजों को लाभ मिलेगा। वर्तमान में, देश के इस हिस्से के मरीजों को ट्रांसप्लांट सर्जरी के लिए एम्स, नई दिल्ली और पीजीआई, चंडीगढ़ जैसे उच्च केंद्रों में जाना पड़ता है। एम्स, पटना की सुविधा से अन्य उच्च केंद्रों पर किडनी रोगियों का बोझ भी कम हो जाएगा। डॉ. पाल ने कहा कि यह मरीजों के लिए अत्यधिक लागत प्रभावी भी होगा।निजी सुविधाओं पर 8-10 लाख की तुलना में, एम्स पटना में एक मानक गुर्दे प्रत्यारोपण प्रक्रिया की कुल लागत लगभग 3 लाख होने की उम्मीद है जिसमें दाता और प्राप्तकर्ता के लिए दवाओं और अस्पताल में रहने की लागत शामिल है।

नितीन पांच सौ पौधा रोपण करने कि शुरूआत करेंगे

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

छोटा सा प्रयास संस्था के द्वारा मां गंगा सेवा समिति खाजेकलां घाट के संस्थापक सदस्य एवं समाजसेवी स्व राजेश बाबू कसेरा की स्मृति में साप्ताहिक पौधारोपण के तहत गुरुवार को खाजेकलां घाट वाटिका में पौधारोपण किया। इस दौरान आंवला, बेल, बरगद, अशोक का पौधा के साथ अनेक फलदार पौधा लगाया गया। इसका शुभारंभ समाजसेवी सह सफल व्यवसाई नितिन कुमार उर्फ रिंकू एवं संस्था के मुख्य संरक्षक सुजीत कुमार कसेरा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अपने-अपने नाम से भी एक पौधा लगाया एवं उसके रखरखाव की भी जिम्मेवारी ली। श्री नितिन कुमार रिंकू ने संस्था को 500 पौधा उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस तरह के सभी कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति हमेशा रहेगी। नेतृत्व संस्था के अध्यक्ष पर्यावरण मित्र सुभाष कुमार ऊर्फ अन्नू कसेरा एवं संचालन महासचिव कन्हाई पटेल ने किया। कार्यक्रम में अभय कुमार अतुल, देवस्य कसेरा, अजीत यादव, उदय अकेला, संजय राय, शिव यादव, रंजीत पासवान, पियुष कसेरा, अनिमेष अग्रहरी, कृष्णा पटेल आदि शामिल थे।

डेंगू के नियंत्रण को निरोधात्मक व उपचारात्मक उपाय बताए डॉ (प्रो) सतीश

90 चिकित्सका पदाधिकारियों व शिक्षक चिकित्सकों ने ट्रेनिंग लिया

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

राज्य में डेंगू एवं चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत क्लीनिकल मैनेजमेंट ऑफ डेंगू एवं चिकनगुनिया पर गुरुवार को आरएमआरआईएमएस में प्रशिक्षण कराया गया। इस प्रशिक्षण में आर एमआरआई के निदेशक डॉ कृष्णा पांडेय, अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ अशोक कुमार, वरीय क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर कैलाश कुमार, राज्य समन्वयक डब्ल्यूएचओ (एनटीडी) डॉ राजेश पांडेय, एनएमसीएच के प्रोडॉ सतीश कुमार एवं डॉ अखिलेश कुमार के द्वारा डेंगू के नियंत्रणार्थ, निरोधात्मक एवं उपचारात्मक उपाय बताए गए। इस प्रशिक्षण में राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पताल एवं सभी जिलों से दो-दो चिकित्सा पदाधिकारी को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया। इसका उद्देश्य जिला स्तर पर डेंगू से संबंधित निरोधात्मक एवं उपचारात्मक उपाय का सुगम क्रियान्वयन कराया जा सके। इसके अतिरिक्त डेंगू एवं चिकनगुनिया के सम जांच के लिए राज्य के सभी सादर अस्पताल के प्रयोगशाला प्रावैधिकों को प्रशिक्षण दो दिनों (26 एवं 27 जुलाई) को आरएमआरआई, पटना के अगमकुआं स्थित भवन में दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य राज्य के सभी अस्पतालों में चल रहे हैं डेंगू जांच को बेहतर बनाना है। गुरुवार के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 90 चिकित्सा पदाधिकारी और शिक्षक चिकित्सकों ने भाग लिया।

फार्मासिस्टों की नियुक्ति का मामला विधानसभा में उठा

पटना सिटी, विधानसभा में राजद के विधायकों ने राज्य में विगत 18 वर्षों से नहीं हो रहे डिप्लोमा फार्मासिस्टों की नियमित नियुक्ति के संबंध में सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। राष्ट्रीय जनता दल के विधायक डॉ रामानुज प्रसाद, छोटे लाल राय, श्रीमती अनिता देवी, मनोज कुमार यादव, राजीव कुमार उर्फ मुन्ना यादव ने गुरुवार को विधानसभा में राज्य के लगभग सभी सरकारी संस्थानों एवं अस्पतालों में फार्मासिस्ट की घोर कमी और डिप्लोमा फार्मासिस्टों की नियमित नियुक्ति लगभग 18 वर्षों से नहीं होने के कारण सरकारी अस्पतालों में इलाज करवाने के लिए आ रहे गरीब मरीजों को डिप्लोमा फार्मासिस्टों के द्वारा सही दवा और परामर्श नहीं मिलने से मरीजों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने एवं सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र एवं माननीय उच्च न्यायालय पटना द्वारा पारित न्यायादेश के अनुपालन के आलोक में प्रदेश के सभी अस्पतालों में फार्मासिस्ट के रिक्त पदों पर डिप्लोमा फार्मासिस्टों की यथाशीघ्र नियमित नियुक्ति करने हेतु सदन के माध्यम से राज्य सरकार का ध्यानकृष्ट कराए हैं।

फ्लैट का ताला तोड़ नगद व जेवरात छह लाख की संपति चोरी

फ्लैट में ताला बंद कर दानापुर पूजा में शामिल होने गए थे, हो गई चोरी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के चंद्रमोती इनक्लेव अपार्टमेंट में स्थित बंद फ्लैट का ताला तोड़ चोरों ने लगभग छह लाख रुपये की संपति चोरी कर लिया। पीड़ित ने इसकी सूचना मेहंदीगंज थाना की पुलिस को दी है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची मेहंदीगंज थाना की पुलिस मामले में छानबीन कर रही है। पीड़ित युगल किशोर प्रसाद ने बताया कि वह पटना के एक निजी कंपनी में इंश्योरेंस का काम करता है। बुधवार को पूर्वाह्न करीब 11 बजे पत्नी फ्लैट में ताला बंद कर पूजा में शामिल होने के लिए दानापुर रिश्तेदार के यहां गई थी। देर शाम को जब वापस लौटे, तो देखा कि मकान का मेन गेट का ताला टूटा है। फ्लैट के अंदर आने पर आलमीरा व लॉकर का भी ताला टूटा था और सामान बिखरा पड़ा था। नवल किशोर ने कहा कि गोदरेज अलमीरा का भी ताला टूटा हुआ था। उसमें रखा करीब 3.50 लाख रुपया और सोना-चांदी का जेवरात गायब है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा प्लाई बोर्ड के एक कंपनी में काम करता है। वह रुपया कलेक्शन करने के बाद सारा रुपया घर में ही रखा था। पार्टी का करीब साढ़े तीन लाख रुपया था ,जो उन्हें देने को रखा गया था। पीड़ित के अनुसार चोरों ने बेटा के साढ़े तीन लाख रुपए और पत्नी के लभग 60 हजार रुपए के साथ ढाई लाख के सोना-चांदी के आभूषण चोरी कर लिया है। बताया गया कि सबसे पहले रिशु घर पहुंचा, तो देखा कि में गेट का ताला टूटा है। घर के अंदर जाने पर गोदरेज अलमीरा का भी ताला और टूटा है। उसने इसकी सूचना अपने माता-पिता को कॉल कर दिया। उसने बताया कि अलमीरा में मां और तीन बहनों का गहना भी रखा हुआ था। यह सभी अपार्टमेंट के तीसरे तले पर 301 में रहते हैं मगर सवाल है कि अगल-बगल रहने वालों को भी चोरी की घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। पीड़ित के द्वारा सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। मेहंदीगंज थाना के एएसआई अभय कुमार सिंह भी जांच करने पहुंचे। उन्होंने बताया कि अपार्टमेंट का सीसीटीवी खराब पाया गया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले में कार्रवाई की जा रही है।

हुंडई वर्कशॉप में अचानक लगी आग, कई गाड़ियां जलकर राख

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर। खगौल केंट रोड के आरके पुरम स्थित हुंडई वर्कशॉप में अचानक आग लग गई। वर्कशॉप के गार्ड व कर्मी कुछ कर पाते देखते देखते आग अपना विकराल रूप धारण कर लिया। आग व धूंए का गुब्बार उठता देख पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने इसकी सूचना अग्निशमन विभाग को दी जो मौके पर पहुंच आसपास के घरों को खाली कराने के बाद अग्निशमन की 12 टीमें करीब 25 से ज्यादा दमकल की गाड़ियों का इस्तेमाल करते हुए घंटों मकस्सत के बाद आग पर काबू पाया। मगर इस आगलगी में चार दर्जन से अधिक नई व पुरानी लग्जरी गाड़ियां जलकर राख हो गई। वहीं पास में मौजूद फोर्ड सर्विस सेंटर में भी आग से नुकसान पहुंचा है। हुंडई वर्कशॉप से सटे मकान में रहने वाले रेलकर्मी संजय कुमार ने बताया कि गुरूवार की सुबह करीब 08:05 बजे हुंडई कार वर्कशॉप में धुंए का गुब्बार उठकर उनके मकान में प्रवेश कर रहा है। वह तुरंत सेंटर के गार्ड को जानकारी दी। जिसने अन्य कर्मियों को सूचित कर आग बुझाने लगा।

मगर चंद मिनटों में वर्कशॉप के अंदर मौजूद कारों में आग पकड़ लिया और अपना भयंकर रूप ले लिया। आग के कारण पूरा इलाका धुंए के गुबार से भर उठा। आग इतना भयावह था कि देखते-देखते वर्कशॉप में मौजूद दर्जनों लग्जरी गाड़ियां आग से धूधू कर जल उठा। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर छोटी बड़ी करीब 25 दमकल की गाड़ियां पहुंची मगर सड़क संकरा होने के वजह से मुख्य मार्ग पर दमकल की गाड़ी खड़ी कर दी गई और वही से लंबी पाइप के माध्यम से वर्कशॉप में लगी आग पर काबू पाने में जुट गई। एतिहात के तौर पर आस-पास स्थित घरों को खाली कराया गया।

वहीं घटनास्थल पर डीआईजी अग्निशमन पटना मृत्युंजय कुमार चौधरी, आईजी सुनील कुमार नायर पहुंचे व आग बुझाने की प्रक्रिया में अपने जाबांजों हौसला बढ़ाया। वही सर्विस सेंटर के पास मौजूद एसएसबी के जवान अपने कार्यालय से निकलकर अग्निशमन दस्ते की मदद के लिए टूट पड़े। उन्होने जबतक आग पूरी तरह नहीं बुझा तबतक हर प्रकार से अग्निशमन दस्ते की मदद करते रहे। इस बीच पास सटे फोर्ड सर्विस सेंटर के बाहर खड़ी कई कार भी आग चपेट में आकर जलकर खाक हो गई। बताया जा रहा कि हुंडई व फोर्ड वर्कशॉप के मालिक उदय शंकर ओझा है। वहीं डीआईजी अग्निशमन मृत्युंजय कुमार चौधरी ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जतायी जा रही है। इस अगलगी की घटना में कई लग्जरी गाड़ियां जलकर खाक हो गई है। जिसका आंकलन किया जा रहा है। इस अगलगी में करोडों का नुकसान होने की संभावना जतायी जा रही है। हांलाकि पूरे मामले की जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि आग कैसे लगी? वर्कशॉप में अग्निशमन को लेकर यहां सुरक्षा के क्या इंतजाम थे, मापदंडों का कंपनी ने पालन किया कि नहीं ये सभी बिन्दुओं पर जांच की जा रही है। उन्होने कहा कि बिना एनओसी पर यहां कार्य हो रहा है तो कार्रवाई की जाएगी।

अतुल्या आर्ट्स के कार्यशाला में बच्चे सिख रहे उच्चरण के गुर

प्रात :किरण संवाददाता

अतुल्या आर्ट्स के तत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के आज छठे दिन बच्चों को पुल्लिंग और स्त्रीलिंग को कैसे आसानी ढंग से पहचान करके उच्चारण को सही कर सकते है यह तरकीब अतुल्या आर्ट्स की सचिव ने बताई और सिखाई। कार्यशाला के छठे दिन उर्दू पुस्तकालय के अध्यक्ष अरशद फिरोज साहब, परवेज अख्तर, राजेंद्र नरेंद्र, श्रीपर्णा चक्रबर्ती आदि रहे प्रतिभागियों में - आकाश, आनंद विकास, समीर, सरिता, शाहिद, अभिषेक, अशरफ, आबिद, शिवांगी स्नेहा आदि रहे।

पूर्व सांसद फूलन देवी का पुण्यतिथि मनाया

प्रात :किरण संवाददाता

बेलवरगंज के शिव मंदिर के सभागार में पटना महानगर बिहार निषाद संघ के तत्वावधान में पूर्व सांसद स्व फूलन देवी की तस्वीर पर फूल-माला चढ़ाकर उपस्थित लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। बिहार निषाद संघ के प्रदेश अध्यक्ष त्रिलोक सिंह निषाद ने उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फूलन देवी का जन्म यूपी के जालौर जिला के गोरहा गांव में एक एक निर्धन और मल्लाह जाति में हुआ। यह काफी सुंदर थी। 20 वर्ष की उम्र में कुछ दबंग जाति के लोगों ने इनके साथ सामूहिक बलात्कार किया। इन सबों से बदला लेने के लिए डकैत बनी और बलात्कारियों को लाइन में खड़ा कर 20 बलात्कारियों को बंदूक की गोलियों से मौत के घाट उतार दिया। देश-विदेश में इस घटना की काफी चर्चा हुई। जेल से छूटने के बाद सांसद बनकर नई जिंदगी की शुरूआत की। उनके नाम पर फिल्म बनी और अनेक गीत भी लिखे गए, जो गांव-गांव में लोग इस गीत को गाने लगे। इनका जीवन काफी संघर्षमय रहा। 25 जुलाई, 2001 को इनका निधन हुआ। आज हिंदुस्तान में मल्लाह जाति और इनके समर्थक पुण्यतिथि और जयंती मनाते हैं। आज के पुण्यतिथि में पटना महानगर बिहार निषाद संघ के महासचिव दिलीप महतो, रामजी साहनी, रामचंद्र सहनी, छोटू महतो, देवीलाल, साबिर महतो, राजा बाबू, राजेश केवट, रामप्रवेश, पुनेश्वर केवट और गंगा जली देवी शामिल हुईं।

जन्म के पहले घंटे में स्तनपान से नवजातों में मृत्यु का खतरा 20 प्रतिशत होता है कम

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। अगस्त के पहले हफ्ते को विश्व स्तनपान सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। स्तनपान न सिर्फ नवजातों में मृत्यु दर को कम करता है बल्कि यह स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए भी फायदेमंद होता है। प्रथम घंटे में स्तनपान से नवजातों में मृत्यु दर की संभावना 20 प्रतिशत तक कम हो जाती है। डायरिया और निमोनिया के खतरे भी 11 से 15 गुणा कम हो जाते हैं। नवजातों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में भी वृद्धि होती है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने नवजात शिशुओं के मृत्यु को कम करने में काफी सफलता पायी है। 1990 में विश्व भर में नवजात शिशुओं की मृत्यु में भारत की हिस्सेदारी एक तिहाई थी, जो आज एक चौथाई से भी कम रह गयी है। स्तनपान के फायदों को बताती हुई एम्स पटना की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ इंदिरा प्रसाद कहती हैं कि जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान किसी नवजात के लिए अमृत के समान है। नवजात में यह रोग और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ सुपाच्य होता है। वहीं माताओं में यह ब्रेस्ट कैंसर जैसी संभावनाओं को भी कम कर देता है। नवजात सिजेरियन हो या नार्मल विधि से, जन्म के एक घंटे के अंदर उसे मां का गाढ़ा पीला दूध अवश्य पिलाना चाहिए। इसके अलावा जन्म के छह महीने तक केवल मां का दूध ही पिलाना चाहिए। वहीं ऐसी माताएं जिन्हें स्तनपान कराने में दिक्कत है या असमर्थता हैं, उन्हें बच्चों को एक्सप्रेस्ड ब्रेस्ट मिल्क पिलाने को कहा जाता है।

विभाग भी मनाएगा विश्व स्तनपान सप्ताह

स्वास्थ्य विभाग विश्व स्तनपान सप्ताह बड़ी तैयारी के साथ मनाता है। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में ब्रेस्टफीडिंग कक्ष की स्थापना की जाती है। विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए आशा, एएनएम एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं द्वारा प्रचार-प्रसार किया जाएगा। ये सभी अभियान के दौरान अधिक से अधिक माताओं को शिशु के जन्म के एक घंटे के अंदर स्तनपान प्रारंभ करने में मां की सहायता करना तथा गर्भवती व धात्री माताओं को छह माह तक केवल स्तनपान कराए जाने के महत्व के बारे में बताएंगे। इसके अलावा उनके साथ बैठक कर स्तनपान से होने वाले लाभ व स्तनपान के सही तरीके के संबंध में भी चर्चा करेंगे।

सिमली शाखा गली के खटाल में चल रहे गेसिंग अड्डा पर छापा

पटना सिटी, मालसलामी थाना की पुलिस ने सिमली शाखा गली स्थित धीरज कुमार के खटाल में चल रहे जुए/गेसिंग के अड्डे पर गुरुवार को छापामारी किया। यहां जुआ/गेसिंग खेलते पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन सबों के पास से छह मोबाइल, 10 रूलदार डायरी, सौ पीस कटा हुआ टिकट/पर्ची, 3,325 रुपया नगद, काला रंग का झोला एवं एक एटीएम कार्ड बरामद किया गया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि वरीय अधिकारी के निदेर्शानुसार गुप्त सूचना के आधार पर धीरज कुमार पिता सुरेश यादव के खटाल में जुआ व गेसिंग खेलाए जाने की सूचना पर टीम गठित कर छापेमारी किया गया। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसमें इसी थाना क्षेत्र के छोटी मंदिर नगला मास्टर कॉलोनी का रहने वाला विरेंद्र कुमार पिता स्व राम प्रताप, छोटी मंदिर का रहने वाला अनिकेत कुमार पिता राजेंद्र गोप, सुधीर कुमार मिस्त्री पिता बद्री मिस्त्री, राहुल कुमार पिता रघुनाथ प्रसाद (दोनों शरीफगंज) और जमुनापुर का रहने वाला राहुल कुमार पिता राम गति प्रसाद है। छापेमारी टीम में पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह, परिक्ष्यमान पुअनि अविनाश कुमार, अमित कुमार, सुमित कुमार, सिपाही संतोष कुमार, संजीत कुमार और गौतम कुमार शामिल थे।

राशन कार्ड का आरटीपीएस हुए 6 माह बीता, नहीं मिल रहा राशन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

अशोक राजपथ के बावली मोड़ रोड पर गरीब महिलाएं एवं पुरुष ने जनवरी एवं फरवरी में पटना सदर ब्लॉक में राशन कार्ड के लिए आरटीपीएस किए गए आज तक राशन कार्ड नहीं मिलने के कारण रोष जताया। लोगों का आक्रोश स्थानीय पार्षद सहित बिहार सरकार के मुख्यमंत्री एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री के प्रति था। रोड पर उतर कर आक्रोश व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि आरटीपीएस का आवेदन मिलने के बाद अप्रैल माह में राशन कार्ड मिलने की अवधि भी अंकित है। हम सभी लोग पटना सदर ब्लॉक एवं अनुमंडलधिकारी के यहां चक्कर लगा कर थक चुके हैं। अवधि समाप्त होने के चार महीना बीत जाने के बाद भी अभी तक कोई बताने वाला नहीं है कि राशन कार्ड कब मिलेगा। निगम पार्षद शोभा देवी एवं पूर्व पार्षद बलराम चौधरी ने बताया कि जनवरी एवं फरवरी में वार्ड नंबर 60 के लोगों का पटना सदर ब्लॉक में लगभग 700 आवेदन जमा किया गया था। मगर अभी तक उस परिवार का राशन कार्ड बनकर नहीं आया है। इसके कारण लोगों में काफी आक्रोश है। कहा कि बड़ी संख्या में राशन कार्ड से लोगों का नाम काट दिया गया है। उस स्थिति में इस महंगाई में परिवार चलाना बहुत मुस्किल हो गया है। आक्रोश व्यक्त करने वालों में विजय ठाकुर, मुन्नी देवी, शीला देवी, सुनीता देवी, माला सिन्हा, देवेंद्र राय, जूली खातून, मीणा खातून, मुन्नी बेगम, भूषण माली आदि शामिल थे।

एक्सिस बैंक के वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के नतीजे घोषित

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। एक्सिस बैंक ने वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के अपने नतीजों की घोषणा कर दी है। तिमाही के लिए बैंक का कोर ऑपरेटिंग प्रॉफिट 16% बढ़कर 9,637 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में 5,797 करोड़ रुपये की तुलना में 6,035 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले साल की तुलना में 4% की वृद्धि दर्शाता है। बैंक की शुद्ध ब्याज आय 24 में 11,959 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में 12% वाईओवाई और 3% क्यूओक्यू बढ़कर 13,448 करोड़ रुपये हो गई। क्यू1एफआई25 के लिए इसका शुद्ध ब्याज मार्जिन 4.05% रहा। सीएसीए जमा में 4% की वृद्धि हुई, जबकि सीएसीए अनुपात 42% रहा। बैंक का परिचालन राजस्व क्यू1एफआई24 में 17,046 करोड़ रुपये से 13% वाईओवाई बढ़कर क्यू1एफआई25 में 19,232 करोड़ रुपये हो गया। 30 जून 2024 तक बैंक ने सकल एनपीए और शुद्ध एनपीए के स्तर को क्रमशः 1.54% और 0.34% पर रिपोर्ट किया, जबकि 30 जून 2023 को यह 1.96% और 0.41% था। क्यू1एफआई25 के लिए बैंक की शुल्क आय 16% बढ़कर 5,204 करोड़ रुपये हो गई। रिटेल शुल्क में वर्ष दर वर्ष 18% की वृद्धि हुई तथा यह बैंक की कुल शुल्क आय का 71% रहा। कुल पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.65% रहा, जिसमें सीईटी 1 अनुपात 14.06% रहा। बैंक का वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस भारत में सबसे बड़े व्यवसायों में से एक है, जिसमें 30 जून 2024 के अंत तक 5,99,108 करोड़ रुपये की प्रबंधन के तहत संपत्ति है, जो 40% वाईओवाई बढ़ी है।

भाजपा के लिए सर्वप्रथम देश और देश का सम्मान होता है : सम्राट

- शहीदों के सम्मान से भाजपा कभी समझौता नहीं करेगा
- भाजयुमो द्वारा कारगिल विजय दिवस के 25वीं वर्षगांठ पर वीरों को सम्मान

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

भारतीय जनता युवा मोर्चा बिहार द्वारा आईएमए हॉल में कारगिल विजय दिवस के 25वीं वर्षगांठ के पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के वीरों तथा उनके परिवारजनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम के उपरांत उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सैकड़ों युवाओं के साथ कारगिल चौक स्मारक तक मशाल के साथ पहुंचे और दीप प्रज्वलित कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान आईएमए हॉल से कारगिल चौक तक भारत माता की जय और वंदे भारत के नारों से पूरा माहौल राष्ट्रभक्ति का हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सम्राट चौधरी ने कारगिल युद्ध में अपना सर्वोच्च बलिदान करने वाले सभी सैनिकों को नमन किया। उन्होंने कहा कि मेरे पिता जी पाकिस्तान के साथ हुए सभी युद्धों में भाग लिया और मुझे गर्व है कि मैं एक सैनिक परिवार का सदस्य हूं। उन्होंने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों ने जिस प्रकार अपना शौर्य दिखाया उससे समस्त देशवासी गौरवान्वित होते है। उप मुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भाजपा सदैव राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम की भावना से कार्य करती है। ऐसी भावना किसी अन्य पार्टी में नहीं मिल सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए सर्वप्रथम देश और देश का सम्मान होता है। उन्होंने कारगिल युद्ध की विजयगाथा को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री से बात करने का आश्वासन दिया। सभी नौजवानों से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ देश के लिए, और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि भाजपा शहीदों के सम्मान से कभी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि आज देश का डंका पूरे विश्व मे बज रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का साफ विचार है कि अगर पाकिस्तान के तरफ से बंदूक की गोली छूटे तो इधर से तोप का गोला छूटना चाहिए। यह भारत ने कर के भी दिखाया है। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन युद्ध की भी चर्चा की। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा ने कारगिल विजय दिवस को जाबांज सैनिकों के पराक्रम पर प्रकाश डाला और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से कारगिल युद्ध की विजयगाथा को पाठ्यक्रम में शामिल करने का आग्रह किया। श्री मिश्रा ने बताया कि सभी जिला केंद्रों पर कारगिल विजय के अवसर पर भाजयुमो कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कारगिल युद्ध के हमारे वीर सैनिकों, शहीदों के प्रति सम्मान करना और वर्तमान युवा पीढ़ी से कारगिल युद्ध के दौरान सेना के जवानों के शौर्य और पराक्रम से अवगत कराना। शहीद रामनाथ पांडेय, शहीद कल्याण सिंह, शहीद राजनंदन पोद्दार, शहीद रामेश्वर राम सहित दर्जनों शहीद के परिवारजनों तथा कारगिल युद्ध के वीर जवानों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा के अलावा प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु, सैनिक प्रकोष्ठ संयोजक आशुतोष शाही, महिला मोर्चा प्रभारी सजल झा, सह मीडिया प्रभारी प्रभात मालाकार, पटना महानगर अध्यक्ष अभिषेक कुमार, भाजयुमो पटना महानगर अध्यक्ष मयंक जायसवाल आदि उपस्थित रहें।

पुलिस के लाठीचार्ज मुद्दे पर प्रदेश भर में कांग्रेस का प्रदर्शन

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पिटाई प्रतिशोध पूर्ण कार्रवाई : अखिलेश

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

युवा कांग्रेस के कार्यकताओं की वीभत्स पिटाई के बाद पूरे राज्य में सभी जिला मुख्यालयों पर आज बिहार कांग्रेस के नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बेरोजगारी, पेपर लीक, बेलगाम अपराध, विशेष राज्य के दर्जे को नकारने, अग्निवीर योजना, बढ़ती महंगाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के विधानसभा घेराव पर निकले राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी, प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास समेत हजारों कार्यकताओं को बोरिंग रोड चौराहे पर पुलिस ने बर्बर पिटाई की थी, उसी के विरोध स्वरुप राज्य के अधिकांश जिलों में विरोध प्रदर्शन व्यापक तौर पर आयोजित किया गया। बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि जिस दुर्भावना के तहत यह कार्रवाई पटना पुलिस ने की है उसके लिए राज्य के एनडीए सरकार की जितनी भी भर्त्सना की जाएँ वो कम है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में सरकार का इकबाल खत्म हो चुका है और बिहार की एनडीए सरकार के मुखिया और उनके दोनों उप मुख्यमंत्रियों के इशारे पर पुलिस ने बिना किसी पूर्व चेतावनी के हमारे कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज कर दिया जिसके कारण हमारे अपने सैकड़ों युवा कार्यकर्ताओं को चोटिल होना पड़ा। जबकि पहले वाटर कैनन, फिर आंसू गैस और अंतिम में लाठीचार्ज की स्थिति बनती लेकिन यहां बगैर किसी चेतावनी या पूर्व सूचना के सीधे पुलिस द्वारा बर्बर तरीके से कार्यकर्ताओं की पिटाई बताने को काफी है कि ये प्रतिशोध पूर्ण कार्रवाई थी। इस घटना की जितनी निंदा की जाएँ वो कम है। इससे कांग्रेस के कार्यकताओं का मनोबल नहीं टूटेगा बल्कि हम और दुगुनी फुर्ती से इस मुद्दे सहित जनहित के मुद्दों पर प्रदर्शन करते रहेंगे। जब हम अंग्रेजों की लाठियों से नहीं डरे हैं तो इन लाठियों से कैसा डर रह जायेगा। राज्य भर में हुए प्रदर्शनों के बाबत जानकारी साझा करते हुए बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कहा कि पटना जिला में जिलाधिकारी से परमिशन नहीं मिलने के कारण आज प्रदर्शन नहीं हो सका लेकिन बाकी सभी जिलों में व्यापक रूप में प्रदर्शन हुआ। हमारे अभी भी कई कार्यकर्ता इलाजरत हैं और बेहतर इलाज के लिए कई अस्पतालों में भर्ती हैं। बिहार के मुखिया और भाजपा ने पटना पुलिस के माध्यम से अपनी खीझ निकाली है और इसका जवाब जनता आने वाले चुनावों में इन्हें जरुर देगी जब युवाओं के मुद्दों को उठाने पर ऐसे बर्बर तरीके से प्रदर्शन को कुचलने का काम किया जा रहा है।

बालू के अवैध खनन के प्रति सख्त रवैया अपनाएगी सरकार : विजय

- राज्य खनन उद्योग को कलंकित करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

बिहार के उपमुख्यमंत्री सह खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि रैयती भूमि से मिट्टी के निजी और गैर व्यवसायिक उपयोगकर्ताओं की ओर से विभाग को ऐसी कुछ सूचनाएं मिली थीं कि उन्हें कुछ स्थानों पर स्थानीय प्रशासन के अवांछित हस्तक्षेप का सामना करना पड़ा है। हमने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्पष्ट रूप से निर्देशित कर दिया है कि साधारण मिट्टी के गैर वाणिज्यिक उपयोग पर किसी प्रकार की रॉयल्टी की उगाही नहीं जाएगी। साथ ही स्थानीय प्रशासन को भी आदेशित किया गया है कि निजी उपयोग की मिट्टी के कटाव, परिवहन और प्रेषण को सुनिश्चित करेंगे। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि विभाग की ओर से सभी संवेदक भण्डारणकर्ताओं को भी यह निदेश दिया गया है कि वे पर्यावरणीय स्वीकृति के अनुसार अनुमान्य वार्षिक कैपिंग में से 4 महीने की मानसून अवधि के लिए समानुपातिक बालू की मात्रा सुनिश्चित करें। अवांछित तरीके से बालू की किल्लत पैदाकर कालाबाजारी और मुनाफाखोरी की मंशा रखने वाले अनुज्ञप्तिधारियों के विरुद्ध विभाग सख्त रवैया अपनाएगा। श्री सिन्हा ने कहा कि विभाग कि ओर से यह भी निर्देश दिया गया है कि संवेदक भण्डारणकर्ताओं के द्वारा छोटे अनुज्ञप्तिधारियों को उचित मूल्य पर सुगमतापूर्वक बालू उपलब्ध कराएं। हमने स्पष्ट कर दिया है कि विभागीय दिशा-निर्देशों की अवमानना करने वाले तथा अवैध बालू के कारोबार में संलिप्त लोगों से विभाग सख्ती से निपटेगा। श्री सिन्हा ने कहा हम बिहार में खनन उद्योग से जुड़ी भ्रांतियों तथा नकारात्मक छवि को हर कीमत पर दूर करना चाहते हैं। नियम से चलने वाले ईमानदार खनन उद्यमी हमारे लिए एसेट हैं। वे राज्य के राजस्व और रोजगार में योगदान देने वाले उद्यमी हैं। इसलिए हर कीमत पर विभाग उनके हितों की रक्षा करेगा। साथ ही आम लोगों बालू और मिट्टी जरूरतों को सस्ते और सुलभ रूप से पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है। इन उद्देश्यों में बाधा पैदाकर बिहार के खनन क्षेत्र को कलंकित करने वाले लोगों और उनके संरक्षकों की किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता के निधन पर शोक संवेदना

- मंत्री मंगल पांडेय ने निधन पर दुख प्रकट की
- लालू प्रसाद सहित राजद नेताओं ने जताया शोक

प्रात : किरण

पटना। बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडे ने जदयू पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता राजीव रंजन के निधन पर अपनी गहरी संवेदना और दुख प्रकट की है। राजीव रंजन सिंह इस्लामपुर के पूर्व विधायक थे। साथ ही पिछले साल ही नीतीश कुमार ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता बनाया था। राजीव रंजन एक कुशल प्रवक्ता और संगठनकर्ता थे। उनके निधन से बिहार की राजनीतिक जगत ने एक कुशल राजनेता खो दिया। इस दुख की घड़ी में ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूं की भगवान उनके परिवार को पीड़ा सहने की असीम शक्ति प्रदान करें। राजद में इस्लामपुर के पूर्व विधायक राजीव रंजन प्रसाद के निधन पर राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद,पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी,नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव, सांसद डॉ मीसा भारती, पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव, प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ,राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी, राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक, भोला यादव, राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रो मनोज कुमार झा, राज्यसभा सांसद संजय यादव, प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू, प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, विधायक राकेश रौशन, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद सहित अन्य नेताओं ने इनके निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट की है। और कहा कि इनके निधन से राज्य को अपूरणीय क्षति हुई है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे, और परिवार को दुख सहने की सहनशक्ति प्रदान करे।

सिर्फ लोगों को ठगने का काम कर रही एनडीए सरकार : तेजस्वी

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव गुरूवार को पटना लौटे। पटना लौटने के बाद जब मीडिया कर्मियों ने पूछा कि लोग कह रहे है कि मानसून सत्र चल रहा है और तेजस्वी यादव विदेश में घूम रहे हैं। मीडिया के इस सवाल का जवाब देते हुए तेजस्वी ने कहा कि हम तो जनता के दिल में रहते हैं। आगे उन्होंने कहा कि 15 अगस्त से हमलोग जनता के बीच जा रहे हैं। जनता के बीच जाने के लिए फीट भी होना पड़ता है। वहीं, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने के सवाल पर कहा कि हम लोग को पहले से ही पता था कि ये लोग केवल धोखा देना जानते हैं। केवल नौटंकी करते हैं। विशेष राज्य के दर्जे की ये लोग मांग करते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि ये लोग सरकार में है और जदयू के वजह से ही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। बिहार को विशेष राज्य के दर्जा नहीं देने का बीजेपी शुरू से ही मन बनायी हुई है। वो किसी भी रूप में ऐसा नहीं होने देंगे यह बात जनता दल यूनाइटेड भी जानती है। लेकिन यह मांग हमलोगों की पुरानी मांग रही है। विशेष राज्य का दर्जा बिहार को मिलनी ही चाहिए। यदि इसमें कोई संशोधन करने की जरूरत है तो वो किया जाए। इस मांग पर केंद्र सरकार कोई इंटरेस्ट नहीं दिखा रही है। पहले भी बहुत सारे संशोधन हुए हैं यह सिर्फ मामूली सा संशोधन है जिसे करने के बाद बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिल जाएगा। लेकिन ये लोग ऐसा करेंगे नहीं बल्कि सिर्फ लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। वही सुनील सिंह की सदस्यता खत्म होने के सवाल पर कहा कि यह तानाशाही और बेमानी है। आखिर किस आधार पर उनकी सदस्यता खत्म किया जाएगा।

विभिन्न मांगों को लेकर खेग्रामस का विधानसभा मार्च

95 लाख अति गरीबों को घोषित 2-2 लाख का सहायता देना होगा : धीरेंद्र

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा (खेग्रामस) के तत्वावधान में गुरूवार को राजधानी पटना में दलित, गरीबों और मजदूरों का विशाल विधानसभा मार्च निकला। गांव के गरीब,दलित और मजदूर महिला पुरुषों ने हजारों की संख्या में गेट पब्लिक लाइब्रेरी से गर्दनीबाग धरनास्थल तक विशाल जुलूस निकाला। गरीब और फटेहाल महिलाएं बुल्डोजर राज के खिलाफ अपना आक्रोश जाहिर करने पटना पहुंची थी। गरीबों को उजाड़ने के खिलाफ सभी भूमिहीनों को 5 डेसिमल वास की जमीन,पक्का मकान, 200 यूनिट फ्री बिजली,आंध्र की तरह सामाजिक सुरक्षा पेंशन 4000 रुपए करने, माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की लूट और दमन मुख्य मांगें थीं। गरीबों के विशाल विधानसभा मार्च की अगुवाई माले के वरिष्ठ नेता स्वदेश भट्टाचार्य, खेग्रामस के राष्ट्रीय संरक्षक पूर्व सांसद रामेश्वर प्रसाद,संगठन के राष्ट्रीय महासचिव धीरेंद्र झा,राज्य सचिव शत्रुघ्न सहनी, जीबछ पासवान,मदन सिंह,प्रदीप कुमार,रामधारी दास,देवेंद्र साह आदि कर रहे थे। इस मौके पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए धीरेंद्र झा ने कहा कि मोदी सरकार ने विशेष राज्य का दर्जा नहीं देकर बिहार के साथ नाइंसाफी की है। पुरानी योजनाओं घोषणाओं को रिपैकेजिंग करके स्पेशल पैकेज का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। खेग्रामस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह विधायक सत्यदेव राम ने कहा कि बिहार के सभी दलित-गरीबों को वासगीत जमीन और पक्का मकान देना होगा। आवासीय भूमिहीनों का विराट आंदोलन राज्य में तेज होगा और बुल्डोजर राज्य को चलने नहीं दिया जाएगा। संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह माले विधायक गोपाल रविदास ने कहा कि दलित-गरीबों की जो बात करेगा,वही पटनादिल्ली में राज करेगा। सभा को संबोधित करते हुए विधान पार्षद शशि यादव ने कहा कि दलित वंचितों के बीच से आने वाली महिलाओं को मुख्यमंत्री के द्वारा अपमानित करना बहुत ही दुखद है। सभा को अन्य लोगों के साथ ऐक्टू नेता आरएन ठाकुर, रणविजय कुमार, महासंघ गोप गुट के सम्मानित अध्यक्ष रामबली प्रसाद,ऐपवा नेत्री माधुरी गुप्ता आदि ने संबोधित किया।

28 को 16 मरीजों के मोतियाबिंद का होगा निःशुल्क आपरेशन

पटना। राधा देवी चैरिटेबुल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ शशि मोहनका ने बताया कि ट्रस्ट के आठवें वार्षिकोत्सव के अवसर पर रविवार 28 जुलाई को 16 मरीजों के मोतियाबिंद का फेको विधि से आपरेशन निःशुल्क किया जायेगा। डॉ मोहनका ने कहा कि यह आपरेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित न्यू बहादुर स्थित श्री बालाजी नेत्रालय में किया जाएगा। मौके पर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष बिनोद अग्रवाल ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक महीने के चौथे रविवार को सभी मरीजों के नेत्र की जांच निःशुल्क की जाती है. ट्रस्ट द्वारा मरीजों की सेवा के लिए एक एम्बुलेंस भी मंगाई गई हू जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा किया जायेगा। मौके पर बिनोद अग्रवाल ने बताया कि मरीज ऑपरेशन के लिए मो. न. +916202107123 पर सम्पर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। ट्रस्ट के सचिव एम पी जैन ने बताया कि निःशुल्क मोतियाबिंद आपरेशन के लिए मरीजों का चयन ट्रस्ट द्वारा चौथे रविवार के निःशुल्क शिविर में से किया गया है।

जन सुराज की सरकार बनी तो बुजुर्गों को 2 हजार रुपये पेंशन : पी के

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

जन सुराज अभियान के तहत बिहार की पदयात्रा पर निकले प्रशांत किशोर ने मधेपुरा जिले के विभिन्न गांवों में जन सभाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब जन सुराज की सरकार बनेगी तब पन्द्रह वर्ष की उम्र तक के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मुफ्त शिक्षा, कपड़ा और भोजन दिया जाएगा। उन्होंने गुरुवार को मधेपुरा में सातवें दिन की पदयात्रा की। गुरूवार को पदयात्रा की शुरूवात लक्सरी गांव से हुई जहां वे गोपालपुर में स्थानीय लोगों से बातचीत कर सिंहार होते हुए आलमनगर पहुंचे। गांव के लोगों ने प्रशांत किशोर की पदयात्रा का स्वागत बैंड-बाजा, ढोल-नगाड़ों से किया। लोग फूल मालाएं पहनाकर और चन्दन लगा कर उनका अभिवादन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। आयोजित सभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने स्पष्ट किया कि जब अगले साल जनता का राज बनेगा, तब नाली-गली बने चाहे न बने, साल भर के अंदर जितने आपके घर के लोग रोजी-रोजगार के लिए बाहर के दूसरे प्रदेशों में गए हुए हैं, उन्हें वापस बुलाकर बिहार में ही रोजगार मुहैया कराया जाएगा। इसके आगे प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज का दूसरा संकल्प है, 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 2 हजार रुपये पेंशन की व्यवस्था करेंगे ताकि उन्हें किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े।

कांग्रेस, राजद ने बिहार को सिर्फ धोखा देने का काम किया : अरविन्द

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि केन्द्र में जब यूपीए की सरकार थी और कांग्रेस के नेता मनमोहन सिंह देश में प्रधानमंत्री हुआ करते थे। तब यूपीए सरकार में मजबूती से शामिल उनके सहयोगी राजद थी तब कांग्रेस और राजद ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं देने का काम किया ? श्री लालू यादव बतायें कि 2004 से 2009 के अपने रेलमंत्रित्व काल में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिलाया? वहीं यूपीए के शासनकाल में कांग्रेस, राजद ने बिहार को विशेष पैकेज नहीं सिर्फ विशेष रूप से धोखा देने का काम किया था और आज भी दें रहें हैं। 2004 से 2014 तक के 10 साल के कार्यकाल में यूपीए सरकार ने बिहार को सिर्फ 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपये दिए थें। दुसरी ओर 2014 से 2024 के 10 वर्षों में नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 14 लाख 23 हजार करोड़ रुपये बिहार के विकास के लिए दिए हैं। यह राशि यूपीए सरकार की तुलना में 5 गुना अधिक है। यूपीए सरकार के 10 साल में बिहार में मात्र 53 केन्द्रीय परियोजनाएं कार्यान्वित की गई। जबकि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 10 वर्षों में बिहार में 318 केन्द्रीय परियोजनाएं पूर्ण की गई है। जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने तो 2014 में ही प्रधानमंत्री बनने के अगले साल ही यानी 2015 में ही 1.40 लाख करोड़ का स्पेशल आर्थिक पैकेज देकर बिहार के विकास को गति देने का काम किया था और पुनः अबकी बार बजट के द्वारा भी बिहार पर विशेष ध्यान देते हुए प्रधानमंत्री ने बिहार के प्रति अपना विशेष स्नेह प्रकट करने का काम किया हैं। श्री अरविन्द ने कहा की मोदी सरकार के बजट में विशेष रूप से बिहार छाया रहा। राज्य में विभिन्न परियोजनाओं के लिए 60,000 करोड़ रुपये से अधिक के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया, चाहे एक्सप्रेस-वे हो या पर्यटन स्थलों का विस्तार हो, कोसी के बाढ़ की समस्या का समाधान हो या 24 घंटे बिजली की व्यवस्था हो, चाहे विरासत के गलियारा हो या नए हवाई अड्डे या नए मेडिकल कॉलेज, या विष्णुपद बोधगया कॉरिडोर हो या पुराना नालंदा विश्वविद्यालय का विकास सभी क्षेत्रों के विकास के लिए बिहार को उचित राशि मोदी सरकार ने देने का काम किया हैं।

किसानों को 24 घंटे निरंतर बिजली उपलब्ध हो : राजद

- अन्नदाताओं को बिजली की आपूर्ति न करना अक्षम्य अपराध

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी एवं राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण 2023-2024 के अनुसार बिहार में विद्युत की आपूर्ति सरप्लस है वहीं दूसरी तरफ खेतों को आपूर्ति करने में कटौती की जा रही है, क्या यह न्यायसंगत है? बिहार में अपना उत्पादन शून्य है परन्तु बाहर से खरीद कर बिहार के उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति की जा रही है, परन्तु सारे लोगों को आपूर्ति किए जाने के बावजूद भी आपकी रपट यह कह रही है कि बिजली सरप्लस है तो क्या बिजली खरीद कर बेची जा रही है ?आपने कहा कि किसानों को कृषि उत्पादन के लिए 8 घंटे बिजली देते हैं जबकि धान की फसल के लिए न्यूनतम 24 घंटे बिजली आवश्यक है, तो क्या किसानों का अहित कर बिजली के सरप्लस होने के बाहवजूद विद्युत बड़े व्यापारियों को बेचना कहां तक न्याय संगत है? हमारा कृषि उत्पादन कम हो जाए और हम बैठे-बैठाए बिजली बेच कर आनंद उठाएं। दूसरी तरफ टैरिफ पीक आवर ज्यादा लेकर बिहार के व्यवसायियों को ज्यादा रेट पर बिजली देना यह उचित प्रतीत नहीं होता है। नदियां सुखी है, नहरों में पानी नहीं, जलाशय भी सूखे हैं। इस परिस्थिति में हमारी जमीनों के अंदर जो जल संरक्षित है, हमारी खेती उसी पर निर्भर है और इसके लिए बिजली की निरंतर आपूर्ति अतिआवश्यक है। हम मांग करते हैं कि वर्तमान प्राकृतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किसानों को 24 घंटे निरंतर बिजली उपलब्ध करवाई जाए। इस अवसर पर बिहार प्रदेश राजद प्रवक्ता एजाज अहमद भी उपस्थित थे।

एआईएसएफ के विधानसभा मार्च को पुलिस ने कारगिल चौक पर रोका

पटना। प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ तथा छात्रों के विभिन्न सवालों को लेकर ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन के द्वारा विधानसभा मार्च निकाला गया। बीएन कॉलेज से सैकड़ों की संख्या में छात्र छात्राओं का जुलूस हाथों में तख्ती तथा झंडा लिए एआईएसएफ के राज्यसचिव अमीन हमजा,संयुक्त राज्य सचिव राकेश कुमार एवं सुधीर कुमार के नेतृत्व में अपनी मांगों से जुड़े नारेबाजी करते हुए कारगिल चौक की तरफ आगे बढ़े। कारगिल चौक के पास मौजूद बड़ी संख्या में पुलिस ने बैरिकेट लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोका तो छात्रों एवं पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गई। आक्रोशित छात्र सड़क पर बैठकर सभा करने लगे। सभा की अध्यक्षता राज्य उपाध्यक्ष मोहित पासवान ने की। एआईएसएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विराज देवांग ने कहा नीट परीक्षा में धांधली देश के लिए शर्म की बात है।भाजपा नेताओं के संरक्षण में माफिया लगातार प्रश्न पत्र लीक करा रहे हैं। बिहार सरकार को नीट यूजी तथा एनटीए को भंग करने का प्रस्ताव विधानसभा से पारित करना चाहिए। उन्होंने कहा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति गरीब छात्रों के खिलाफ है इसलिए इसे रद्द कर देश भर में समान शिक्षा प्रणाली को लागू करना चाहिए। छात्रों के विधानसभा मार्च को समर्थन देने पहुंचे सीपीआई विधायक सूर्यकांत पासवान ने कहा छात्रों के आंदोलन को पुलिस के बल पर सरकार दबाने का प्रयास कर रही है। सरकार को छात्र नेताओं से मिलकर बात करनी चाहिए और छात्रों के समस्याओं को दूर करना चाहिए।

पूर्व मध्य रेल

ई-खुली निविदा सूचना

सं०-एस-टी/सोन/ई-खुली निविदा/24-25/26 दिनांक: 23.07.2024

मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूर संचार)/सोनपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई- निविदा आमंत्रित करते हैं। ई-निविदा की अंतिम तिथि **13.08.2024 को 12.00 बजे** तक निर्धारित है। ई-निविदा संबंधी एवं निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर किया जा सकता है।

क्रम सं०: 1, ई-निविदा सं०: एस & टी/सोन./ ई-खुली निविदा /24 - 25 / 26, कार्य का नाम (मद सं० सहित) : तिलरथ में प्रत्यक्ष स्वागत/प्रेषण सुविधा के साथ अतिरिक्त माल लाइन के प्रावधान के संबध में सहयोगी एस एंड टी कार्य का प्रावधान। **अनुमानित लागत (रू. में):** 3,55,51,878.79, **बयाने की राशि (रू. में):** 3,27,800.00, **निविदा प्रपत्र की कीमत अप्रतिदेय (रू. में):** 0.00, **समापन अवधिः** एल.ओ.ए. जारी होने की तिथि से 06 (छः) माह तक। उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। दिनांक 23.07.2024 को अपलोड कर दिया गया है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार-किसी भी निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा मे सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदा दाता का इसमे कोई दावा मान्य नही होगा। निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबंधक (सिग० एवं दू० इंजी०)
पूर्व मध्य रेल, सोनपुर

पीआर/00755/एसईई/एसएनडीटी/टी/24-25/36

बच्चे अच्छी पुस्तकें पढ़ने की आदत डालें : राज्यपाल

आर्लेकर ने एक कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से किया संवाद

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने डीएवी पब्लिक स्कूल, कैंट रोड, खगौल, पटना में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं को अपने पाठ्यक्रम से बाहर की अच्छी पुस्तकें पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारे मित्र और मार्गदर्शक हैं। उन्होंने उनसे लिखने की आदत डालने एवं समाचार पत्र पढ़ने को भी कहा। उन्होंने बच्चों में मोबाईल आदि के अत्यधिक प्रयोग की आदत पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसके लिए काफी हद तक अभिभावक जिम्मेदार हैं। उन्हें अपने बच्चों को पुस्तक पढ़ने में प्रवृत्त करना चाहिए। इसके लिए घरों में बच्चों के लिए सद्साहित्य उपलब्ध होने चाहिए। पुस्तक एवं अखबार पढ़ने तथा लिखने की आदत बन जाने पर बच्चे मोबाईल आदि से स्वतः दूर होते जाएंगे। बच्चों का किताबों के साथ गहरा संबंध होना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि बच्चे सरल स्वभाव के होते हैं। शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे उन्हें पाठ्य पुस्तकों से भिन्न अच्छी पुस्तकों से परिचित कराएं तथा उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करें। इससे उनका विशेष ज्ञानवर्द्धन होगा। उन्होंने पुस्तक पढ़ने का आह्वान करते हुए कहा- आओ पुस्तक पढ़ें, पढ़े बिहार, बढ़े बिहार। राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को पुस्तकें भी वितरित की जो उनके चरित्र निर्माण व उत्कृष्ट जीवन गठन तथा उच्चादर्शों पर चलने एवं मानवीय मूल्यों को धारण करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कूल, कैंट रोड, खगौल, पटना के प्राचार्य सह क्षेत्रीय पदाधिकारी एसके झा, डीएवी पब्लिक स्कूल, बीएसईबी कॉलोनी, पटना के प्राचार्य एसी झा, शिक्षकगण, विद्यार्थीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

मनसून के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल ने उठाये कई एहतिहाती कदम

पटना। पूर्व मध्य रेल ने बारिश के दौरान रेल पुलों अथवा रेलवे ट्रैकों के आस-पास जल-जमाव नहीं हो इसके लिए समुचित प्रबंध किए हैं। साथ ही अधिकारियों की देख-रेख में लगातार इसकी निगरानी भी की जा रही है। बाढ़ की आपात स्थिति से निपटने के लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा चयनित स्टेशनों पर पत्थरों के बोल्डर, स्टोन डस्ट, सीमेंट की खाली बोरियां, बांस-बल्ली आदि पर्याप्त मात्रा में तैयार रखे गए हैं। सभी कल्वर्ट की सफाई की गई है साथ ही रेलवे ट्रैक पर पानी जमा नहीं हो इसके लिए नियमित अंतराल पर क्रास ड्रेन की व्यवस्था की गई है। सभी रेल पुलों पर बारिश के पानी के पैमाने के लिए डेंजर लेवल बनाए गए हैं। ताकि सुरक्षित रेल परिचालन हेतु तत्काल कदम उठाया जा सके । नदियों के जलस्तर की निगरानी हेतु महत्वपूर्ण रेल पुलों पर वाटल लेवर मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए गए हैं । बारिश के दौरान जमा पानी को निकालने के लिए मोटर पंप आदि तैयार रखा गया है। इसके साथ ही पूरे मानसून के दौरान, रेल पटरियों की सुरक्षा हेतु चलाये जाने वाले सामान्य पेट्रोलिंग के साथ ही ह्यमानसून पेट्रोलिंगह्य की विशेष व्यवस्था की गयी है।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पटना भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग
बुद्ध मार्ग, पटना-800001
पत्रांकः- 2611 अनु.

अति अल्पकालीन निलामी आमंत्रण सूचना संख्या-01/2024-25

एतद् द्वारा पटना जिला अन्तर्गत चतुर्थ श्रेणी में निबंधित संवेदकों को सूचित किया जाता है कि पटना भवन प्रमंडल, पटना अंतर्गत आयुक्त कार्यालय, पटना प्रमंडल, पटना के कार्यालय भवन/परिसर के पुराने/अनुपयोगी समाग्रीयों को स्थल से हटाने/ले जाने हेतु खुली निलामी दिनांक-06.08.2024 को अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय में अपराहन् 2:00 बजे से की जायेगी। निलामी की न्यूनतम कुल राशि ₹ 25450.00 एवं निलामी में भाग लेने के लिए निर्धारित जमानत की राशि ₹ 2550.00 है।

1. निलामी में भाग लेने वाले इच्छुक संवेदकों को दिनांक-06.08.2024 के अपराहन्.1:00 बजे तक अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के रोकड़पाल के पास निर्धारित जमानत की अंकित राशि कार्यपालक अभिंयता, पटना भवन प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, पटना के पदनाम से निर्गत किसी राष्ट्रीयकृत बैंक का अद्यतन बैंक ड्राफ्ट जो पटना में भुगत्तेय हो, निबंधन प्रमाण पत्र, पैन कार्ड एवं जी0एस0टी0 निबंधन पत्र की स्वअभिप्रमाणित छाया प्रति जमा करना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने पर निलामी में भाग नहीं लेने दिया जायेगा।
2. अधीकतम बोली लगाने वाले संवेदकों को शेष राशि बैंक ड्राफ्ट के रूप में दिनांक-07.08.2024 को 3:00 बजे अपराहन् तक जमा करना अनिवार्य होगा। सफल बोलीकर्त्ता की जमानत की राशि निलामी की राशि में समायोजित कर ली जायेगी एवं अन्य असफल बोलीकर्त्ता/संवेदकों के उनकी जमानत की राशि नियमानुसार वापस कर दी जायेगी।

सफल बोलीकर्त्ता को सात दिनों के अंदर स्थल से सभी समाग्रियों(उपयोगी/अनुपयोगी एवं मलबा) इत्यादि को हटाना होगा

कार्यपालक अभियंता
पटना भवन प्रमंडल, पटना

PR. No.004651 (BCD) 2024-25

विस्तृत जानकारी **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** से प्राप्त की जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संक्षिप्त खबरें

बालू लोड ट्रक पुल के रेलिंग से टकराया, 3 घायल

बोचहा।मुजफ्फरपुर दरभंगा नेशनल हाईवे 57 पर तेज रफ्तार से जा रही बालू लोड एक ट्रक अनियंत्रित हो गई और शर्फुद्दीनपुर चौक पर बने पुल के रेलिंग में टक्कर मारते हुए अंदर की ओर घुस गई। यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक ने रेलिंग के चार पिलर को तोड़ दिय। इस हादसे में ट्रक के केबिन का हिस्सा क्षतिग्रस हो गया जिससे चालक और खलासी घायल हो गये। दोनों को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। चालक की पहचान समस्तीपुर जिला के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के चक लाल गांव निवासी सुशील राय व खलासी सूरज कुमार के रूप में हुई है। चालक ने बताया कि कोइलवर से बालू लोड कर दरभंगा जाने के क्रम में गुरुवार की अहले सुबह शर्फुद्दीनपुर चौक के पास एक वाहन चालक ने चकमा दिया। इस दौरान ट्रक असंतुलित होकर पुल के रेलिंग से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

कठपुतली एक समृद्ध और विविध इतिहास वाली कला : सुनील सरला

मुजफ्फरपुर। बिहार बाल भवन (किलकारी) जिला स्कूल छात्रावास, मुजफ्फरपुर में कठपुतली कार्यशाला प्रशिक्षक कठपुतली कलाकार सुनील सरला के निर्देशन में बच्चों को विलुप्त हो रहे लोककला कठपुतली का प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं। बच्चें खेल खेल में कठपुतली के साथ पर्यावरण के गीत के साथ साथ पौधारोपण, जल, जीवन,हरियाली पर बातचीत कर रहें हैं। कठपुतली प्रशिक्षक सुनील सरला बताते हैं कि भारत कठपुतली की मातृभूमि होने के बावजूद भी हमारे देश के लोगों को इस अद्भुत कला के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं हैं और न ही नई पीढ़ी पिछले कई वर्षो में कठपुतली कला को देखे हो।वक़्त के साथ कठपुतली कला में काफी बदलाव हुए हैं।पिछले पचास से अधिक वर्षों में भारत में नए प्रकार के कठपुतली का खेल/पुतुल खेल और पुतुल रंगमंच के नए कलाकार सामने आए हैं। ह्वकठपुतली एक समृद्ध और विविध इतिहास वाली एक कला है जो बच्चों के साथ साथ सभी उम्र के लोगो को पसंद आती है। कठपुतली कला परिवारों के लिए शैक्षिक, व्यावहारिक अवसर प्रदान करते हुए उस इतिहास का जश्न मनाने का कार्य करती हैं।

सतत मॉनिटरिंग तथा सुविधाओं का भौतिक सत्यापन करने का निर्देश

मधुबनी जिलाधिकारी ने बाढ़ पूर्व तैयारी के संबंध में सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को सतत मॉनिटरिंग तथा सुविधाओं का भौतिक सत्यापन करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी अपने क्षेत्राधीन बाधों का निरीक्षण एक बार पुनः कर लें। यदि किसी स्थान पर उन्हें बांध की वर्तमान संरचना में कोई त्रुटि दिखाई दे तो अविलंब संबंधित अभियंता से समन्वय कर उसका त्वरित समाधान कर ले। जिलधिकारी ने निर्देश दिया कि विभिन्न आपदाओं में मृत व्यक्तियों के निकटतम आश्रितों को ससमय अनुग्रह राशि का भुगतान हो सके, ,इसको लेकर सभी सीओ हरहाल में लंबित अभिलेखों को आपदा शाखा में एसडीओ के माध्यम से अविलम्ब भेजवाना सुनिश्चित करे ।उक्त बैठक में, वरीय आपदा प्रबंधन पदाधिकारी संतोष कुमार, प्रभारी जिला आपदा प्रबंधन शाखा सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी परिमल कुमार, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी रजनीश कुमार,प्रशिक्षु डीपीआरओ अमन आकाश सहित अन्य वरीय अभियंता व पदाधिकारी आदि उपस्थित थे। जिले के सभी एसडीओ, सीओ आदि वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े थे।

योजना में 30 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी होगी

जमुई/गिद्धौरः- बागवानी मिशन योजना क्षेत्र विस्तार के अंतर्गत सभी श्रेणी के किसानों को योजना का लाभ मिलेगा।जबकि योजना में तीस प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी को रहेगी।विविधीकरण शुष्क बागवानी फसल योजना के तहत इस वित्तीय वर्ष में आंवला,अमरूद,बेर,नींबू की खेती भी बड़े पैमाने पर की जाएगी।उद्यान पदाधिकारी ने बताया कि आम, आंवला, नींबू, अमरूद, बेर की खेती के लिए विभाग स लक्ष्य निर्धारित किया गया है।इसके अनुरूप किसानों को इसका लाभ मिलेगा। योजनाओं की जानकारी भी पंचायत स्तर पर किसानों को उपलब्ध कराई जा रही है।किसानों को विभागीय वेबसाइट पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा।

जिलाधिकारी ने बाढ़ पूर्व तैयारियों को लेकर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने कल देर शाम समाहरणालय स्थित वीडियो कान्फ्रेंसिंग कक्ष से जिले में बाढ़ पूर्व तैयारियों को लेकर जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों एवं जिलास्तरीय सभी अधिकारियों के साथ वर्चुअल माध्यम से बैठक आयोजित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ पूर्व तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखें, इसमें थोड़ी-सी भी लापरवाही बरदाश्त नही की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि नदियों के जलस्तर, कटाव एवं तटबंधों की निगरानी,वषार्पात,भूजल स्तर,आदि नियमित रूप से करें। उन्होंने यह कहा कि प्रतिनियुक्त तटरक्षक श्रमिको से तटबंधों की निगरानी कार्य का प्रतिदिन रिपोर्ट लें। पॉलीथिन शीट की उपलब्धता की समीक्षा के क्रम में आपदा प्रबंधन विभाग के वरीय पदाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में जिले में 39871 सत्यापित पॉलीथिन शीट, 42 टेंट, 5 महाजाल, 70 लाइफ जैकेट व 129 खोज बचाव एवं राहत दलों की संख्या उपलब्ध है। किसी भी तरह की असुविधा को न्यूनतम करने के लिए वर्तमान में जिले में कुल 97 परिचालन योग्य सरकारी नाव हैं। 36 निजी नाव के साथ एकरारनामा कर लिया गया है।जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अंचल अधिकारी ये सुनिश्चित करें कि निजी नाव चालकों को विगत वर्षों की बकाया राशि का भुगतान ससमय कर दे। उन्होंने कहा कि आवश्यकता का आकलन करते हुए और भी निजी नावों के लिए एकरारनामा कर लें। समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि जिले में वर्तमान में परिचालन योग्य 6 मोटरबोट उपलब्ध हैं, जिसकी एसडीआरएफ की टीम के द्वारा जांच कर ली गई है।जिलधिकारी ने सभी सीओ को पॉलीथिन शीट सहित आपदा के सभी संसाधनों का भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।उन्होंने स्थायी बाढ़ आश्रय स्थल के साथ साथ अस्थायी बाढ़ आश्रय स्थल के समीक्षा के क्रम में कहा कि बाढ़ आश्रय स्थल में पेयजल, शौचालय आदि मूलभूत व्यवस्थाएं का एक बार पुनः भौतिक सत्यापन कर लें, साथ ही भौतिक सत्यापन करते हुए फोटो भी आपदा प्रबंधन व्हाट्सग्रुप में प्रेषित करें।बाढ़ राहत केंद्र व सामुदायिक रसोई की समीक्षा के क्रम में आपदा प्रभारी ने बताया कि बाढ़ राहत केंद्रों एवं सामुदायिक रसोई की अद्यतन सूची अक्षांश एवं देशांतर टैगिंग के साथ सभी अंचलों से प्राप्त कर उसकी रिपोर्ट विभाग को भेज दी गई है। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ के क्रम में अनुग्रह अनुदान भुगतान हेतु परिवारों की सूची का आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर दो दिनों के अंदर शत-प्रतिशत अपडेट कर ले ताकि आपदा की स्थिति में लाभुकों को पूरी सहजता के साथ उनके खाते में ससमय राहत राशि भेजी जा सके। गौरतलब हो कि अभी तक 318064 लाभुकों का आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर अपडेट किया जा चुका है। उन्होंने उपस्थित आरसीडी सहित अन्य संबधित अभियंताओं को निर्देश दिया कि अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त सड़को को अविलम्ब मोटरेवल कर आपदा शाखा में रिपोर्ट करे।उन्होंने बैठक से अनुपस्थित आरसीडी झंझारपुर के कार्यपालक अभियंता को स्पष्टीकरण पूछने का भी निर्देश दिया।

मैदान को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने की घोषणा हुई थी, मगर अब तक कोई पहल नहीं

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर शहर का राजकीय उच्च विद्यालय का मैदान आज उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। इस भौतिक युग में जहां लोगों को एक्सरसाइज सहित विद्यालय में पढ़ रहे छात्रों के लिए खेलकूद अनिवार्य है। वहीं मैदान की दुर्गति के कारण आज इसी प्रकार का भी स्कूल के छात्र-छात्राओं के द्वारा खेल आयोजन नहीं किया जाता है। शहर का राजकीय उच्च विद्यालय से सटा पूरे शहर का एक मात्र खेल मैदान लगभग दु बीघा के आसपास है। जिसका सही से देखभाल न होने के कारण बड़ी-बड़ी घास एवं गड्ढा होने के कारण पानी भर जाना जाता है। लेकिन इस खेल मैदान की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि खिलाड़ी इस पर कोई खेल नहीं खेल पा रहे हैं। इस मैदान पर बनी क्रिकेट की पिच बर्बाद हो गई है और फुटबॉल का मैदान भी खराब हो चुका है। शहर के एकमात्र खेल मैदान को आयोजन स्थल भी कहा जा सकता है। क्योंकि ईसी मैदान पर विभिन्न प्रकार के राजनैतिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी करवाया जाता है। जब भी आयोजन होते तो इस मैदान पर वाहन आते हैं एवं जिससे मैदान बार-बार खराब हो जाता है। खेल प्रेमी गोपाल सिंह, चंद्रवीर सिंह, सोनू कुमार, ओर अन्य ने बताया कि सरकार को खेल के प्रति रुचि दिखाते हुए मैदान को अभिलंब उच्च स्तरीय बनाना चाहिए एवं खिलाड़ियों की मांग है कि खेल मैदान को खेल मैदान रहने दिया जाए। इससे उन्हें यहां खेलने और प्रैक्टिस करने में काफी आसानी होगीऔर उनका प्रदर्शन भी बेहतर होगामैदान में लाइट की व्यवस्था नहीं है इसलिए रात में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन नहीं हो सकता। जबकि वॉलीबॉल सहित अन्य खेलों में रात्रि खेलों का अपना चाव है। खिलाड़ी चाहते है कि रात में भी प्रतियोगिताएं हो जिससे कि खिलाड़ियों का और अधिक आकर्षण खेलों की ओर बढ़े। नेपाल सीमा से सटे होने के कारण इस खेल मैदान में विदेशी खिलाड़ियों का पूर्व मेकई बार आगमन हो चुका है। मगर आज अपनी दुर्दशा के कारण यह अपनी पहचान खोता जा रहा है। शहर का एकमात्र खेल मैदान होने के कारण कई बार इसे राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय बनाने की घोषणा की गई है। मगर यह सिर्फ घोषणा ही रह गई है। इस संबंध में माले सचिव भूषण सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि खेल मैदान की दुर्गति लापरवाही का नतीजा है। किसी खास व्यक्ति को

लाभ पहुंचाने के लिए मैदान का जगह छोड़कर चारदीवारी किया जा रहा है एवं पूरा मैदान नर्क बना है ईसकी जांच होनी चाहिए। वहीं इस संबंध में स्थानीय विधायक अरुण शंकर प्रसाद ने बताया कि विद्यालय फंड से मैदान के चारों रास्ता को छोड़कर चारदीवारी का कार्य किया जा रहा है। खेल मैदान को साफ सुथरा बहुत जल्द बनाया जाएगा।

तैलीयचित्र पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी बेनीपट्टी प्रखंड के नगवास पंचायत के ब्रह्मस्थान के प्रांगण में प्रतिकार के प्रतिमूर्ति वीरांगना फूलन देवी की 23 वीं शहादत दिवस के अवसर पर सत्य शोधक समाज मधुबनी के तत्वाधान में अजीत पासवान पूर्व मुखिया की अध्यक्षता व गोपाल मुखिया के संचालन में किया गया।उपस्थित लोगों ने शहीद फूलन देवी की तैलीय चित्र पर माल्यार्पण व जब तक सूरज चांद रहेगा,फूलन जी का नाम रहेगा जयकारों के साथ श्रद्धांजलि दी गई।मौके पर वक्ताओं ने कहा कि फुलन देवी बाल विवाह से संघर्ष,अपनी इज्जत आबरू अपमान की बदला 22 सामंती ठाकुरों को जिन्होंने फूलन देवी के साथ बालात्कार किया था मार गिराया उनकी सोच थी समता, स्वतंत्रता, न्याय भाईचारा देश में स्थापित हेतु राजनीति में आए वे दो बार समाजवादी पार्टी से सांसद बनी।संसद के रूप लोकतंत्र,संविधान,आरक्षण की हिफाजत के लेकर निर्भीक होकर संसद से सड़क तक मजबूती से आवाज बुलंद करती रही।

कार्यक्रम में उद्घाटन कर्ता महादेव सहनी पूर्व जिला पाषर्द,डॉ बीभा कुमारी स्त्री रोग विशेषज्ञ मुख्यातिथि रामश्रेष्ठ दीवाना अंतर राष्ट्रीय ओ बी सी लेखक दिल्ली,पूनम सहनी पूर्व जिला परिषद,गणेश मेहरान,सीता राम यादव,रामवरण राम,अवधेश साफी,पिंकू पासवान,शंभू राय,नरेश पासवान,कुमार अवधेश,विश्वनाथ मुखिया,पीताम्बर मुखिया,राधा देवी,मीना देवी,इत्यादि लोगों ने शहीद फूलन देवी जो जुल्म अत्याचार के खिलाफ करने वाली वीरांगना के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की।

आवास सहायकों व विकास मित्रों की बैठक में बीडीओ ने दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

मनीगाछी(दरभंगा)। प्रखंड सभागार भवन में गुरुवार को आवास सहायकों एवं विकास मित्रों की संयुक्त बैठक बीडीओ दुनिया लाल यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बी डी ओ ने आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जनसंपर्क कर आम लोगों को प्रेरित करने का निर्देश दिया है।बी डी ओ दुनिया लाल यादव ने सहायक उपकरणों की आवश्यकता वाले दिव्यांग जनों को चिह्नित कर उन्हें सहायक उपकरण दिलवाने में मदद करने का भी निर्देश विकास मित्रों को दिया है। बैठक में उन्होंने कहा कि गांवों में वसे ऐसे कमजोर लोगों की पहुंच प्रखंड कार्यालय तक नहीं होने की स्थिति में सरकार के इस लाभ से उन्हें वंचित होना पड़ता है। ऐसे दिव्यांग जनों एवं सरकार के लाभकारी योजनाओं के बीच कड़ी का काम विकास मित्रों का होता है।

बैठक में उपस्थित आवास सहायकों को बी डी ओ ने अपूर्ण आवासों को समय सीमा के भीतर अविलंब पूर्ण करबाने का निर्देश दिया।

गैर आवासीय कर में अप्रत्यासित वृद्धि की अधिसूचना वापस ले सरकार : संजय सरावगी

विधानसभा में उठा गैर-आवासीय कर में अप्रत्याशित वृद्धि का मामला

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। गुरूवार को बिहार विधानसभा में गैर-आवासीय कर में वृद्धि का मामला उठा। सदन में शून्यकाल के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता एवं नगर विधायक संजय सरावगी ने राज्य में गैर आवासीय कर में वृद्धि की अधिसूचना को वापस लेने की सरकार से मांग की। विधायक श्री सरावगी ने कहा कि पूर्ववर्ती महागठबंधन की सरकार द्वारा नगर विकास विभाग के पत्रांक 5509 व दिनांक 26 सितंबर, 2023 को अधिसूचना जारी कर राज्य के गैर-आवासीय कर में 50 से 300 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी गई है। एक साथ इतना वृद्धि जनहित में उचित नहीं है। उन्होंने सरकार से इस अधिसूचना को वापस लेने की मांग की।

श्री सरावगी ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री सह नगर विकास मंत्री रहते हुए तेजस्वी यादव ने व्यापारियों पर बड़ा कुठराघात किया। पूर्ववर्ती महागठबंधन की सरकार ने 50 से 300 प्रतिशत टैक्स बढ़ाने का फैसला लिया था। वार्षिक किराया में अचानक तीन गुना तक वृद्धि करना व्यापारियों पर जुल्म जैसा है। पूर्व नगर विकास मंत्री तेजस्वी यादव को राज्य के व्यापारियों की कोई चिंता नहीं थी। अधिसूचना जारी होने के बाद से ही दरभंगा समेत पूरे राज्य के उद्यमी व व्यापारियों में हाहाकार मची हुई है। उन्होंने कहा कि गैर-आवासीय कर को लेकर नगर निगम की भूमिका भी शून्य कर दी गई है। नगर निगम क्षेत्र में आने वाले होटल, हेल्थ क्लब, जिम, क्लब, विवाह-हॉल, दुकान, शो-रूम, शॉपिंग मॉल, सिनेमा घर, औषाधालय, निजी अस्पताल व शैक्षणिक संस्थानों, प्रयोगशाला, रेस्तरां, अतिथिशाला, उद्योग आदि बढ़े हुए टैक्स की मार झेल रहे हैं। अगर गैर-आवासीय संपत्ति कर में वृद्धि करना बहुत आवश्यक था तो भी इस प्रकार का अप्रत्याशित वृद्धि औद्योगिक क्षेत्र के हित में उचित नहीं है। तेजस्वी की सरकार ने बिना कोई विचार किये गैर-आवासीय कर में वृद्धि कर दी। विधायक श्री सरावगी ने कहा कि अधिसूचना वापस लेने अथवा इस पर पुर्नविचार को लेकर वे प्रयासरत है। एनडीए सरकार व्यापारियों के हित में फैसला लेगी।

विभिन्न मांगों को लेकर कांग्रेस कमिटी ने जिला मुख्यालय पर दिया धरना

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा सहित राज्य में गिरती कानून व्यवस्था, भ्ष्टाचार आदि मुद्दों को लेकर युवक कांग्रेस द्वारा बुधवार को पटना में विधानसभा का घेराव कर रहे कांग्रेस कार्यकताओं पर बिहार के डबल इंजन की सरकार के आदेश पर पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज को लेकर गुरुवार को जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा लहेरियासराय धरना स्थल पर एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष सीताराम चौधरी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं द्वारा जनता के मुद्दे उठाने पर पुलिस द्वारा दौड़ा दौड़ा कर पिटवाया जा रहा है, कहा कि बिहार मे लूटपाट और हत्या का मामला तेजी से बढ़ा है, लोग दहशत में हैं। वहीं कांग्रेस प्रदेश प्रतिनिधि सह जिला प्रवक्ता मो.असलम, रेयाज अली खां, दयानंद पासवान, प्रो. उदयशंकर मिश्र, रामपुकार चौधरी, गणेश चौधरी, जीवन झा, मनोज भारती आदि नेताओं ने बिहार के विकास के लिए केंद्र की मोदी सरकार से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग सहित मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से गिरती कानून व्यवस्था में सुधार लाने की मांग की है। धरना स्थल पर कांग्रेस के सुशील कुमार सिंह,धनंजय सिंह, दिनेश गंगनानी, प्रिंस परवेज, उदितनारायण चौधरी, राजा अंसारी, मो.चांद, नारायण जी झा, मनोरंजन झा, पंकज चौधरी, जयशंकर प्रसाद चौधरी, मो.अंसार हसन, प्रो. शिवनारायण पासवान, प्रो. मिथिलेश यादव, रीता मिश्रा, नसीम हैदर, सुनील सिंह, प्रदीप चौधरी, शकील जमाली, कमलू पासवान, अनिल कुमार, मो. हलीम, रजि अहमद आदि ने भी केंद्र और राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया।

15 दिनों के अंदर ऋण से संबंधित आवेदन का करें निष्पादन : दीपक कुमार

प्रात: किरण संवाददाता

बेनीपुर(दरभंगा)। नगर परिषद बेनीपुर सभागार में बुधवार की शाम कार्यपालक अधिकारी दीपक कुमार की अध्यक्षता में दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक में पूर्व से लंबित सभी ऋण आवेदनों की समीक्षा की गई एवं 15 दिनों के अंदर निष्पादन करने को कहा गया। नए व्यक्तिगत ऋण के लिए 19 आवेदनों की स्वीकृत एवं स्वयं सहायता समूह के प्रथम बैंक लिंकेज के 10 आवेदनों की स्वीकृति प्रदान की गई। एलडीएम रेखा सिन्हा ने सभी बैंकों को कहा कि अभिलंब डे-एनयूएलएम एवं पीएमएसभीए निधि को निष्पादन करें। इस दौरान पीएनबी द्वारा वर्ष 2024-25 में 58 लाख रुपए की स्वयं सहायता समूह को वित्तीय सहायता के अलावा उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक द्वारा 15 लाख रुपए स्वयं सहायता समूह के महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने की बात कही गई। बैठक में नाबार्ड डीडीएम राजनंदिनी, नगर मिशन प्रबंधक बसंत पंडित, अरुण कुमार सहनी के अलावा सीआरपी आरती, साधना, सुनीता, चांदनी, सुधा आदि उपस्थित थी।

उपभोक्ता आयोग ने अस्पताल प्रबंधन को जारी किया नोटिस

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । उपभोक्ता आयोग ने मृत्यु प्रमाणपत्र नहीं देने वाले एक अस्पताल को नोटिस जारी किया है। पीड़ित ने इस मामले में जिला उपभोक्ता आयोग में मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा के माध्यम से परिवाद-पत्र दाखिल किया था । परिवाद पर सुनवाई करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष पियूष कमल दीक्षित और सदस्य सुनील कुमार तिवारी द्वारा अस्पताल के प्रबंध निदेशक को आयोग के समक्ष हाजिर होने के लिए नोटिस जारी किया है । पूरा मामला जिले के करजा थाना अंतर्गत रक्सा गाँव का है। इसी गाँव के बबन ठाकुर की पत्नी शांति देवी पिछले वर्ष 30 अगस्त को काँटी थाना क्षेत्र के हरचंदा चौक के पास सड़क दुर्घटना में घायल हो गई थी, जिसे इलाज के लिए उसी दिन शहर के जुरन छपरा स्थित आसव हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। तत्पश्चात मृतिका का पोस्टमार्टम भी एसकेएमसीएच में हुआ। विदित हो कि परिवादी बबन ठाकुर ने वाहन मालिक के विरुद्ध काँटी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया। उसके बाद परिवादी बबन ठाकुर मृत्यु प्रमाण-पत्र के लिए अस्पताल का चक्कर लगाने लगा, लेकिन अस्पताल प्रबंधन द्वारा पीडित को आजतक मृत्यु प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया। परिवादी का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा उसे दौड़ाते-दौड़ाते परेशान कर दिया गया। अंत में थक-हारकर परिवादी ने मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता एस.के.झा के माध्यम से अस्पताल के विरुद्ध जिला उपभोक्ता आयोग के समक्ष परिवाद दाखिल किया। परिवादी का कहना है कि उसने अस्पताल प्रबंधन को अपनी पत्नी के इलाज के लिए कुल पचहत्तर हजार रुपए का भुगतान भी किया था। परिवादी ने अपने परिवाद-पत्र के माध्यम से मृत्यु प्रमाण-पत्र की माँग की है तथा आर्थिक, मानसिक व शारीरिक हजार्ना के मद में एक लाख रुपए का दावा भी अस्पताल पर किया है। आयोग के द्वारा अस्पताल के प्रबंध निदेशक को 9 सितम्बर को आयोग के समक्ष उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। परिवादी के अधिवक्ता एस.के.झा ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन के द्वारा मृत्यु प्रमाण-पत्र नहीं दिया जाना उपभोक्ता संरक्षण नियमावली के तहत सेवा में कमी की कोटि का मामला है। श्री झा ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन के हिला-हवाली पूर्ण रवैये से परिवादी काफी व्यथित है। इन्हे हर हाल में न्याय मिलना चाहिए।

पृथक मिथिला राज्य के लिये जंतर मंतर पर जोरदार धरना-प्रदर्शन 28 को

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा।अखिल भारतीय मिथिला राज्य संघर्ष समिति के तत्वावधान में 28 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के दौरान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर विशाल धरना एवं प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान समिति की ओर से पृथक मिथिला राज्य के गठन, संवैधानिक भाषा मैथिली को उचित अधिकार, केंद्रीय बजट में मिथिला क्षेत्र के लिए यथोचित राशि के आवंटन, दरभंगा में यथाशीघ्र एम्स का शिलान्यास सहित मिथिला क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के ज्वलंत मुद्दों पर आम व खास लोगों का ध्यान आकर्षित किया जाएगा। प्रो अमरेन्द्र कुमार झा के संचालन में आयोजित धरना की अध्यक्षता संघर्ष समिति के अध्यक्ष डा बैद्यनाथ चौधरी बैजू करेंगे। वृहस्पतिवार को डा बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि मिथिला के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं भाषाई आजादी के बिना समग्र मिथिला क्षेत्र का विकास असंभव है। सड़क से संसद तक संघर्ष जारी है और यह आंदोलन पृथक मिथिला राज्य का गठन होने तक अनवरत जारी रहेगा। डा बैजू ने कहा कि सनातनी मिथिला को पृथक राज्य के रूप में गठन की मांग करते हुए सौ बरस से ऊपर हो गया। इस भौगोलिक क्षेत्र में बंगाल से बिहार, उड़ीसा और झारखंड राज्य बन गया लेकिन पृथक मिथिला राज्य के गठन की आठ करोड़ से अधिक मिथिला वासी के मांग की अब तक अनदेखी किया जाना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि मिथिला क्षेत्र लगातार बिहार से अलग होने की बात कर रहा है क्योंकि मैथिलों के लिए बिहारी शब्द मिथिला के नैतिक पहचान ,नैतिक मूल्य, सभ्यता-संस्कृति, भाषा एवं विकास में बाधक है और इस कारण बिहार में मैथिलों की पहचान लुप्त होती जा रही है। डा बैजू ने बताया कि धरना में राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले लाखों प्रवासी मैथिलों के साथ भारत व नेपाल के विभिन्न हिस्सों से आम व खास लोग भाग लेंगे।

उत्तर बिहार के 160 किसानों को आधुनिक तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया

प्रात: किरण संवाददाता

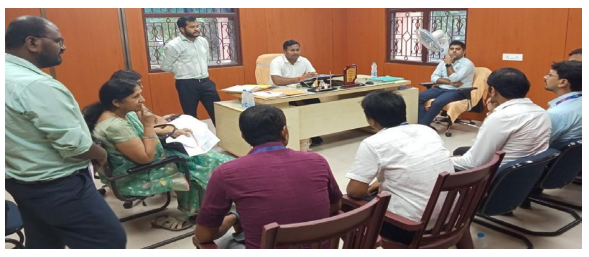

दरभंगा।राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र दरभंगा में बिहार कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (बामेती), पटना द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षणों की श्रृंखला का चौथा प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को संपन्न हुआ जिसमें दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, सुपौल, अररिया एवं किशनगंज से चुने गए 40 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। विदित हो कि डॉ. टी एस बाजीराव, डॉ. आई एस सिंह, डॉ. बी. आर. जाना एवं एस एम राउत द्वारा आयोजित जुलाई माह के विगत चार प्रशिक्षणों में उत्तर बिहार के 160 किसानों को मखाना, सिंघाड़ा एवं मछली पालन की आधुनिक तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया गया है। किसानों की आमदनी में वृद्धि के उद्देश्य से चलाये जा रहे इन प्रशिक्षणों में मखाना एवं सिंघाड़ा जैसी जलीय फसलों के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस दौरान संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ साथ ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी से डॉ. प्रगति एवं डॉ. अपराजिता कुमारी, केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के मोतीपुर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. उदीप्त राय, तथा कृषि विज्ञान केंद्र, जाले के अध्यक्ष डॉ. दिव्यांशु शेखर ने बतौर विशेषज्ञ कार्यक्रमों में भाग लिया। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के नियमित आयोजन से उत्तर बिहार के किसानों में आवश्यक कौशल का विकास होगा एवं क्षेत्र की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। डॉ. कुमार ने जानकारी दी कि अगस्त माह में भी राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र में कुल पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

केवटी विधायक ने क्षेत्र के अति महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन के माध्यम से सरकार के समक्ष रखा

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा।केवटी विधायक डॉ०मुरारी मोहन झा ने बृहस्पतिवार को बिहार विधानसभा मानसून सत्र के चौथे दिन अपने केवटी विधानसभा क्षेत्र के अति महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन के माध्यम से सरकार के समक्ष रखा । विधायक ने सत्र के कार्यवाही में भाग लेते हुए विभिन्न विषयों को शून्यकाल,ध्यनाकर्षण, एवं याचिका प्रशन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया ।शून्यकाल प्रशन के माध्यम से सरकार से मांग कि केवटी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सभी शमशान घाट में शेड निर्माण ,मिट्टीकरण,चहारदीवारी एवं शमशान में पेयजल हेतु समसेबुल गरवाने की मांग सदन के माध्यम से की, ध्यानाकर्षण के माध्यम से सरकार से मांग की दरभंगा जिला अंतर्गत आने वाले सभी थाना एवं सरकारी दफ्तर में फायर ब्रिगेड की गाड़ी होना सुनिश्चित किया जाय ।सभी थाना में फायर ब्रिगेड रहने से भीषण गर्मी में गरीब गुरबा किसानों के यहां अचानक आग लग जाने से सैकड़ों एकड़ फसल एवं लाखो की संपत्ति को जलने से बचाया जा सकता हैं ।याचिका के माध्यम से सरकार से मांग की दरभंगा जिला अंतर्गत आने वाले जितने भी केंद्रीय बैंक हैं उसमे डीडी बनना बंद हो गया हैं खास करके बैंक ऑफ इंडिया बजीतपुर , बैंक ऑफ इंडिया दरभंगा एवं बैंक ऑफ इंडिया बेनीपुर में खाताधारक को भी डीडी बनाने के लिए दर दर भटकना पड़ता हैं जब भी खातधारक बैंक जाते हैं डिमांड ड्राफ्ट बनाने के लिए तो हमेशा बैंक में डीडी बनाने वाला मशीन खराब हि पाया जाता है बैंक अधिकारियों द्वारा बताया जाता हैं की मशीन खराब हैं प्रिंटर गड़बड़ हैं तो इनके नही हैं आज सदन के माध्यम से सरकार से मांग किया की जब सरकार के द्वारा लाखों रुपया बैंक के मैनेजमेंट के ऊपर खर्चा किया जाता हैं तो फिर मशीन खराब क्यू रहता हैं अतःजल्द से जल्द ऐसे बैंको को चिन्हित कर दोषी अधिकारी के ऊपर करवाई करने की सदन से मांग की ।

संक्षिप्त खबरें

दीक्षारंभ समारोह आज

मधेपुरा ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा में चार वर्षीय स्नातक गणित (प्रतिष्ठा), सत्र 2024-2028 में नामांकित विद्यार्थियों का दीक्षारंभ (कक्षारंभ) समारोह 26 जुलाई, 2024 (शुक्रवार) को पूर्वाहन 10:00 बजे से स्मार्ट क्लास रूम में आयोजित है। इसमें अतिथि होंगे। उन्होंने बताया कि दीक्षारंभ कार्यक्रम में विषय के पाठ्यक्रम एवं वर्ग-तालिका आदि की जानकारी दी जाएगी, जो विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी होगी। विभागाध्यक्ष लेफ्टिनेंट गुड्डु कुमार ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानाचार्य प्रो. कैलाश प्रसाद यादव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर उपस्थित रहेंगे।

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम आज

मधेपुरा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शुक्रवार को संध्या पांच बजे से ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा के मुक्ताकाश मंच पर एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित है। प्रांत मंत्री अभिषेक यादव ने बताया कि इस अवसर पर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित कलाकारों द्वारा देशभक्ति गीत-संगीत एवं नृत्य की प्रस्तुति होगी और शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रधानाचार्य प्रो. कैलाश प्रसाद यादव, विश्वविद्यालय प्रमुख प्रो. ललन प्रसाद अद्री, नगर अध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार-वितरण समारोह का आयोजन

मधेपुरा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् द्वारा शुक्रवार को अपराह्न पांच बजे से ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा में प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार-वितरण समारोह का आयोजन किया गया है। नगर अध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर एवं नगर मंत्री अंकित आनंद ने बताया कि समारोह में श्री कीर्ति नारायण मंडल सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा और इसके सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. रंजन कुमार एवं विभाग संयोजक सौरभ कुमार गत ने बताया कि यह प्रतियोगिता गत 22 जुलाई, 2024 को ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा में आयोजित की गई थी। इसमें विभिन्न महाविद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों के लगभग दो सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया था।

जन सुराज पदयात्रा के सातवें दिन प्रशांत किशोर ने किया बड़ा ऐलान

जनसूराज का पहला संकल्प है, 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 2 हजार रुपये पेंशन की व्यवस्था

- जन सुराज का दूसरा संकल्प है-15 साल से कम उम्र के बच्चों की पढ़ाई, कपड़े और खाने का पूरा जिम्मा जनता की सरकार उठाएगी: प्रशांत किशोर

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा जन सुराज अभियान के तहत बिहार की पदयात्रा पर निकले प्रशांत किशोर का गुरुवार को मधेपुरा में सातवें दिन पदयात्रा किया। आज पदयात्रा की शुरूवात उदाकिशुनगंज प्रखंड के लश्करी से हुई जहां उन्होंने गोपालपुर, में स्थानीय लोगों से बातचीत कर सिंहार होते हुए आलमनगर पहुंची। गांव के लोगों ने प्रशांत किशोर की पदयात्रा का स्वागत बैंड-बाजा, ढोल-नगाड़ों के साथ किया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं की भीड़ भी देखने को मिली।आम सभा में आए हजारों लोगों को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि संकल्प लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं और इसी क्रम में जन सुराज का दूसरा संकल्प है कि जिनके बच्चें 15 साल से कम आयु के हैं उन्हें अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। बिहार में जिनका बच्चा 15 साल से कम उम्र का होगा उन बच्चों का पढ़ाई, कपड़ा और खाने में आ रहे पूरे खर्च की जिम्मेदारी सरकार की होगी। इसके साथ ही जब अगले साल जनता का राज बनेगा, तब नली-गली बने चाहे न बने, साल भर के अंदर जितने आपके घर के लोग रोजी-रोजगार के लिए बाहर गए हैं, उन्हें वापस बुलाकर बिहार में ही रोजगार मुहैया कराया जाएगा। इसके आगे प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज का दूसरा संकल्प है, 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को 2 हजार रुपये पेंशन की व्यवस्था करेंगे ताकि उन्हें किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े। कार्यक्रम को लेकर खासकर क्षेत्रीय लोगों में काफी उत्साह देखी जा रही है युवाओं में प्रशांत किशोर के प्रति काफी जुड़ाव भी देखा जा रहा है। वहीं जन सुराज के मुख्य प्रवक्ता रंजीत सिंह ने कहा कि मधेपुरा समाज बाद की पवन धरती रही है यहां प्रशांत किशोर का पदार्पण हो रहा है इसको लेकर जिले में खासकर युवा और बुजुर्गों में काफी खुशी है लोग परिवर्तन चाहता है साथ हीं प्रशांत किशोर की बातों से काफी संतुष्ट है जिस तरह से पीके का कारवां पूरे बिहार में चल रहा है आने वाला समय जरूर परिवर्तित होगी ऐसा आम अवाम का भी मानना है। जनता बदलाव चाहती है।

चुल्हे के चिंगारी से लगी भीषण आग, चार लोगों का घर सहित लाखो की संपत्ति जलकर राख

प्रात: किरण संवाददाता

मुरलीगंज (मधेपुरा) थाना क्षेत्र के जोरगामा पंचायत वार्ड सात में गुरुवार की सुबह करीब सात बजे चुल्हे के चिंगारी स लगी भीषण आग में चार लोगो का घर सहित लाखो की संपत्ति जलकर राख हो गया। इस दौरान अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने के लिए काफी मशक्कत किया। उसके आग विकराल रूप धारण कर चार लोगों का सब कुछ जलकर राख हो गया। हालांकि सूचना पर पहुंचे दमकल टीम के द्वारा आग बुझाई गई। लेकिन तब तक चार लोगों का घर सहित सब कुछ जलकर नष्ट हो गया था। अग्नि पीड़ित में रमेश यादव, नवल कुमार यादव, विमल कुमार, विद्यानंद यादव है। बताया गया कि बुधवार की सुबह चुल्हे से निकली चिंगारी से देखते हीं देखते भीषण आग लग गई। जिसमें नकद पचास हजार, एक मोटरसाइकिल, जेवरात, कपड़ा, अनाज सहित पांच से छह लाख की क्षति हुई है। आगलगी के कारण पीड़ित परिवार पूरी तरह बेघर हो गए हैं। सूचना मिलते हीं घटनास्थल पर पहुंचे सीओ किसलय कुमार ने अग्नि पीड़ित परिवार को तत्काल प्लास्टिक उपलब्ध कराया। और आवेदन प्राप्त कर आगे की कार्रवाई करने की बात कही गई।

पेंशनधारियों की राशि में बढ़ोतरी की मांग करते हुए कि गई बैठक

7 अगस्त को सीएम के नाम लिखे पत्र को बीडीओं को सौंपा जाएगा

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] गुरूवार को नगर क्षेत्र के बाबूबांक तालाब रोड में बिहार किसान समिति के बैनर तले एक बैठक आयोजित कि गई। जिसकी अध्यक्षता श्यामसुंदर प्रसाद के द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित विनोद यादव ने कहा कि विधवा, दिव्यांग पेंशनधी को मात्र चार सौ रूपए दिया जाता है। इतनी मंहगाई में इतनी कम पेंशन मिलने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इतनी कम पेंशन राशि से एक माह तक की पानी भी खरीद कर लोग नहीं पी सकते है तो फिर बढ़ती मंहगाई में लोगों को भोजन की सामग्री कैसे नसीब हो पाएगा। विनोद यादव ने आगे कहा कि अन्य राज्यों में पेंशनधारियों को पेंशन की राशि बढ़ाकर दी जा रही है। लेकिन बिहार राज्य पेंशनधारियों को कम राशि देकर उनके साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी 7 अगस्त को बिहार के मुख्यमंत्री के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मुख्यमंत्री का ध्यान इस और करवाया जाएगा ताकि पेंशनधारियों के प्रति मुख्यमंत्री सकरात्मक कदम उठा सके। मौके पर महबूब अंसारी, मनोज ठाकुर, गीता देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

एक ही रात सोए अवस्था में पुत्री और नाती को सांप ने डंसा,हुई दोनों की मौत

दो गांवों में परिजनों का रो- रो कर हुआ बुरा हाल,पूरा गांव में छाया मातम

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई जिले के लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत मड़ैया पंचायत के पथलघट्टा गांव निवासी मनोज दास के 12 वर्षीय पुत्री और 07 वर्षीय नाती को 25 जुलाई गुरुवार अहले सुबह करीब 1:00 बजे सोए अवस्था में करैत सांप ने काट लिया। जिससे दोनों की मौत हो गई। वहीं ग्रामीण राजेश दास ने बताया कि मनोज दास की बड़ी बेटी लखैय निवासी नीतू देवी अपने छोटी बहन 12 वर्षीय रानी कुमारी,07 वर्षीय पुत्र अनिस कुमार और छोटी बेटी के साथ एक ही जगह एक ही बेड पर सोए हुए थे। मध्य रात्रि करीब 1: 00 बजे सोए अवस्था में करैत सांप ने आकर डंस लिया। करीब दो घंटे बाद जब लोगों को पता चला तो आनन-फानन में सदर अस्पताल जमुई ले गए जहां डॉक्टरों ने रानी कुमारी को मृत घोषित कर दिया। जबकि अनिस कुमार बेहतर इलाज हेतु शेखपुरा रेफर कर दिया। शेखपुरा जाने के क्रम में सिकंदरा में अनिस कुमार ने भी दम तोड़ दिया। दोनों की मौत की खबर आग की तरह मड़ैया पंचायत और लखैय पंचायत में फैल गया और दोनों परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। जैसा कि ग्रामीणों ने बताया कि मनोज दास अपनी बड़ी बेटी की शादी लखैय निवासी अजय दास से किया था।लखैय से नीतू देवी अपने बेटे और बेटी के साथ मैयके आई थी। बड़ी शौक से नीतू देवी ने अपने छोटी बहन 12 वर्षीय रानी कुमारी और 07 वर्षीय अनिस कुमार व छोटी बेटी के साथ एक साथ सोई थी। लेकिन विधाता की मर्जी कुछ और थी।वहीं घटना की सूचना थानाध्यक्ष आलोक कुमार को मिली। थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने गस्ती गाड़ी को पथलघट्टा गांव पहुंचने का निर्देश दिए। घटना स्थल पर पहुंच कर पुलिस ने निरीक्षण किया और शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल जमुई भेज दिया।खबरें सूनकर जनप्रतिनिधि सहित आस पड़ोस के लोग पथलघट्टा गांव पहुंचे और दोनों मृतक परिवार को ढांढस बंधाते हुए हिम्मत और साहस दिया। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रेम प्रकाश ने बताया है कि थानाध्यक्ष आलोक कुमार से बात चीत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर नियमानुकूल कागजात प्राप्त कर अंचलाधिकारी रविकांत जी सरकारी सहायता हेतु जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय को अग्रसारित करेंगे।

राज्य सरकार की नई पहल अब हरियाली का दायरा बढ़ाने के लिए लिया जाएगा हेलीकॉप्टर और ड्रोन का सहारा

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई: जिले में हरियाली का दायरा बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने हेलीकॉप्टर और ड्रोन का सहारा लेने का निर्णय लिया है। बिहार सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डा. प्रेम कुमार ने बताया कि जमुई जिले में बहुत सारे क्षेत्र ऐसे हैं जहां सामान्य तकनीक से पौधारोपण करना संभव नहीं है। पेड़ पौधों की आयु पूरी होने के कारण इस जिले के कई पहाड़ खाली हो गए हैं। इसके अलावा मैदानी क्षेत्रों में भी पेड़ पौधों की संख्या में काफी कमी आई है। जिसके कारण जिले में हरियाली का दायरा काफी काम हो गया है। हरियाली का घनत्व कम होने के कारण इस बार गर्मी के मौसम में लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। हीट वेव के कारण कई लोगों की मौत भी हुई है। सरकार ने प्रथम चरण में जमुई समेत बिहार के कुछ जिलों में हरियाली का दायरा बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का सहारा लेने का अंतिम निर्णय लिया है। वन कर्मियों के माध्यम जिले के सभी खाली पड़े पहाड़ों और मैदानी क्षेत्रों को चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है। ताकि यह अंदाजा लगाया जा सके कि जिले के अलग-अलग क्षेत्र में वन संपदा के वृद्धि में कितने सीडबॉल की आवश्यकता होगी। प्रत्येक सीडबॉल में जामुन,पीपल,बरगद, गूलर, अमरूद, नीम और बरहड़ का बीज डालकर इसमें कीटनाशक दवा मिलाकर भी फेंकने का काम किया जाएगा। सीडबॉल फेंकने का काम बारिश के इसी मौसम में किया जाएगा। वर्तमान समय में जिले में 620 स्क्वायर किलोमीटर जंगल हैं। जिन्हें और अधिक बढ़ाने के लिए कवायद किया जा रहा है। सरकार ने इस जिले को भी पूरी तरह से हरा भरा बनाने का निर्णय लिया है।ताकि लोगों को गर्मी और घटते जल स्तर से निजात मिल सकेगा। सभी लोग किसी विशेष अवसर पर पांच पेड़ जरूर लगाए।

पैक्स अब कर सकेंगे पेट्रोल पंप, कॉमन सर्विस सेंटर और जन औषधि केंद्र का संचालन राज्य सरकार ने की घोषणा

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई: पैक्स के द्वारा पूर्व में जहां धान, गेहूं और दलहन की अधिप्राप्ति की जाती थी। वहीं राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के निर्देश पर इसके दायरा को बढ़ाते हुए पेट्रोल पंप, कॉमन सर्विस सेंटर और जन औषधि केंद्र के संचालन का भी अधिकार प्रदान करने का निर्णय लिया है। जिला सहकारिता पदाधिकारी आकिब जावेद ने बताया कि पैक्स को सशक्त और आर्थिक रूप से सुदृढ बनाने के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय ने यह आदेश जारी किया है।

जिले में वर्तमान 152 पैक्स और नो व्यापार मंडल कार्यरत हैं। पेट्रोल पंप,कॉमन सर्विस केंद्र और जन औषधि केंद्र के संचालन के लिए सक्षम पैक्सों से प्रस्ताव मांगने का निर्देश दिया है।

वैसे पैक्स को ही पेट्रोल पंप आवंटित किया जाएगा, जिनके पर्याप्त जमीन और समुचित संसाधन भी होगा। पेट्रोल पंप के संचालन से जो भी आय होगी,उस पर पैक्स का अधिकार होगा। कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से आय,आवासीय, जाति और विकलांगता प्रमाण पत्र प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया जा सकेगा। इसके अलावा रेल और वायुयान का टिकट भी बनाया जा सकेगा।

कॉमन सर्विस सेंटर का संचालन सभी पैक्स के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए जिले के सभी पैक्स को कंप्यूटरीकृत करके उसके सारे डाटा को भारत सरकार के सहकारिता विभाग से जोड़ा जा रहा है। ताकि किसी भी पैक्स अथवा व्यापार मंडल के बारे में दुनिया के किसी भी हिस्से से जानकारी प्राप्त की जा सके। लोगों तक समुचित तरीके से सभी प्रकार के बीमारियों में प्रयुक्त होने वाले दवा को सुलभतापूर्वक पहुंचने के लिए पर्याप्त संख्या में जन औषधि केंद्र खोला जाएगा। सरकार ने सभी प्राथमिक कृषि साख सहयोग समिति को हर तरह से मजबूत बनाने के लिए समुचित कदम उठाने का निर्णय लिया है। ताकि उनके आयका समुचित जरिया तैयार हो सके।

अस्पताल के कर्मी के साथ नकाबपोश बदमाशों ने मारपीट कर चाकू से किया हमला

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] बुधवार की रात्रि में शहर के एक निजी क्लिनिक से काम कर अपने घर धोबियाकुरा गांव जाने के दौरान अस्पताल कर्मी के साथ धोबियाकुरा चौक के समीप कुछ नकाबपोश बदमाशों ने मारपीट करते हुए चाकू से प्रहार कर घायल कर दिया। घायल की पहचान धोबियाकुरा गांव के रहने वाले मो. कुर्बान अंसारी का पुत्र मो.इसराफिल अंसारी के रूप में हुई है जिसे रेफरल अस्पताल झाझा में परिजनों ने भर्ती करवाया जहां घायल का इलाज किया। वही डॉक्टर ने घायल युवक को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायल युवक ने बताया कि मै अपने घर जाने के लिए ऑटो से धोबियाकुरा चैक उतरा और वहां से घर एक किलोमीटर दूर था। लगभग तीन सौ मीटर की दूरी पर जाने पर मुंह पर रूमाल बांधे मेरे पास आया जिसके कमर में एक पिस्तौल भी उसने मेरा रास्ता रोकते हुए मारपीट कर चाकू से प्रहार करने लगा जब भागने की कोशिश किया तो अन्य तीन लोग वहां पर आकर मारपीट करते हुए बेहोश कर दिया। घायल के भाई ने बताया कि आठ बजे मै अपने भाई से बात किया और आधा घंटा के बाद वह धोबियाकुरा चौक पहुंचा जिसके बाद मोबाइल बंद हो गया। जिसके बाद हमलोग परेशान होकर ग्रामीणों के साथ खोजबीन शुरू किया तो लगभग एक घंटे के बाद सड़क किनारे गडडे में मेरा भाई बेहोश पड़ा हुआ था। घायल के भाई ने बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति से दस दिन पूर्व आहार बनाने को लेकर विवाद हुआ था। मौके पर पहुंची डायल 112 की पुलिस को चाकू और बदमाशों का चप्पल भी बरामद हुआ।

दो कुख्यात अपराधियों को पकड़ने पर गांव वालों को मिल रही धमकी

वीडियो वायरल होने पर अपराधी के रिश्तेदार ग्रामीणों को धमका रहे हैं, पुलिस से लगाई सुरक्षा की गुहार

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई : जमुई जिले में कुख्यात अपराधी धर्मा पासवान और उसके सहयोगी अर्जुन सिंह के साथ मारपीट की घटना का वीडियो वायरल होने के बाद ग्रामीणों में डर का माहौल उत्पन्न है। जहां ग्रामीणों का कहना है कि जब से मारपीट का वीडियो वायरल हुआ है। परिवार को लगातार धर्मा पासवान के रिश्तेदार और उसके परिवार के लोग जान से मारने की धमकी दे रहे है। जिसके कारण सभी लोग बहुत डरे हुए है। आरोपियों को पकड़ने पर मिल रही पूरे गांव को धमकी : वहीं ग्रामीण में वकील यादव ने बताया कि वह लोग खाने कमाने वाला लोग है। अब धमकी मिल रही है कि घर से निकलोगे तो जान से मार देंगे। उन लोगों का कहना है कि पुलिस से क्यों पकड़ाया। गांव की एक महिला ने बताया कि धर्मा पासवान के परिवार के लोग धमकी दे रहे है। उनका कहना है कि जेल से निकलने के बाद तुम लोगों को देख लेंगे। वीडियो वायरल होने के बाद बदमाशों के रिश्तेदार डरा रहे है : वहीं महिला ने आगे कहा कि दो युवक को हम लोगों ने बचाया था। जिसके कारण अपराधी के रिश्तेदार लगातार धमकी दे रहे है। वहीं एक अन्य महिला ने बताया कि जब युवक गांव में गिर गया तब सब ने मिल कर उसको बचाया। इस दौरान बदमाशों ने चार राउंड फायरिंग भी किया था। हालांकि गोली मिस हो गई। हम लोगों ने पुलिस को बदमाशों का हथियार भी दे दिया है। दोनों युवक का हम लोगों ने जान बचाया है। इसलिए धमकी मिल रही है। बताते चलें कि बीते सोमवार को झाझा थाना क्षेत्र के मछिंद्रा इलाके के जखराज बाबा स्थान के पास दो युवकों को फिरोती के लिए अपहरण कर लिया गया था। दोनों अपहृत युवक को डुमरहार गांव के रास्ते रात के अंधेरे में लेकर जाया जा रहा था। जहां ग्रामीणों द्वारा बदमाशों के चंगुल से दोनों युवक को बचा लिया गया। इस दौरान अपराधियों को पीटने का एक वीडियो वायरल हो गया। वायरल वीडियो के बाद गांव के लोगों को अपराधियों के रिश्तेदार जान से मारने की धमकी दे रहे है। इससे गांव वाले दहशत में हैं। गांव वालों ने जमुई पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई हैं।

नाग पंचमी को लेकर बाजार में आम कटहल के खरीदारों की उमड़ी भीड़, आज मनाया जाएगा पर्व

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई/ई० अलीगंज :-प्रखंड क्षेत्र में सावन प्रथम पक्ष पंचमी को मनाया जाने वाला नाग पंचमी शुक्रवार को मनाई जानी है। जिसके लिए कई दिनों से अलीगंज बाजार में विक्रेताओं द्वारा कटहल व आम संग्रह किया गया था। फलतः गुरुवार को खरीदारों की काफी भीड़ फल बाजार में देखी गई। बता दें कि अलीगंज बाजार सहित चंद्रदीप,आढा सहित आदि स्थानों पर सावन पंचमी को नाग पंचमी धूमधाम से मनाया जा रहा है।वहीं बाजार में जगह जगह पर कटहल का ढेर लगाकर दुकानदारों विक्री करते दिखे, वही दुकानदार रोहित कुमार,विकास कुमार, जखीर मिया,औरंजेब आदि ने बताया की इस बार कटहल एवं आम की मांग बढ़ी है,प्रत्येक साल से ज्यादा लोग खरीदारी कर रहे है, बताते चले की अलीगंज बाजार 65 गावों का बाजार है,लोग दूर दूर से बाजार करने आते है,इसी कारण भीड़ भाड़ ज्यादा देखने को मिलता है, वहीं इस्बार कटहल 20 किलो एवं आम 60 से 70 रुपया प्रतिकिलो बिका,नाग पंचमी के दिन क्षेत्र के प्रत्येक घरों में मुख्य रूप से आम और कटहल के साथ-साथ स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर खाया जाता है। नाग पंचमी के दिन घर की महिलाएं सुबह से ही नहा धोकर नाग देवता की पूजा अर्चना के लिए जुट जाती है। महिलाएं नाग देवता की पूजा के दौरान आग्रह करती है कि घर के पुरुष धान रोपनी के लिए खेत बघार में जा रहे हैं। उन्हें किसी प्रकार का नुकसान नाग देवता नहीं पहुंचाएंगे। नाग देवता को खुश करने के लिए नाग देवता की पूजा अर्चना के बाद सबसे प्रिय भोजन धान का लावा और दूध का भोग लगाया जाता है। बचे हुए लावा को घर के चारों तरफ फैला दिया जाता है । मान्यता है कि गांव के बधार में पानी भर जाने के कारण नाग देवता ऊंचे स्थान की खोज में गांव की तरफ आ जाते हैं। घरों में नाग देवता प्रवेश नहीं करें और किसी को नुकसान नहीं पहुंचाये इसलिए उनका भोजन लावा घर के चारों तरफ बिखेर दिया जाता है। बता दें कि प्रखंड क्षेत्र में धान रोपनी तो आषाढ़ महीना के अंतिम सप्ताह से शुरू हो जाती है गांव सहित क्षेत्र में नाग पंचमी पूजा अर्चना बाद ही धान की रोपनी शुरू होती है। लेकिन लगातार तीन वर्षों से वर्षा नही होने से मारा की स्थिति है, किसान मायूस नजर आ रहे है, इस बार महिलाओं एवं श्रद्धालु ने वर्षा होने को लेकर नाग पंचमी के दिन पूजा अर्चना की।

योजना- उपभोक्ताओं को प्रीपेड मीटर में काम से कम 2000 रूपए से एडवांस करना होगा रिचार्ज

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर:- बिजली कंपनी जिले के बिजली उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से एडवांस रिचार्ज करने पर ब्याज दे रही है। इससे फायदा यह होगा कि जिले की बिजली व्यवस्था उपभोक्ता अपनी बिजली बिल में ब्याज के जरिए बचत कर सकते हैं। यह ब्याज उपभोक्ताओं के बैंक के बचत खाते की तरह उसके प्रीपेड खाते में उपलब्ध राशि के अनुसार जमा होगा। ब्याज लेने के लिए 20 किलोवाट से कम लोड वाले उपभोक्ता को प्रीपेड बिजली मीटर में कम से कम 2000 रुपए से एडवांस रिचार्ज करना होगा। न्यूनतम 2000 और अधिकतम कितना भी जमा कर सकेंगे। उपभोक्ता लगातार 3 महीने तक न्यूनतम 2000 की एडवांस राशि अपने स्मार्ट प्रीपेड मीटर में रखते हैं तो उन्हें आरबीआई द्वारा बचत खाते पर निश्चित ब्याज के रूप में राशि दी जाएगी। कोई उपभोक्ता एडवांस राशि 3 माह से अधिक समय तक रखता है तो उसे 0.25 प्रतिशत अधिक ब्याज मिलेगा। 6 से 9 महीने तक 0.50 प्रतिशत और 9 से 12 महीने तक अग्रिम राशि रखने पर उपभोक्ताओं को 0.75 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज मिलेगा। 12 महीने से अधिक समय तक राशि रखने पर एक प्रतिशत तक का ब्याज मिलेगा । विद्युत उपभोक्ताओं के घरों में प्रीपेड मीटर अनिवार्य बिजली कंपनी के अनुसार जो उपभोक्ता प्रीपेड मीटर लगाने का विरोध करेंगे,उनका बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा। बिजली विभाग के जेई धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रखंड के अलावे ग्रामीण इलाके में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाया जा रहा है। स्मार्ट मीटर प्रीपेड में पैसा समाप्त होने पर स्वत बिजली होगी गुल स्मार्ट मीटर प्रीपेड में पैसा समाप्त होने पर स्वतः बिजली कट जाएगी। उपभोक्ताओं को इसके लिए बिजली कंपनी को नोटिस देने की भी आवश्यकता नहीं है। उपभोक्ताओं को इसके लिए स्वयं जागरूक होना होगा, ताकि मीटर का पैसा समाप्त न हो। बता दें कि बिजली कंपनी स्मार्ट मीटर लगाने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र है। कंपनी को नए मीटर लगाने के लिए उपभोक्ताओं से सहमति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। पैसा बकाया पर एरियर के रूप में करना होगा भुगतान बिजली कंपनी के जेई धीरेन्द्र ने बताया कि ग्रामीण इलाके में साधारण मीटर को प्रीपेड मीटर में बदला जा रहा है।

समारोहपूर्वक मनाया गया बैंक आफ बड़ौदा का 117 वां स्थापना दिवस

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई:-बैंक आफ बड़ौदा का 117 वां स्थापना दिवस मुख्यालय स्थित मुख्य शाखा में केक काटकर समारोहपूर्वक मनाया गया। मुख्य शाखा प्रबंधक राजीव रंजन ने बताया कि इस दौरान बैंक की ओर से उत्क्रमित मध्य विद्यालय शास्त्री कालोनी के बच्चों के बीच किताब,कापी,कलर,कलम और पेंसिल समेत विभिन्न प्रकार के पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। इसके अलावा बाल गृह के बच्चों के बीच वस्त्र और मिठाई का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के सहयोग के कारण ही हमारा व्यवसाय इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। बैंक द्वारा ग्राहक हित को ध्यान में रखकर कई प्रकार की सुविधाओं का विकास किया गया है। आप सभी ग्राहकों का खाता हर हाल में बैंक में होना चाहिए। क्योंकि सरकार द्वारा सभी प्रकार का अनुदान खाता के माध्यम से ही दिया जा रहा है। ग्राहकों को बिना किसी परेशानी के बैंकिंग कार्य से जुड़ी सभी प्रकार की सुविधा देना हमारा मूल लक्ष्य है। सरकार द्वारा आनलाइन लेनदेन के प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसलिए बैंकिंग सुविधा से जुड़ना हर हाल में जरूरी है। वर्तमान समय में हमारी एक शाखा गिद्धौर प्रखंड के महुली में कार्यरत है। इसके अलावा लगभग दो दर्जन ग्राहक सेवा केंद्र भी संचालित हैं। इस मौके पर एनओबीडब्लू के क्षेत्रीय सचिव राकेश कुमार, ऋण अधिकारी संदीप कुमार, सदानंद सिंह, संतोष गुप्ता, भास्कर सिंह समेत दर्जनों ग्राहक मौजूद थे।

सम्पादकीय

कई राज्य वायरस की गिरफ्त में

भारत में हीटवेव और प्रचंड गर्मी से थोड़ी राहत मिली नहीं कि वायरसों ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कई राज्य वायरस की गिरफ्त में हैं। महाराष्ट्र में जीका वायरस, केरल में दिमाग को खाने वाले अमीबा बुखार, कर्नाटक में डेंगू आफत बन चुका है। बढ़ते जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दुनिया में समय-समय पर विभिन्न प्रकार के वायरस पनप रहे हैं, जो मनुष्यों के जीवन के लिए घातक सिद्ध हुए हैं। ये वायरस इतने खतरनाक होते हैं कि पल भर में मनुष्यों के जीवन को लील देते हैं। जीका वायरस का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं को है, क्योंकि इससे नवजात शिशुओं में माइक्रोसेफैली होने का खतरा होता है, जिससे शिशुओं के मस्तिष्क का विकास नहीं हो पाता। जीका वायरस का वाहक एडिज मच्छर है। यह वायरस इंसानों से पहले रीसस बंदरों में देखा गया था जो अफ्रीकी देश युगांडा के जीका जगलों में पाया गया था। इसका प्रकोप इंसानों पर 2007 से तेज हुआ है। जीका वायरस ने 2015 में पूरे विश्व में तबाही मचाई जिसमें लाखों लोगों की जान चली गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 2016 में वैश्विक आपदा घोषित किया। भारत में पहली बार जीका वायरस का मामला 2016-17 में गुजरात में प्रकाश में आया था। मानव के मस्तिष्क के तंतुओं को नष्ट कर देने वाला अमीबा बुखार मानव जीवन के लिए बड़ी चुनौती है। इस बुखार का पहला मामला 2016 में केरल में सामने आया था। तब से अब तक यहां आठ मरीज मिले हैं, और सभी की मौत हुई। केंद्र सरकार के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार अब तक केरल से हरियाणा और चंडीगढ़ तक 22 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से छह मौत 2021 के बाद दर्ज की गई। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान के अनुसार, 2019 तक देश में इस बीमारी के 17 मामले सामने आए लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद तमाम तरह के नये संक्रमणों में उछाल देखने को मिला है। पिछले कुछ वर्षों में मंकीपॉक्स, इबोला, निपाह वायरस, कोविड-19, जीका वायरस लगातार पैर पसार रहे हैं। ये संक्रमण इतनी तेजी से फैलते हैं कि देखते ही देखते पूरे शहर को संक्रमित कर देते हैं। जीका वायरस एडीज मच्छर से फैलने वाला घातक वायरस है। एडिज एजिप्टी डेंगू और चिकनगुनिया का वाहक भी है। जीका वायरस यौन संबंध से भी फैलता है, मां से भ्रूण में प्रवेश कर जाता है जो पेट में पल रहे बच्चे के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर देता है। जीका वायरस भविष्य में कोविड-19 से भी भयानक रूप ले सकता है। यह मनुष्यों के लिए ही घातक नहीं है, बल्कि भावी नस्ल को भी मानसिक रूप से कमजोर करेगा। विभिन्न प्रकार के संक्रमण इंसानों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर बनाते हैं। देश में तेजी से फैलता संक्रमण न केवल स्वास्थ्य चिंता का विषय है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी पटरी से उतार देता है। पर्यटन एवं उद्योग के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित करता है, आयात-निर्यात पर भी गहरा प्रभाव डालता है। संक्रमण के चलते लंबे समय तक स्वास्थ्य समस्याएं बनी रहने से कार्यबल में गिरावट आती है जिसका प्रभाव उत्पादन क्षमता पर पड़ता है, काम का दबाव बढ़ता है। सामाजिक दूरियां बढ़ती हैं, जिसका असर कोविड-19 के समय भी देखने को मिला था। संक्रमण समय से नहीं रोका नहीं गया तो मानव सभ्यता को नष्ट कर डालेगा। जलवायु परिवर्तन और प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप से संक्रमण का प्रभाव पशु-पक्षियों में भी देखने को मिल रहा है। भारत में इस वक्त में बारिश का मौसम है। इसलिए सबसे ज्यादा खतरे की बात है। जगह-जगह जल-भराव की समस्या से एडिज मच्छर पनपते हैं। गांवों के तालाबों, नालियों और गड्ढों में तब्दील जमीनों में साफ पानी का भराव होता है जिससे एडिज मच्छर पनपने की गुंजाइश बनती है, इससे गांवों में जीका वायरस फैलने का खतरा है। भारत में जीका वायरस या नये वायरसों के निदान की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, यदि है भी तो बहुत सीमित। बढ़ता संक्रमण रोकने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी नीति-निर्माण आवश्यक है। जीका वायरस के निदान हेतु बाहर से आने वाले यात्रियों की गहन जांच की जाए और उनका डाटा तैयार किया जाना चाहिए ताकि शहर या गांव में किसी भी प्रकार के वायरस का पता लगने पर उन व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो बाहर से आए हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की चुनौती

कमल नवाल

मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्तुत किया, जिसमें सभी सेक्टरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर भी खास फोकस किया गया है. मौजूदा सरकार की तीसरी पारी का यह पहला पूर्णकालिक बजट है. इसमें मनरेगा समेत रोजगार के कई क्षेत्रों में बजट आवंटन को बढ़ाया गया है. ग्रामीण विकास विभाग का बजट गत वर्ष के संशोधित अनुमान 1.71 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1.77 करोड़ रुपये किया गया है. वहीं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम (मनरेगा) का बजट वर्ष 2023-24 के 60 हजार करोड़ की तुलना में 2024-25 में बढ़ा कर 86 हजार करोड़ रुपए किया गया है. हालांकि साल 2022-23 में मनरेगा का बजट 90.8 हजार करोड़ रुपये था जिसे घटाकर 2023-24 में 60 हजार करोड़ रुपये कर दिया था. वहीं रोजगार के क्षेत्र में भी इस बार के बजट में विशेष फोकस किया गया है. इसके लिए स्किल डेवलपमेंट से लेकर एजुकेशन लोन, अप्रेंटिसशिप के लिए इंसेंटिव, ईपीएफ में अंशदान के साथ पहली नौकरी पाने वालों के लिए सैलरी में योगदान और न्यू पेंशन सिस्टम के लिए योगदान में बढ़ोतरी जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं. दरअसल हमारे देश में रोजगार एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है. कई शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर कम हुए हैं. ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों की क्या स्थिति होगी, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है. आज भी देश के अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार की काफी कमी है. यही कारण है कि इन क्षेत्रों से लोगों की एक बड़ी संख्या दिल्ली, नोएडा, लुधियाना, अमृतसर, मुंबई, सूरत और कोलकाता जैसे बड़े महानगरों और औद्योगिक इलाकों में रोजगार के लिए पलायन करती है. हालांकि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के रूप में मनरेगा एक महत्वपूर्ण साधन है. लेकिन कई ऐसे परिवार हैं जिन्हें इसके तहत भी काम नहीं मिल पाता है. राजस्थान के मनोहरपुरा गांव की अनीता देवी समेत कई ऐसे परिवार हैं जिन्हें मनरेगा के तहत काम नहीं मिलने के कारण प्रतिदिन काम ढूंढने शहर जाना पड़ता है. झीलों की नगरी के नाम से भी प्रसिद्ध राजस्थान के उदयपुर शहर से मात्र 9 किमी की दूरी पर आबाद यह गांव बड़गांव पंचायत के अंतर्गत स्थित है. अनुसूचित जाति बहुल इस गांव की आबादी करीब एक हजार के आसपास है. जबकि साक्षरता की दर करीब पचास प्रतिशत तक है. शहर से करीब होने के बावजूद इस गांव की अधिकतर आबादी न केवल विभिन्न सरकारी योजनाओं से वंचित है बल्कि रोजगार से भी वंचित है. 45 वर्षीय अनीता देवी बताती हैं कि उनके दो बच्चे हैं. 19 वर्षीय बड़ा बेटा आठवीं के बाद मन नहीं लगने के कारण पढ़ाई छोड़ चुका है और अब माता पिता के साथ मजदूरी करने जाता है जबकि छोटा दसवीं का छात्र है. वह बताती हैं कि गांव में रोजगार का कोई साधन उपलब्ध नहीं होने के कारण वह अपने पति और बेटे के साथ प्रतिदिन उदयपुर शहर मजदूरी करने जाती हैं. जहां कभी उन्हें मजदूरी मिलती है और कभी पूरे दिन बैठकर खाली हाथ वापस आना पड़ता है. वह बताती हैं कि मजदूरी में भी इतने पैसे नहीं मिलते हैं जिससे कि परिवार का गुजर बसर हो सके. ऐसे में उनकी आर्थिक स्थिति बहुत अधिक दयनीय होती जा रही है. वह कहती हैं कि गांव में रोजगार के कोई साधन नहीं हैं. यहां तक कि मनरेगा के अंतर्गत भी उन्हें काम नहीं मिलता है. हालांकि उनके अनुसार उन्होंने पंचायत में जाकर मनरेगा के तहत अपना, पति का और बेटे का भी नाम दर्ज करा रखा है, लेकिन आज तक उन्हें इससे संबंधित कभी कोई काम नहीं मिल सका. अनीता के पति भंवरलाल कहते हैं कि वह साक्षर नहीं हैं, इसलिए न तो उन्हें मनरेगा के तहत काम प्राप्त करने के अधिकार की जानकारी है और न ही वह अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही किसी भी योजनाओं की जानकारी है. एक अन्य महिला नानू बाई कहती हैं कि मनोहरपुरा गांव में कई बुनियादी आवश्यकताओं की कमी है. यहां सबसे अधिक लोगों को रोजगार की जरूरत है. जिसकी कमी के कारण ही पुरुष और युवा गांव से पलायन करने पर मजबूर हैं. वह कहती हैं कि जो लोग इन योजनाओं से जुड़ी जानकारियां रखते हैं, वह सभी इसका लाभ उठा लेते हैं, लेकिन हमारे जैसे लोग इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं जानते हैं इसलिए हम आज तक इससे वंचित हैं. इतना ही नहीं, गांव में कुछ लोगों का प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर भी बन गया है, लेकिन हमें आज तक इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं मालूम है. इसका लाभ कैसे प्राप्त की जाए और कैसे आवेदन करनी चाहिए? वहीं 32 वर्षीय सीता देवी कहती हैं कि उनके पति और उन्होंने कई वर्ष पहले मनरेगा के तहत जॉब कार्ड बनवाया था, ताकि उन्हें गांव में ही रहकर रोजगार मिल जाए, लेकिन आज तक उन्हें कोई काम नहीं मिला है. इस संबंध में वह कई बार पंचायत कार्यालय भी गई लेकिन कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला. हालांकि सरकार की ओर से ऐसी व्यवस्था की गई है

महानगरों में बढ़ता जानलेवा प्रदूषण गंभीर चुनौती

भारत के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण हवा में व्याप्त प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत है। भारत के महानगरों में वायु प्रदूषण के रूप में पसर रही मौत के लिये सरकार एवं उनसे संबंधित एजेंसियों की लापरवाही एवं कोताही शर्मनाक है, क्योंकि सरकार द्वारा 131 शहरों को आवंटित धनराशि का महज 60 फीसदी ही खर्च किया जाता है। गंभीर से गंभीरतर होती वायु प्रदूषण की स्थितियों के बावजूद समस्या के समाधान में कोताही चिन्ता में डाल रही है एवं आम जनजीवन के स्वास्थ्य को चौपट कर रही है। महानगरों में प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं। केंद्र सरकार ने वायु प्रदूषण एवं हवा में घुलते जहरीले तत्वों की चुनौती के मुकाबले के लिये राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के क्रियान्वयन की घोषणा 2019 में की थी। जिसका मकसद था कि खराब हवा के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को कम किया जा सके। सरकार की कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति को बीस से तीस फीसदी कम किया जा सके। लेकिन विडम्बना है कि तय लक्ष्य हासिल नहीं हो सके। महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है।

ललित गर्ग
विख्यात अर्थशास्त्री

चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी चर्चित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका लासेंट के हाल के अध्ययन में वायु प्रदूषण की बढ़ती विनाशकारी स्थितियों के आंकड़े न केवल चौंकाने वाले है बल्कि अत्यंत चिन्तातनक है। भारत के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण हवा में व्याप्त प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत है। भारत के महानगरों में वायु प्रदूषण के रूप में पसर रही मौत के लिये सरकार एवं उनसे संबंधित एजेंसियों की लापरवाही एवं कोताही शर्मनाक है, क्योंकि सरकार द्वारा 131 शहरों को आवंटित धनराशि का महज 60 फीसदी ही खर्च किया जाता है। गंभीर से गंभीरतर होती वायु प्रदूषण की स्थितियों के बावजूद समस्या के समाधान में कोताही चिन्ता में डाल रही है एवं आम जनजीवन के स्वास्थ्य को चौपट कर रही है। महानगरों में प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं।

केंद्र सरकार ने वायु प्रदूषण एवं हवा में घुलते जहरीले तत्वों की चुनौती के मुकाबले के लिये राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के क्रियान्वयन की घोषणा 2019 में की थी। जिसका मकसद था कि खराब हवा के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को कम किया जा सके। सरकार की कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति को बीस से तीस फीसदी कम किया जा सके। लेकिन विडम्बना है कि तय लक्ष्य हासिल नहीं हो सके। महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान को निरन्तर जीवन का हिस्सा बनाना होगा। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फेंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में गत दो-तीन साल में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है। दिल्ली एवं पंजाब में एक ही दल ही सरकारें है, दूसरों पर आरोप लगाने की बजाय क्यों नहीं आम आदमी पार्टी की सरकार समाधान देती। प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता। इसके लिये शहरों में वृक्षारोपण करके हरियाली का दायरा बढ़ाना, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, इलेक्ट्रानिक वाहनों को प्रोत्साहन तथा इन वाहनों के लिये चार्जिंग स्टेशन बनाने जैसे प्रयास करने के सुझावों का क्रियान्वित करने की अपेक्षा है, इसके लिये जो कार्यक्रम प्रदूषण से ग्रस्त चुनिंदा शहरों में चलाया जाना था, लेकिन स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। जिससे समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। इसी कारण देश के अधिकांश शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। लेकिन स्थानीय निकायों व प्रशासन ने संकट की गंभीरता को नहीं समझा। इस दिशा में अपेक्षित सक्रियता नजर नहीं आई। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे महानगरों को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? प्रशासन अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा पा रही है?

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये सक्रिय है, केंद्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भी प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये करीब साढ़े दस हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। लेकिन विडम्बना है कि पर्याप्त फण्ड होने के बावजूद सिर्फ साठ फीसदी राशि ही इस मकसद के लिये खर्च की गई। वहीं सत्ताईस शहरों ने बजट का तीस फीसदी ही खर्च किया। कुछ शहरों ने तो इस मकसद के लिये आवंटित धन का बिल्कुल उपयोग नहीं किया। कैसे समस्या से मुक्ति मिलेगी? जीवाश्म ईंधन के उपयोग, सड़कों पर निरंतर बढ़ते पेट्रोल-डीजल वाहन, सार्वजनिक यातायात की बदहाली व कचरे का ठीक से निस्तारण न होने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल करना जटिल होता जा रहा है। अब समस्या की विकरालता को देखते हुए केंद्र सरकार इस दिशा में नये सिरे से गंभीरता से पहल कर रही है, जिससे प्रदूषित शहरों को दी जाने वाली राशि का यथा समय अधिकतम उपयोग हो सके। पराली की समस्या को हल करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 1347 करोड़ रुपये और उपकरण दिए गए। अगर इस पर राजनीति करने की जगह ईमानदारी से काम होता तो प्रदूषण को कम करने की दिशा में हम कुछ कदम बढ़े होते। वायु प्रदूषण एक जाना-पहचाना पर्यावरणीय स्वास्थ्य खतरा है। हम जानते हैं कि हम क्या देख रहे हैं जब भूरे रंग की धुंध शहर के ऊपर छा जाती है, व्यस्त राजमार्ग पर धुआँ निकलता है या धुएँ के ढेर से धुआँ निकलता है। वायु प्रदूषण मानव निर्मित और प्राकृतिक दोनों स्त्रोतों से उत्पन्न खतरनाक पदार्थों का मिश्रण है। वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, घरों को वातानुकूलित करने के लिए ईंधन तेल और प्राकृतिक गैस, एसी का उपयोग, विनिर्माण और बिजली उत्पादन के उप-उत्पाद, विशेष रूप से कोयला-ईंधन वाले बिजली संयंत्र, और रासायनिक उत्पादन से निकलने वाले धुएं मानव निर्मित वायु प्रदूषण के प्राथमिक स्त्रोत हैं। बढ़ता प्रदूषण वैश्विक स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए एक बड़ा खतरा है। वायु प्रदूषण सभी रूपों में, हर साल दुनिया भर में 6.5 मिलियन से अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार है यह संख्या पिछले दो दशकों में बढ़ी है। भारत के महानगरों में यह अधिक विकराल होती जा रही है। उच्च वायु प्रदूषण से संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं में कैंसर, हृदय रोग, श्वसन रोग, मधुमेह, मोटापा, तथा प्रजनन, तंत्रिका संबंधी और प्रतिरक्षा प्रणाली संबंधी विकार शामिल हैं। वायु प्रदूषण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। महानगरों की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि दिल्ली जैसे महानगरों में रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। 300 से अधिक एक्यूआई वाले शहरों की संख्या बढ़ती ही जा रही है।

बजट में रक्षा क्षेत्र के साथ हुआ न्याय

भारत अपने रक्षा बजट की किसी भी सूरत में अनदेखी नहीं कर सकता। कारण हम सबको पता है। हमारे दो गैर-जिम्मेदाराना हरकतों के लिये कुख्यात पड़ोसी-चीन और पाकिस्तान भारत के कट्टर शत्रु देश हैं। इनसे भारत के कई युद्ध भी हो चुके हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान तो भारत में आतंकवाद को लगातार हवा-पानी देता रहता है। यह हमने हाल ही में जम्मू में भी देखा। जम्मू क्षेत्र में आतंकी हमलों में वृद्धि के मद्देनजर, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने विगत 20 जुलाई को जम्मू का दौरा भी किया था। वह वहां सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने आला सैनिक अफसरों के साथ आतंकवाद को कुचलने की रणनीति पर भी बातचीत की थी। जम्मू में इस साल छह अलग-अलग आतंकी हमलों में 11 सशस्त्र बल कर्मियों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा, पिछले महीने आतंकियों ने रियासी में एक बस पर फायरिंग की थी। इसके बाद बस के खाई में गिरने से 9 यात्रियों की मौत हो गई थी। इसके अलावा अक्टूबर 2021 से आतंकवादी डोडा, कठुआ और रियासी जैसे क्षेत्रों में और भी अंदर तक पहुंच गए हैं। पिछले महीने जनरल मनोज पांडे से सेना प्रमुख के रूप में पदभार संभालने के बाद से जनरल द्विवेदी का जम्मू क्षेत्र का यह दूसरा दौरा था। तो बहुत साफ है कि भारत के रक्षा क्षेत्र के सामने बहुत चुनौतियां है। उसे पाकिस्तान और चीन की करतूतों से लगातार लड़ना पड़ता है। भारत की पाकिस्तान से 1947, 1965, 1971 और फिर करगिल में जंग हुई।

आर.के. सिन्हा
लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का साल 2024-25 का बजट पेश करते हुए रक्षा क्षेत्र के लिए 4.54 लाख करोड़ का प्रस्ताव किया। यह संयोग ही है कि कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) से चंदेक दिन पहले ही संसद में पेश....आम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए ठीक-ठाक राशि का ही प्रस्ताव किया गया। भारत अपने रक्षा बजट की किसी भी सूरत में अनदेखी नहीं कर सकता। कारण हम सबको पता है। हमारे दो गैर-जिम्मेदाराना हरकतों के लिये कुख्यात पड़ोसी-चीन और पाकिस्तान भारत के कट्टर शत्रु देश हैं। इनसे भारत के कई युद्ध भी हो चुके हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान तो भारत में आतंकवाद को लगातार हवा-पानी देता रहता है। यह हमने हाल ही में जम्मू में भी देखा। जम्मू क्षेत्र में आतंकी हमलों में वृद्धि के मद्देनजर, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने विगत 20 जुलाई को जम्मू का दौरा भी किया था। वह वहां सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने आला सैनिक अफसरों के साथ आतंकवाद को कुचलने की रणनीति पर भी बातचीत की थी। जम्मू में इस साल छह अलग-अलग आतंकी हमलों में 11 सशस्त्र बल कर्मियों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा, पिछले महीने आतंकियों ने रियासी में एक बस पर फायरिंग की थी। इसके बाद बस के खाई में गिरने से 9 यात्रियों की मौत हो गई थी। इसके अलावा अक्टूबर 2021 से आतंकवादी डोडा, कठुआ और रियासी जैसे क्षेत्रों में और भी अंदर तक पहुंच गए हैं। पिछले महीने जनरल मनोज पांडे से सेना प्रमुख के रूप में पदभार संभालने के बाद से जनरल द्विवेदी का जम्मू क्षेत्र का यह दूसरा दौरा था। तो बहुत साफ है कि भारत के रक्षा क्षेत्र के सामने बहुत चुनौतियां है। उसे पाकिस्तान और चीन की करतूतों से लगातार लड़ना पड़ता है। भारत की पाकिस्तान से 1947, 1965, 1971 और फिर करगिल में जंग हुई। चीन से भी हमारी भीषण जंग 1962 में हुई। कुछ साल पहले चीन से दोकलम में भी लड़ाई की ही नौबत आ चुकी थी। लेकिन, भारत की कुशल कूटनीति से युद्ध टल गया था। भारत के चीन और पाकिस्तान से कई विषयों पर विवाद हैं। इसीलिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने समझदारी पूर्वक रक्षा बजट के लिए एक बड़ी राशि देने का प्रस्ताव रखा।

चीन ने 1962 की जंग के बाद हमारे अक्साईचिन पर अपना जबरदस्ती कब्जा जमा लिया था। यह क्षेत्र 37, 244 वर्ग किलोमीटर है जिसमें अनेक गलैशियर भरे पड़े हैं। यह पूरे कश्मीर घाटी जितना बड़ा इलाका है। भारत को उस चीन द्वारा जबरदस्ती ढंग से कब्जाए क्षेत्र को वापस तो लेना ही है। चीन हमारे अरुणाचल प्रदेश पर भी गिद्ध दृष्टि रखता है। तो भारत को अपने रक्षा बजट को निरंतर बढ़ाने के साथ सेना के सभी अंगों को और मजबूत तो करना ही होगा। इस बारे में कोई बहस संभव नहीं है।

भारत लगातार अपने रक्षा क्षेत्र को बदलते वक्त के साथ तैयार भी कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीए) पद सर्जित करने की घोषणा की थी। यह कदम भारतीय सशस्त्र बलों में आपसी तालमेल को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। हालांकि यह पहल कारगिल युद्ध के 18 साल बाद हुई। आप जानते हैं कि कारगिल युद्ध में भारत ने पाकिस्तान के गले में अंगूठा डाल दिया था। कारगिल युद्ध भारतीय सेना और राष्ट्रीय खुफिया एजेंसियों के लिए एक बड़ा झटका था। 84 दिनों तक चला यह युद्ध 15, 000 फीट की ऊँचाई पर 200 किलोमीटर लम्बी सीमा पर लड़ा गया। यह युद्ध भारतीय सेना के लिए प्रमुख सुधारों और नवीनीकरण का उत्प्रेरक बना। देश की सरहदों की निगाहबानी करने वालों के लिए कारगिल का सबसे बड़ा सबक था -अप्रत्याशित की उम्मीद करना। भारतीय सेना ने कभी नहीं सोचा था कि जनरल परवेज मुशर्राफ के नेतृत्व में पाकिस्तानी सेना कारगिल सेक्टर में घुसपैठ करेगी। कारगिल युद्ध का एक महत्वपूर्ण सबक यह भी था कि भारत को आधुनिक हथियारों और गोला-बारूद में आत्मनिर्भर होना होगा। यह तो जाहिर है कि भारत सरकार क्षा क्षेत्र के सामने कभी धन की कमी महसूस नहीं होने देती। जब देश के इर्द-गिर्द दो बड़े शत्रु राष्ट्रों की सरहदें मिलती हो तब भारत से यह अपेक्षा करना उचित ही नहीं होगा कि वह अपने रक्षा बजट में कटौती करने की सोचे भी। अगर बात आम बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए धन की आवंटन से हटकर करें, तो भारत को अपने रक्षा क्षेत्र में लगातार सुधार करते ही रहना होगा। यह अच्छी बात है कि सरकार सेना, नौसेना और वायु सेना के एकीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो संकट के समय में उनके बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगा। पहले तीनों सेनाएं अपने-अपने स्तर पर काम करती थीं। मौजूदा सरकार ने उनके एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया, जो लीक से हटकर कर एक अलग कदम था और यह समय की मांग भी थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा भी था सेना के तीनों अंगों में समन्वय का काम थोड़ा कठिन था; लेकिन, अब हमारी सेना बेहतर समन्वय के साथ हर चुनौती से निपटने के लिए मिलकर काम करने को तैयार रहती है।

कुछ लोगों का विचार था, स्वदेशी हथियार विश्व स्तरीय नहीं होंगे; लेकिन, वर्तमान सरकार घरेलू उद्योग की क्षमताओं में विश्वास करती है। यह जान लीजिए कि कोई भी सेना बाहर से आयातित उपकरणों से अपने देश की रक्षा नहीं कर सकती है और आज के समय में भारत के लिए रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता आवश्यक है। आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत सरकार के लगातार प्रयास अब लाभ देने लगे हैं, क्योंकि; भारत का रक्षा उत्पादन एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है।

उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारे स्थापित करने जैसी पहल के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि आधुनिक सैन्य साजो-सामान न केवल भारत में निर्मित हो, बल्कि उन्हें मित्र देशों को भी निर्यात किया जाए। पहले भारत को हथियार आयातक राष्ट्र के रूप में जाना जाता था। लेकिन, आज भारत अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आ गया हैं और हमने हथियार निर्यातक शीर्ष-25 देशों की सूची में जगह बना ली है। कुछ साल पहले तक भारत के रक्षा क्षेत्र का निर्यात 1, 000 करोड़ रुपये तक भी नहीं पहुंच पाता था, जबकि आज यह 16, 000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सरकार को 2028-29 तक वार्षिक रक्षा उत्पादन तीन लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात 50, 000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की आशा है।

2024-25 के बजट से केंद्र सरकार बची, भाजपा के लिए अस्तित्व का संकट?

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का तीसरे कार्यकाल का पहला बजट संसद में प्रस्तुत हो गया है। इस बजट को लेकर देश मे बड़ी तीखी क्रिया-प्रतिक्रिया हो रही है। 2024-25 के केन्द्रीय बजट में सरकार ने बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए विशेष पैकेज की घोषणाएं की हैं। जिसके कारण अन्य राज्यों के साथ भेदभाव होने की बातें सामने आ रही है। संसद के दोनों सदनों में बजट का मुद्दा लगातार गर्मा रहा है। इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दल बड़े मुखर होकर बजट का विरोध कर रहे हैं। इस बजट को जन विरोधी भी बताया जा रहा है। सरकार ने आंध्र और बिहार राज्य को विशेष पैकेज देने के लिए, जिस तरह से अन्य राज्यों की उपेक्षा मनरेगा एवं शिक्षा के बजट मे कटौती की है। उसका बड़े पैमाने पर विरोध हो रहा है। बेरोजगारी बढ़ती चली जा रही है, लोगों को काम नहीं मिल रहा है। मनरेगा का बजट बढ़ाने की बजाये कम कर दिया गया है। इसका असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पड़ेगा। शहरी क्षेत्र के बेरोजगारों के लिए मनरेगा जैसी योजना लाने की मांग हो रही थी। इस बजट में शहरी मजदूरों के लिए रोजगार उपलब्ध कराने का कोई प्रस्ताव नहीं है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, दो राज्यों को छोड़कर अन्य राज्यों को बजट मे कुछ भी नहीं मिला। सबकी थाली खाली करके 2 थालियों में सरकार ने पकोड़ा और जलेबी परोस दी है। उन्होंने व्यंग्यात्मक रूप से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को माता जी कहकर राज्यसभा में संबोधित किया। जो विपक्ष की पीड़ा को जग जाहिर कर रहा था। इस बयान की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया सत्ता पक्ष और विपक्ष में देखने को मिली। विपक्ष ने संसद परिसर के बाहर जिस तरह एकत्रित होकर बजट का विरोध किया। सामूहिक रूप से नारेबाजी की। केंद्र सरकार के ऊपर आरोप लगाया, सरकार संघीय व्यवस्था को भूलकर केवल सरकार बचाने के लिए बजट लेकर आई है। सदन के दोनों सदनों में सत्ता पक्ष के सांसदों मे भी बजट को लेकर निराशा देखने को मिल रही है। देश के कई राज्यों में डबल इंजन की भाजपा सरकारें हैं। इस बजट में उन राज्य सरकारों की भी उपेक्षा हुई है। जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। उनकी भी बजट मे उपेक्षा हुई है। इस बजट से भाजपा के सांसद और भाजपा शासित राज्यों के विधायक भी मायूस हैं। 2024-25 के बजट में जिस तरह से आंध्र और बिहार को अतिरिक्त राशि दी गई है। वहीं अन्य राज्यों के मनरेगा और शिक्षा के बजट में कमी की गई है। नए बजट में 2 राज्यों को छोड़कर अन्य राज्यों को कुछ नहीं मिला है, जिसकी वह आशा कर रहे थे। ऐसी स्थिति में भाजपा शासित राज्यों के सांसदों और विधायकों के लिए मतदाताओं को संतुष्ट करना बहुत मुश्किल हो गया है। डबल इंजन के सरकारों को भरोसा था, इस बजट में उन्हें ज्यादा आर्थिक सहायता मिलेगी। डबल इंजन की राज्य सरकारों के मुखिया अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। अगले कुछ महीनो में हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव होने हैं। आंध्र और बिहार को विशेष पैकेज देने के कारण, जिन राज्यों में अगले कुछ महीनो में चुनाव होना है। वहां भारतीय जनता पार्टी की स्थिति पहले से कमजोर है। रही-सही कसर इस बजट ने आग में घी डालने जैसा काम कर दिया है। बजट में जिस तरह से मध्यम वर्ग के ऊपर कैपिटल गेन एवं संपत्ति की बिक्री पर टीडीएस काटने जैसे प्रावधान बजट मे होने से मध्यमवर्गीय परिवारों में तीखा विरोध हो रहा है। इस बजट से राज्यों के साथ भेदभाव का मामला तूल पकड़ने लगा है। विपक्ष कह रहा है, कि केंद्र सरकार ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों की भारी उपेक्षा की है। इस बजट का यह संदेश देश भर में, भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जाएगा। इसका अंदाजा सरकार को नहीं रहा होगा। जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं, उनकी भी स्थिति बजट आने के बाद कमजोर हुई है। जिन राज्यों के मतदाताओं ने भारतीय जनता पार्टी को भारी समर्थन देकर चुनाव जिताया है।

संक्षिप्त खबरें

अब तक 32 हजार नये लाभुकों का बना आयुष्मान कार्ड

छपरा कार्यालय। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिये 18 जुलाई से 31 जुलाई तक चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत 24 जुलाई तक सारण जिला में लगभग 32 हजार नये लाभुकों का कार्ड बनाया गया है। नये कार्ड बनाने की संख्या के आधार पर 24 जुलाई को सारण जिला राज्य में चौथे स्थान पर रहा है। सभी पात्र लोगों को पीडीएस दुकान पर जाकर कार्ड बनवाने हेतु जागरूक एवं प्रेरित करने के लिये जिलाधिकारी अमन समीर ने सभी गांव, पंचायत एवं शहरों में माइकिंग कराने को कहा है। इसी उद्देश्य से सभी प्रखंडों में दो-दो प्रचार वाहन 31 जुलाई तक लगातार भ्रमणशील रहकर माइकिंग के माध्यम से लोगों को जानकारी देंगे तथा पीडीएस दुकानों पर जाकर अपना अपना आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु जकगरुक करेंगे। आज जिलाधिकारी श्री अमन समीर ने समाहरणालय परिसर से प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

सावन मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन

छपरा कार्यालय। अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी संस्था इनर व्हील की स्थानीय इकाई इनर व्हील क्लब छपरा की तरफ से गुरुवार को सांढा स्थित ह्वबालिका गृहह्व में छात्राओं के बीच सावन मेंहदी प्रतियोगिता आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में 40 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं हाथों पर मेंहदी की श्रृंखला के माध्यम से अपने कलात्मक डिजाइन प्रदर्शित किए। इनर व्हील छपरा की अध्यक्ष वीणा शरण ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल बच्चों के कला कौशल को देखना नहीं था, बल्कि बच्चों की रचनात्मकता और उनके प्रतिनिधित्व के तरीके को भी देखना था, जिससे छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व में सुधार होगा। प्रतियोगिता के उपरांत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के आधार पर छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। शेष सभी छात्राओं के मध्य उपहार एवं खाद्यसामग्री वितरित किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष वीणा शरण, मंजू सिंह, राखी सिंह, अर्पणा मिश्रा, अर्चना रस्तोगी, शशि प्रभा सिन्हा, किरण सिंह एवं विद्यालय की शिक्षिकाएं शामिल थीं।

सहाजितपुर पुलिस ने चोरी की तीन बाइक के साथ एक को किया गिरफ्तार

बनियापुर। सहाजितपुर पुलिस ने वाहन जांच के दौरान चोरी की बाइक के साथ एक को गिरफ्तार कर लिया है गिरफ्तार व्यक्ति जनता बाजार थाना अंतर्गत पुरषोत्तम पुर निवासी रविन्द्र राम बताया जाता है साथ ही पुलिस ने तीन चोरी की बाइक भी जब्त किया है इस संबंध में पुलिस ने बताया कि मानोपाली चौक पर वाहन जांच चल रहा था तभी मशरक के तरफ से आने वाले बाइक सवार को जब रोका गया तो उनके द्वारा बाइक का कागज नहीं प्रस्तुत किया गया। जब उक्त व्यक्ति से इस संबंध में पूछताछ की गई तो उसके द्वारा बताया गया कि यह चोरी की बाइक है पकड़ाया व्यक्ति जनता बाजार थानांतर्गत पुरुषोत्तमपुर गांव का रविन्द्र राम है बाद में जब पुलिस ने गहनता से पूछताछ की तो इसके द्वारा बताया गया कि दो चोरी की बाइक मेरे घर पर रखी हुई है पुलिस ने घर पर जाकर उस बाइक को भी जब्त कर लिया इसके निशानदेही पर पुलिस ने भगवानपुर थानांतर्गत संजय राम के यहाँ से भी एक चोरी की बाइक बरामद की गई जहाँ पुलिस छापेमारी के दौरान संजय राम घर पर नहीं मिला वही उसकी पत्नी द्वारा बताया गया कि यह बाइक उसके पति रखे है पुलिस ने तीनों बाइक को जब्त कर लिया और गिरफ्तार व्यक्ति को जेल भेज दिया है।

नेपाल उत्तरप्रदेश सीमाई क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत वृक्षारोपण

बगहा। नेपाल और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित तकरीबन दो दर्जन पंचायतों व आस पास के इलाकों में पर्यावरण संरक्षण को लेकर वृक्षारोपण की शुरुआत हुई है। सबसे बड़ी बात है की पौधरोपण कार्यक्रम के लिए अब पुलिस आगे आई है। लोगों की सुरक्षा के साथ साथ पुलिस सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही है। लिहाजा नौरंगिया थाना परिसर में कुल चार सौ वृक्ष लगाएं गए हैं, थाने में 2 यूनिट नए पौधे लगाकर इस वृक्षारोपण अभियान की विधिवत शुरुआत की गई है। दरअसल बिहार के इकलौते वाल्मीकि टाइगर रिजर्व क्षेत्र में मिशन हरियाली को गति दिया जा रहा है, जिसमें मनरेगा के तहत बगहा दो प्रखंड क्षेत्र में फिलहाल 55 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी कड़ी में बगहा दो पीओ संजीव कुमार राय और नौरंगिया थानाध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में पौधारोपण किया जा रहा है। इतना ही नहीं आस पास के ग्रामीणों से भी वृक्ष लगाने और पेड़ पौधों को बचाने की अपील की जा रही है।

15 अगस्त तक डब्ल्यूपीयू निर्माण कार्य को धरातल पर उतारने का रखें लक्ष्य : जिलाधिकारी

प्रात :किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। पंचायतों में तेजी के साथ विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आज प्रखंड सभागार मझौलिया में जिला पदाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक सम्पन्न हुयी। इस बैठक में जिलास्तरीय पदाधिकारी, प्रखंडस्तरीय पदाधिकारी, माननीय जनप्रतिनिधिगण एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मी सम्मिलित हुए। जिलाधिकारी ने लगभग 21 पंचायतों के प्रतिनिधियों से बात करते हुए उनसे उनकी पंचायतों में हो रहे विकास कार्यों का हाल जाना। पंचायत प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने विकास कार्यों में हो रही दिक्कतों के बारे पूछा। कौन सा कारण है जिसकी वजह से मझौलिया प्रखंड के बारह पंचायतों में विकास कार्य धीरे हैं इसके बारे में गहन पड़ताल की। अधिकारियों के साथ ही जन प्रतिनिधियों से उन्होंने जोर देकर कहा कि विकास कार्यों में तेजी लायी जाए। कार्यों को गति प्रदान करना सबकी जिम्मेवारी है। जन प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत तौर पर उन्होंने पूछा कि बताइए कि काम कब तक पूरा होगा।

साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि पंद्रह अगस्त तक डब्ल्यूपीयू निर्माण कार्य को धरातल पर पूरा करने का लक्ष्य रखें। जिलाधिकारी ने कहा कि विकास कार्यों को तीव्र गति से क्रियान्वित करने एवं धरातल पर उतारने के लिए माननीय जनप्रतिनिधिगण सहयोग करें। पंचायत को बेहतर बनाने के लिए मिलजुल कर कार्य करें। ससमय विकास कार्यों को धरातल पर उतारे ताकि आमजन लाभान्वित हो सके। अपूर्ण योजनाओं को तीव्र गति से निष्पक्षता के साथ पूर्ण कराएं। विकास कार्यों के महत्व पर जोर देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि इसे अपना काम समझकर करें तब ही समय पर पूरा होगा। जिला प्रशासन हमेशा आप लोगों के साथ समन्वय करने के लिए तैयार है। जन प्रतिनिधियों के बीच उन्होंने यह भी बताया कि बहुत सारी नई योजनाएं भी अभी आने वाली है जो आप लोगों के ही पूरा करना है। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि किसी के प्रति कोई द्वेष भावना नहीं है। काम करना ही लक्ष्य है। डब्ल्यूपीयू निर्माण हेतु परसा पंचायत की जमीन के मामले को भी उन्होंने गौर से जाना और उसे जल्दी हल करने के लिए निर्देशित किया। जन प्रतिनिधियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि अच्छे से काम करके आप लोग उदाहरण बन सकते हैं। प्रतिकूल परिस्थितियों में काम करना ही चुनौती है। विकास तभी हो सकता है जब आप लोग का सहयोग पूरी तरह प्रशासन को मिलेगा। समीक्षा बैठक में पंचायतों में संचालित विभिन्न विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की गयी। इस दौरान डब्ल्यूपीयू निर्माण पर विशेष बल दिया गया। जौकटिया पंचायत के मुखिया द्वारा बताया गया कि 2-3 दिन में निर्माण कार्य पूर्ण हो जायेगा। सेनुवरिया मुखिया द्वारा बताया गया ले आउट तैयार हो गया है। रामनगर बनकट के मुखिया प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि कल से कार्य शुरू हो जायेगा। राजाभार, करमवां, बहुअरवा पंचायत के प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि कार्य शुरू हो गया है, जल्द पूर्ण करा लिया जायेगा। परसा पंचायत के पंचायत प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि डब्ल्यूपीयू निर्माण हेतु चिन्हित जमीन का किसी के द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। इसे जिलाधिकारी ने गंभीरता से लेते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी को निर्देश दिया कि शीघ्र उक्त जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराया जाय और डब्ल्यूपीयू का निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाय। जिलाधिकारी ने पंचायत प्रतिनिधियों से कहा कि गांवों को स्वच्छ रखने के लिए, डब्ल्यूपीयू का निर्माण कराया जा रहा है। गांव के घर-घर से कचरा कलेक्शन का उसका निस्तारण डब्ल्यूपीयू में कराया जायेगा। कचरा कलेक्शन हेतु प्रति परिवार प्रतिदिन मात्र एक रूपया यूजर चार्जेज सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है। यूजर चार्जेज कलेक्शन के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करने में पंचायत के मुखिया सहयोग करें। कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी द्वारा मझौलिया प्रखंड में किये जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होंने अपना तथा अपने एसडीओ का नंबर सार्वजनिक किया ताकि नल-जल योजना एवं चापाकल नियमित रूप से फंक्शनल रह सके। जिलाधिकारी द्वारा कार्यालय अभियंता, पीएचईडी को निर्देश दिया गया कि कार्यालय में एक पंजी का संधारण किया जाय जिसमें एक-एक शिकायत को अंकित किया जाय। प्राप्त शिकायत पर विभाग द्वारा क्या कार्रवाई की गयी, इसे भी अंकित किया जाय।

शुक्ला बाबा के शिष्य शिरोमणि सन्त महोत्सव के अवसर पर आयोजित आध्यात्मिक समागम को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

शुक्ला बाबा के याद में आयोजित हो रहा संत महोत्सव समागम,निकाली गयी विशाल शोभा यात्रा

प्रात :किरण संवाददाता

परसाः- गायत्री शक्तिपीठ धाम के संस्थापक पंडित रमेश चंद्र शुक्ला बाबा की याद में गायत्री शक्तिपीठ मंदिर मस्तीचक में आयोजित नौ दिवसीय शिष्य शिरोमणि संत महोत्सव समागम कार्यक्रम को लेकर गायत्री शक्तिपीठ मस्तीचक के ट्रस्टी श्री मृत्युंजय तिवारी के नेतृत्व में गायत्री परिवार के सदस्यों के द्वारा विराट कलश शोभायात्रा निकाली गयी। इस शोभायात्रा में दर्जनों हाथी घोड़े ऊट के अलावे नशामुक्ति,पर्यावरण संरक्षण,बाल विवाह,भगवान भोलेनाथ, माता गायत्री,अर्धनारीश्वर व शिवालय की उत्कृष्ट झांकी की प्रस्तुति की गयी।जिसे देखने के लिये सड़क के दोनों ओर श्रद्धालुओ की लंबी भीड़ देखी गयी। कलश शोभायात्रा पवित्र यज्ञ स्थल मस्तीचक गायत्री शक्तिपीठ मंदिर से रहमत बालिका उच्च विद्यालय मस्तीचक,महम्मदपुर,अखण्ड ज्योति आई हॉस्पिटल,सैदपुर, हॉस्पिटल रोड होते परसा दरोगा राय चौक,खलीफा चौक,मस्तीचक मोड़ होते रामेशपुरम स्थित नए अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल पहुची जहा आचार्य द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश में जलभरी कराई गई।पुनः कलश शोभायात्रा अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल होते हुए पवित्र यज्ञ स्थल गायत्री शक्तिपीठ मस्तीचक धाम पहुची।जहा महायज्ञ के शुभारम्भ होते पूरा माहौल भक्तिमय सा हो गया। अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल मस्तीचक के निदेशक डा.मृत्युंजय तिवारी ने बताया कि संत महोत्सव को लेकर आज विराट कलश शोभायात्रा निकाली गयी और 26 जुलाई से दो अगस्त तक गायत्री महायज्ञ,साधना व जप,अयोध्या के श्री हित अतुल कृष्ण भामिनी शरण के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा ,आचार्य राहुल शास्त्री के द्वारा महाकाल रुद्राभिषेक,महंत विपिन दास जी महाराज के द्वारा संगीतमय राम कथा,प्रज्ञा पुराण कथा,सुंदर काण्ड पाठ, श्री दुर्गा सप्तशती पाठ,नव ग्रह शांति पाठ,महामृत्युंजय मंत्र जप,सूक्ष्मीकरण संत महोत्सव सामूहिक साधना, व तीन अगस्त को सामूहिक रुद्राभिषेक,महाप्रसाद का भंडारा का कार्यक्रम आयोजित है।इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुगण शामिल होकर पुण्य का भागी बने।इस दौरान डा.अजीत पोद्दार,आचार्य विकास शर्मा,अमित सिंह,अभिषेक कुमार,राजीव चौरसिया, डा. अरविंद कुमार,राकेश राय, डॉ लालसाहेब राय, पूर्व वार्ड पार्षद संजय शुक्ला,पुतुल साह,बादल सिंह,पूर्व मुखिया सिग्नेश्वर राय, हरि राय,प्रो राम किशोर राय,सरपंच संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय कुमार गुप्ता,अनमोल पाठक, लालबाबू उपाध्याय,हरेश्वर राय,मनीषा दिवेदी,सुमन सिंह,कुमारी छाया, सहित दर्जनों श्रद्धालु लाल पीले वस्त्र में शामिल थे ।

सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत निकली स्वच्छता रैली

प्रात :किरण संवाददाता

माँझी। सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत माँझी नगर पँचायत के तत्वावधान में गुरुवार को एक स्वच्छता रैली निकाली गई। रैली स्थानीय दलन सिंह उत्क्रमित उच्च विद्यालय के परिसर में पहुँचकर एक सभा में तब्दील हो गई। रैली में स्कूली छात्र छात्राओं सहित विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भाग लिया। रैली को संबोधित करते हुए नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी रक्षा लोहिया एवं सफाई पदाधिकारी कुमारी सुमन ने संयुक्त रूप से कहा कि भारत सरकार के आवास व शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देश पर इस अभियान की शुरूआत की गई है। उन्होंने बताया कि यह अभियान 31 अगस्त तक चलेगा। पदाधिकारी द्वय ने कहा कि विशेष स्वच्छता अभियान के तहत खुले में कचरा डंपिंग रोकने,नाले में रुके हुए पानी को खत्म करने, बाजार व खाद्य वेंडिंग जोन से बीमारी भगाने को लेकर यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपने घर के दरवाजे से लेकर सार्वजनिक स्थान की नियमित सफाई कर स्वच्छ रखना है तथा कहीं भी कचड़ा नहीं फैलाना है साथ ही कचड़े को डस्टबिन में डालना है। गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग खाने में रखना है। उन्होंने बताया कि नगर पंचायत में बहुत जल्द ही डस्टबिन उपलब्ध करा दी जाएंगी।बच्चों से खुद अपने आसपास सफाई रखने की बात कही गई। साथ ही पॉलिथीन के उपयोग पर भी रोक लगाने को कहा गया। इस अभियान में नगर पंचायत के पदाधिकारियों के अलावा सहित सफाई कर्मी आदि भी मौजूद थे।

चिरांद विकास परिषद की बैठक में विभिन्न गतिविधियों पर हुई चर्चा

प्रात :किरण संवाददाता

डोरीगंज ।चिरान्द विकास परिषद की बैठक बुधवार को श्रीराम तिवारी के आवासीय परिसर में परिषद के संस्थापक सदस्य हरिद्वार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई।बैठक में सभी सदस्य ने परिषद की आगामी गतिविधियों के लिए सर्व से विभिन्न प्रकल्पों का गठन कर अलग अलग कार्यकताओं को जिम्मेदारी दी जाने पर सहमति बनी। बैठक में परिषद के सचिव श्रीराम तिवारी ने कहा कि चिरान्द विकास परिषद पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र मे कार्य कर रही है जिसके तहत गुरू पुर्णिमा से रक्षाबंधन तक परिषद द्वारा एक हजार वृक्ष लगाए ।उनहोने कहा कि हमारे जीवन में वृक्ष का इतना महत्व है कि वृक्ष के बिना हम अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। जीवन शक्ति प्रदान करने वाली ऑक्सीजन हमें वृक्षों से ही प्राप्त होती है। यदि ऑक्सीजन ना हो तो सभी जीव घुट घुट कर मर जाएंगे। प्रकृति पर नियंत्रण और जीवन शक्ति को बनाए रखने के लिए वृक्ष का लगाना आवश्यक हो गया है। श्री तिवारी ने कहा कि दैनिक जागरण अभियान के साथ रविवार को धार्मिक नगरी चिरांद के अयोध्या मंदिर परिसर में 101महोगनी वृक्ष लगाए जाएंगे । उपस्थित सदस्यों मे हरिद्वार सिंह ,रघुनाथ सिंह,तारकेश्वर सिंह,श्याम बहादुर सिंह,राशेश्वर सिंह,विनोद सिंह, जय दिनेश पांडे, राजकिशोर प्रसाद चौरसिया, अर्जुन सिंह , पवन चौधरी ,राधेश्याम चौधरी, हरिमोहन कुमार, अर्जुन कुमार, सुभाष महतो, गिरिजन मांझी, सोनू कुमार, लोकेश शुक्ला, राजू कुमार, चंदन कुमार सुशील कुमार पांडे, विपिन बिहारी रमन, अतुल कुमार, सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

सांसद ने की महराजगंज संसदीय क्षेत्र में मेगा फूड पार्क, एकीकृत शीट श्रृंखला व मूल्य वर्धन परिरक्षण अवसंरचना स्थापित करने की मांग

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। महाराजगंज के भाजपा सांसद जनार्दन सिंह ह्लसीग्रीवालह्व ने लोकसभा में महाराजगंज संसदीय क्षेत्र अंर्तगत मेगा फूड पार्क,एकीकृत शीत श्रृंखला एवं मूल्य वर्धन परिरक्षण अवसंरचना स्थापित कराये जाने हेतु नियम-377 के अधीन मामला उठाते हुए,कई तथ्यों को लोकसभा के पटल पर रखी । श्री सिग्रीवाल ने कहा कि चुंकि मेरा संसदीय लोकसभा क्षेत्र महाराजगंज,बिहार कृषि बाहुल्य क्षेत्र है ' कृषि ही मुख्य रूप से मेरे क्षेत्र की जनता का जीवन-यापन एवं अथोर्पार्जन का मुख्य साधन है ' रवि-खरीफ सहित वार्षिक फसलों के सभी चक्रों के अन्न,सब्जी एवं फलों का उत्पादन मेरे संसदीय क्षेत्र के बहुतायत किसानों के द्वारा किया जाता है ' इस

कारण हमारे क्षेत्र के किसान बंधुओं के लिए उत्पादित सभी स्तर के उत्पादन को संरक्षित करने,आधुनिक भण्डारण की व्यवस्था करने,खेत-खलिहान से लेकर अच्छे एवं लाभकारी विपन्नन की व्यवस्था प्रदान करने की जरूरत है ' इसके लिए मेरे संसदीय क्षेत्र अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के विभिन्न योजनाओं के तहत मेगा फूड पार्क,एकीकृत शीत श्रृंखला एवं मूल्य वर्धन परिरक्षण अवसंरचना स्थापित करने की नितांत आवश्यकता है,जिससे कि मेरे संसदीय क्षेत्र के किसानों को जनहित में आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का अवसर मिल सके तथा उनके आय को दोगुनी किया जा सके। उन्होंने लोक सभा के अध्यक्ष के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री से आग्रह किया कि मेरे संसदीय क्षेत्र अंतर्गत अपने मंत्रालय के विभिन्न योजनाओं के तहत मेगा फूड पार्क,एकीकृत शीत श्रृंखला एवं मूल्य वर्धन परिरक्षण अवसंरचना स्थापित कराया जाये ' उधर,सांसद श्री सिग्रीवाल के इस पहल का स्वागत क्षेत्र के कई किसानों,सामाजिक कार्यकताओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों सहित कई राजनीतिक कार्यकर्ताओ ने स्वागत करते उनके कार्यो को प्रशंसा की है तथा कहा कि इससे किसानों को समुचित लाभ मिलेगा।

धनहा बांसी में संचालित संजीवनी हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत के बाद हंगामा

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा। धनहा थाना क्षेत्र के तमकुहा बांसी मुख्य सड़क किनारे संचालित संजीवनी हॉस्पिटल में आज फिर एक प्रसूता की मौत के बाद हंगामा हुआ। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और मेडिकल टीम नें छानबीन शुरू कर दिया है। दरअसल मरीज के परिजनों का आरोप है की उन्हें बरगला कर संजीवनी हॉस्पिटल धनहा में भर्ती कराया गया और फर्जी चिकित्सक द्वारा गलत तरिके से शैल्य क्रिया के पूर्व गलत दवा का इस्तेमाल किया गया जब मरीज की हालत बिगड़ने लगीं तो देख रेख भी नहीं किया गया हालांकि इसके एवज में मोटी रकम वसूल की गईं थीं।यहीं वजह है की समुचित इलाज के अभाव में तड़प तड़प कर महिला की जान चली गईं। प्रसव के दौरान महिला की मौत पर बवाल मचा तो अस्पताल छोड़कर संचालक और चिकित्सक समेत सभी कर्मी फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक बगैर किसी रजिस्ट्रेशन के नीम हकीम लम्बे समय से यहाँ प्रशासन को चकमा देकर नीजी क्लिनिक चला रहे हैं जो विगत महीने ऐसी हीं घटना के बाद सील किया गया था । इधर मृतका के परिजनों को क्लिनिक संचालक मुआवजा देनें की बात कर मान मनव्वल में जुटे हैं क्योंकि पुलिस में अब तक किसी नें लिखित शिकायत नहीं की है ।बताया जा रहा है की धनहा थाना क्षेत्र के सेमरहवा गाँव के पप्पू यादव की पत्नी पूजा यादव की मौत हुई है जिसको लेकर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया तभी हॉस्पिटल छोड़कर सभी कर्मी भाग निकले। लेकिन मृतका की बहन ने 112 नंबर पर पुलिस को फोन कर घटना की सूचना दी लिहाजा मौके पर पहुंची 112 पुलिस के पीटीसी जय विक्रम ने दल बल के साथ मोर्चा संभाला और धनहा थाना पुलिस को सूचित किया।

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों नें हो हल्ला और तोड़ फोड़ शुरू किया तो आक्रोशित लोगो को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए मामले को शांत कराया गया, मृत महिला का शव अभी हॉस्पिटल में ही पड़ा हुआ है।

इधर पुलिस के साथ मधुबनी दहवा के पीएचसी प्रभारी डॉ आनंद कुमार मौके पर पहुँचे और घटना की पुष्टि करते हुए मामले की जाँच और आगे की कार्रवाई में जुटे हैं।

बतादें की लम्बे समय ऐसे संजीवनी हॉस्पिटल का संचालन धनहा समेत रामनगर और बगहा के अलग अलग इलाकों में किया जा रहा है जहाँ सरकारी व डिग्री धारी चिकित्स्कों के नेम प्लेट व बोर्ड लगाकर नीम हकीम मरीजों की जान माल से खिलवाड़ कर रहे हैं जिसपर रोक लगाने में प्रशासन खासकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह नाकाम है लिहाजा सवाल उठने लाजिमी हैं की क्या एक बंधी बढ़ाई मोटी रकम एमओ आईं सी से लेकर जिलें के सीएमओ ऑफिस तक बाबुओ को पहुंचाई जाती है तभी तो ऐसे अस्पताल सील होते हैं और फिर ताले खुल जाते हैं और झोलाछाप की मनमानी से उनकी चांदी कट रही है जिसका जवाब मिलना अभी बाकी है।

बंगाल टाईगर की दहाड़ से थरार्या ई टाईप कॉलोनी मवेशियों में मची भगदड़

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा। वीटीआर के बीचों बीच बसा जलसंसाधन विभाग का ई टाइप कॉलोनी जो जटाशंकर चेकनाका से सटा हुआ है। रात के करीब एक बज रहे होंगें,लोग गहरी नींद के आगोश में थे।तभी ई टाइप कॉलोनी के कॉर्नर से चेकनाका जाने वाले शॉर्टकट रास्ते के समीप बंगाल टाईगर के तेज दहाड़ से जंगल समेत ई टाइप कॉलोनी थर्रा गया। इस दहाड़ से आवारा व पालतू मवेशियों में भगदड़ मच गई। चारो तरफ थोड़ी देर के लिए सन्नाटा छा गया,सिर्फ भगदड़ की आवाज सन्नाटे की चीरती रही।वहीं मौके पर खड़े सांड ने टाईगर की चुनौती को स्वीकार करते हुए ताल ठोकने शुरू किए और बार बार सांड ने भी दहाड़ लगानी शुरू की इस दहाड़ से कई लोगों की नींद टूट गई।हालांकि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।बतादें की ई टाइप कॉलोनी परिक्षेत्र मवेशियों के लिए एक बढ़िया चारागाह है,जहां खेत खलिहान नहीं है बल्कि सिर्फ जंगल ही जंगल है।जहां दूर दराज के पशुपालक अपनी अक्षम मवेशियों को ट्रेक्टर ट्रॉली में लादकर इस क्षेत्र में छोड़ जाते है। ऐसे में टाइगर का भोजन प्रचुरता में उपलब्ध हो जाता है। बतादें की आए दिन टाइगर का ये आवारा खुले में छोड़े गए जानवर शिकार होते रहते है। बतातें चलें कि पूरा वाल्मीकिनगर क्षेत्र परिसर और वीटीआर जंगल के बीच किसी भी तरह का घेरा या बाड़ नहीं है,जिसकारण जंगली जीव जंतु रिहायशी इलाकों में बेरोकटोक चहलकदमी करते देखे जा सकते हैं। रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि वीटीआर जंगल से सटे ग्रामीण देर रात्रि को शौच आदि के लिए जंगल की तरफ नहीं जाए,अगर कोई विषम स्थिति बने या दिखे तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें।

रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट ने दो नई शाखाओं के साथ अपनी पहुँच का विस्तार किया

प्रात :किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)।गरीबों को भोजन कराने और विभिन्न सामाजिक कार्यों को करने के लिए समर्पित एक प्रसिद्ध धर्मार्थ संगठन रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट, पंजीकरण संख्या 5071/2023, ने हाल के हफ्तों में दो नई शाखाओं के उद्घाटन के साथ अपनी पहुँच का विस्तार किया है। रोटी बैंक मझौलिया के सफल शुभारंभ के बाद, ट्रस्ट ने अब नरकटियागंज में अपनी नवीनतम शाखा, रोटी बैंक नरकटियागंज का उद्घाटन किया है। यह नई शाखा कम भाग्यशाली एवं वंचितों की सेवा करने के ट्रस्ट के मिशन में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन दो नई शाखाओं के जुड़ने से, रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट ने क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत की है, जिससे यह जरूरतमंद लोगों तक पहुँचने में सक्षम हो गया है। गरीबों को भोजन, प्यार और सहायता प्रदान करने के लिए ट्रस्ट के समर्पण ने कई लोगों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है। रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट के संस्थापक संजू गिरी जी ने कहा, ह्लहम पर जो भरोसा जताया गया है, उससे हम अभिभूत हैं और अपने काम को और भी अधिक जुनून और समर्पण के साथ जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।ह्व वहीं विनीत कुमार ने कहा कि ट्रस्ट का विस्तार सामाजिक कल्याण के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता और अधिक दयालु समाज बनाने के इसके दृष्टिकोण का प्रमाण है।

परिवार नियोजन पखवाड़ा के तहत जागरूकता शिविर आयोजन, लोगों को दी गई जानकारी

प्रात :किरण संवाददाता

छपरा ' स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे हैं परिवार नियोजन पखवाड़ा के तहत परसा प्रखंड के माड़र पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया ' बता दें कि 11 जुलाई से 31 जुलाई तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार नियोजन पखवाड़ा चलाए जा रहा है ' जिसमें बीसीएम और आशा फैसिलिटेटर के सहयोग से पंचायत के एडब्लूसी 136 और 152 माड़र गांव में परिवार नियोजन को लेकर जागरूकता हेतु ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया।इस चौपाल में लोगों को परिवार नियोजन के कार्यक्रम से होने वाले फायदे के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इस बार की थीम सही समय पर गर्भधारण और बच्चों में अंतराल पर जोर दिया गया ' परिवार नियोजन पखवाड़े में बताया गया है कि परिवार नियोजन के लिए अस्थाई साधन बहुत जरूरी है ' तथा साधन का सही समय पर उपयोग करने पर बच्चों में अंतराल तथा अनचाहा गर्भ धारण से बचा जा सकता है। चौपाल में स्थाई और अस्थाई गर्व निरोधक साधन की प्रदर्शनी भी लगाई गई, साथ ही यह भी बताया गया कि आप अपनी इच्छा से चयन कर सकते हे। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए चौपाल में उपस्थित पिरामल फाऊंडेशन के कुमार पीयूष और पीएसआई इंडिया के राजीव कुमार ने बताया कि परिवार नियोजन के लिए सिर्फ स्थायी तरीका बंध्याकरण ऑपरेशन नहीं है, बल्कि अस्थायी तरीके जैसे अंतरा, छाया, माला एन पिल्स एवं निरोध भी बहुत अहम संसाधन है। परिवार नियोजन स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने का तरीका है। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकताओं में रीता कुमारी ,रुचि कुमारी बीसीएम सपना कुमारी, आशा सलोनी कुमारी ,रानी कुमारी, पिरामल स्वस्थ्य से कुमार पीयूष ओर पीएसआई इंडिया के राजीव कुमार आदि सहित स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

समान काम समान वेतन के लिए संविदा कर्मियों ने तीसरे दिन धरना प्रदर्शन करते हुए हड़ताल जारी रहा

प्रात :किरण संवाददाता

एकमा। बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आह्वान पर एकमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर संविदा एन एम कर्मियों की धरना प्रदर्शन संघ के प्रमंडलीय मुख्य संरक्षण बैद्यनाथ प्रसाद की अध्यक्षता में संपन्न हुई । जिनमें अपने विभिन्न मांगो का मांग करते हुए कहा कि पुरानी सेवा का लाभ आयुष्मान भारत की गारंटी नियमित वेतन कि भुगतान आदि मांगें शामिल है । साथ ही प्रखंड स्तर पर एक संगठन टीम गठित किया गया जिसमें प्रखंड संयोजक मंजू कुमारी सिन्हा को बनाया गया वहीं अध्यक्ष अंशु कुमारी तथा कोषाध्यक्ष रानी रंजनी को बनाया गया । साथ ही सदस्य रेणु कुमारी सीमा कुमारी रश्मि कुमारी शालिनी कुमारी किरण कुमारी को बनाया गया । इस मौके पर सीमा कुमारी रीता कुमारी इन्दु कुमारी मंजू कुमारी प्रियंका कुमारी किरण कुमारी कल्याणी कुमारी माया कुमारी स्वर्ण लता कुमारी आदि शामिल है । इस धरना प्रदर्शन के माध्यम से सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय सहित सरकार विरोधी नारेबाजी जमकर लगाई ।

जन सुरक्षा मंच के तत्वाधान में बीडीओ एवं सीओ को सम्मानित किया गया

प्रात :किरण संवाददाता

बनियापुर। प्रखण्ड कार्यालय में नव पद्स्थापित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रमेंद्र कुमार एवम् अंचल पदाधिकारी श्री दीनानाथ कुमार को जन सुरक्षा मंच के सभी सम्मानित सदस्यों के द्वारा फूल माला एवम् अंगवस्त्र आदि भेंट कर स्वागत किया। मौके पर इस संगठन के अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार ने उपरोक्त दोनों पदाधिकारियों से करते निवेदन करते हुए कहा उम्मीद भी जताया कि प्रखण्ड के सभी सम्मानित जनता को सवार्गीन विकास होगा साथ ही प्रखंड कार्यालय से मिलने वाले सभी योजनाओं का लाभ आखरी व्यक्ति तक पहुंचे। वहीं दोनों अधिकारियों ने संगठन के सभी सदस्यों को आश्वासत किया हम हर सम्भव प्रयास करेंगे। इस अवसर पर मुकेश कुमार, पूर्व मुखिया सुरेश साह, पूर्व मुखिया नागेंद्र प्रसाद, धर्मेन्द्र बैठा, जेडीयू प्रखंड अध्यक्ष शिव नारायण पटेल, जितेंद्र महतो, शिवकुमार राम, प्रदीप कुमार महतो, पुर्व मुखिया अकबर अली, अरूण महतो,फगुनी राम, चंदन राम, सुनील महतो, सामाजिक कार्यकर्ता उपेंद्र कुमार यादव समेत दर्जनों सदस्य मौजुद थे।

गंडक नदी के तेज धार में छोटी नाव टूटी एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर चार मजदूरों की बचाई जान

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा। गंडक नारायणी नदी में बगहा के चार मजदूरों की जान तब आफत पर बन आई जब लकड़ी छानने के क्रम में उत्तरप्रदेश के खड्डा थाना अंतर्गत पनियहवा क्षेत्र में उनकी छोटी नाव नदी की तेज धारा में टूट गई। चारों मजदूरों ने किसी तरह तैर कर पूल के स्लैब पर शरण लिया जिसके बाद हनुमानगंज थाना की पुलिस और खड्डा एसडीएम के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंच उन मजदूरों का रेस्क्यू किया। बतादें की इन चारों मजदूरों की पहचान बगहा के कैलाशनगर स्थित वार्ड 8 के शैलेश,भुआली , राजकुमार और लोहा सहनी के रूप में हुई है। खड्डा के एसडीएम ऋषभ पुंडीर ने बताया की नाव पर लकड़ी लादकर लौटते समय उनकी नाव टूट गई और ये सभी पानी में डूबने लगे। जब सूचना मिली तो मैं खुद एसडीआरएफ टीम के साथ मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कराया। सभी को सुरक्षित उनके घर वापस भेज दिया गया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी ने ईवीएम/वीवी पैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

प्रात :किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)। बेतिया प्रखण्ड परिसर स्थित ई.वी.एम./वी.वी.पैट वेयर हाउस मासिक निरीक्षण आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय द्वारा किया गया। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि वेयर हाउस में लाईट नहीं है। इसपर उप निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि कार्यपालक अभियंता विद्युत विभाग को इसकी सूचना दी गयी है, लेकिन अभी तक इस ठीक नहीं किया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी द्वारा विद्युत व्यवस्था शीघ्र ठीक कराने का निदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा साफ-सफाई नगर निगम द्वारा कराने हेतु उप निर्वाचन पदाधिकारी को निदेशित किया गया। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी लालबहादुर राय, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार सहित अन्य माननीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

एनसीडी प्रोग्राम के तहत किया गया सेमिनार का आयोजन

आरा। रिसोर्ट में, एनसीडी प्रोग्राम के तहत एक सेमिनार का आयोजन किया गया ,जिसका उद्घाटन और अध्यक्षता सीएसएमओ भोजपुर, डॉ के एन सिन्हा ने किया। प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से दो जीएनएम को यहां प्रशिक्षण दिया गया। एनसीडी प्रोग्राम के तहत ब्लड प्रेशर, डायबिटीज ,कैंसर, दांत आंख नाक कान आदि बीमारियों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। अध्यक्ष भाषण में डॉक्टर के एन सिन्हा ने कहा कि नन कम्युनिकेबल डिसीज बहुत ही तेजी से बढ़ता जा रहा है। आजकल खान-पान ,रहन-सहन और तनाव के चलते ब्लड प्रेशर, चीनी, कैंसर का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। इसलिए शहर तो शहर, गांव में भी इसका स्क्रीनिंग जीएनएम एएनएम और आशा वर्कर के सहयोग से बहुत ही जरूरी है। उसको प्रॉपर रिपोर्टिंग करना है। इस कार्यक्रम में हमारे जिले का स्थिति संतोषजनक नहीं है। अत सभी मिलकर सहयोग करें। एनसीडीओ जिलाअफसर डॉ प्रवीण कुमार सिन्हा ने कहा कि पहले से हमारे जिले का स्थिति काफी अच्छा हुआ है।

टीम इंडिया को शुभकामना देने के लिए चलाया गया सिग्नेचर कैंपेन

आरा। सामाजिक संस्था प्रयास एक कोशिश बदलाव की के द्वारा स्थानीय वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में 2024 पेरिस ओलंपिक होने जा रहा है उसके लिए टीम इंडिया को शुभकामना देने के लिए सिग्नेचर कैंपेन चलाया गया। जिसमें विभिन्न खेल संगठन के लोग ,खेल के खिलाडी और भोजपुर के जनता ने टीम इंडिया को शुभकामना दिया। इस अवसर पर लगे सेल्फी स्टैंड पर सेल्फी लेकर शुभकामनाएं दिया इस अवसर पर संस्था के सचिव कुमार मंगलम ने बोला की पूरे भोजपुरी जनता के तरफ से शुभकामना देते हैं कि इस ओलंपिक में भारतीय टीम हर बार से बेहतरीन प्रदर्शन करें और भारत के लिए मेडल जीतकर हमें गौरवान्वित करें पूरे भोजपुरी जनता और खेल प्रेमी की शुभकामनाएं भारतीय टीम के साथ है।

दया का भाव है समाज का ऋण चुकानाः डॉ तेजस्वी नंदन

गया ।दया का भाव है इ्र समाज का ऋण चुकाना. इसी बात को ध्यान में रखते हुए इनरव्हील क्लब ऑफ गया सनराइज की महिलाओं के तत्वावधान में बुधवार को बोधगया के मौनिया गाँव के तिस परिवारों में अनाज का वितरण किया गया है ।इस कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष डॉ. तेजस्वी नंदन ने कहा कई समाज के हर नागरिक का यह कर्तव्य बनता है कि वो गरीबों की सेवा का हर संभव प्रयास करें।इस क्लब की सचिव मधु प्रिया ने बताया अन्न दान महा दान है और इन गरीब परिवारों को अन्न दान करने पर उनके चेहरे पर खुशी के भाव देखने को मिले। गौरतलब है कि क्लब के सदस्यों ने मिलकर १०० किलो चावल और ६० किलो दाल एकत्रित किए थे।। क्लब की ओर से सोनम, मधु, स्वाति, रीना उपस्थित थीं।

विकास को नई ऊंचाई देने वाला बजट है : राजू

गया ।जदयू महानगर जिलाध्यक्ष राजू बरनवाल ने एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले आम बजट का स्वागत करते हुए कहा कि यह बिहार और विशेष कर गया क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाई देने वाला बजट है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के पूर्णकालिक बजट 2024-25 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बिहार में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न घोषणाएं की है।इसके तहत गया शहर के विष्णुपद मंदिर और बोधगया के महाबोधि मंदिर को बनारस के विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर कॉरिडोर बनाने की घोषणा से स्थानीय लोगों के साथ-साथ गया जिला ही नहीँ अपितु बिहार में खुशी की लहर देखी जा रही है।उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरीडोर की तरह बोधगया बोधि मंदिर और विष्णुपद पद मंदिर के विकास की घोषणा से पूरे गया क्षेत्र में उत्साह है।

हर तरह से विकासशील बनाने पर जिला भाजपा ने वित्त मंत्री को आभार व्यक्त किया

गया ।किंद्रीय बजट 2024 में बिहार पर विशेष ध्यान देते हुए देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन जी के द्वारा गया जिला को तीन नए योजनाओं का घोषणा लोकसभा में वित बजट के भाषण में काशी विश्वनाथ मंदिर कोरिडोर के तहत विष्णुपद मंदिर कोरिडोर एवं महाबोधी कोरिडोर निर्माण का घोषणा साथ ही साथ अमृतसर कोलकाता औधोगिक गलियारा गया जिला के डोभी प्रखंड से होकर गुजरेगी, किउल गया रेलवे लाइन का दोहरीकरण सहित डोभी दरभंगा एक्सप्रेसवे केंद्रीय बजट में गया जिला को शामिल करने पर प्रदेश भाजपा नेतृत्व के द्वारा अपने देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी एवं निर्मला सीतारमन सहित गया के सांसद सह भारत सरकार के मंत्री जीतन राम मांझी को आभार प्रकट करने के लिए जिला अध्यक्ष प्रेमप्रकाश चिंटू सिंह के प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आभार प्रकट करने के लिए जारी किया गया है।

उप-विकास आयुक्त, भोजपुर की अध्यक्षता में सम्भावित बाढ़ 2024 की किया गया समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। उप-विकास आयुक्त, भोजपुर की अध्यक्षता में सम्भावित बाढ़ 2024 की समीक्षा बैठक की गई। उक्त बैठक में नगर आयुक्त, भोजपुर आरा सिविल सर्जन, भोजपुर/अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर आरा , जगदीशपुर जिला कृषि पदाधिकारी, भोजपुर,जिला शिक्षा पदाधिकारी, भोजपुर,जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम, भोजपुर,जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, आई०सी०डी०एस०, भोजपुर,जिला पशुपालन पदाधिकारी, भोजपुर,कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमण्डल, आरा,कार्यपालक अभियंता, आरा/पथ प्रमण्डल , प्रखण्ड विकास पदा०. बड़हरा , उदवंतनगर , अंचल अधिकारी, सदर आरा, कोईलवर ,उदवंतनगर , बिहियां एवं शाहपुर , प्रभारी चिकित्सक, सदर आरा ,बड़हरा कोईलवर ,उदवंतनगर,बिहियां एवं शाहपुर,उज्ज्वल, सदर आरा , बड़हरा , कोईलवर ,उदवंतनगर,बिहियां एवं शाहपुर उपस्थित हुए।

सर्वप्रथम उप विकास आयुक्त, भोजपुर के द्वारा जानकारी दी गई कि भोजपुर जिला में गंगा एवं सोन नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो जाने के कारण बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस जिले के दो अंचल यथा शाहपुर एवं बड़हरा पूर्णरूपेण तथा बिहियाँ, सदर आरा, उदवन्तनगर एवं कोईलवर आंशिक रूप से प्रभावित होते है ।अद्योहस्ताक्षरी द्वारा बाढ़ प्रभावित अंचलों में की गई तैयारियों की समीक्षा हेतु संबंधित अनुमण्डल पदाधिकारी को एक सप्ताह के अन्दर बैठक करने का निदेश दिया गया है। समीक्षोपरांत संबंधित पदाधिकारियों को निम्नांकित निदेश दिये गये की वर्षा मापक यंत्र पूर्व में प्रतिवेदित अंचल बड़हरा अन्तर्गत खराब वर्षा मापक यंत्र को सही कर लिया गया है। वर्तमान में सभी 14 प्रखण्डों में वर्षा मापक यंत्र कार्यरत है। सम्भावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्र एवं संकटग्रस्त व्यक्ति समूहों की पहचान जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, भोजपुर को निराश्रितों, दिव्यांगों, बिमार व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं एवं धातु माताओं की सूची विशेष रूप से तैयार कर 3 दिनों के अन्दर उपलब्ध कराने निदेश दिया गया है। तटबंधों की सुरक्षाः कार्यपालक अभियंता, बाढ़ नियंत्रण प्रमण्डल, आरा द्वारा जानकारी दी गई कि जिला अन्तर्गत सभी 09 तटबंधों का संयुक्त निरीक्षण कर लिया गया है। असुरक्षित स्थानों पर खाली बोरे, लोहे के जाल एवं बालू की व्यवस्था कर ली गई है। वर्तमान में तटबंध के निगरानी हेतु 11 कर्मियों / मजदुरों की प्रतिनियुक्ति जोकहरी से महुली तक की गई है। उप विकास आयुक्त, भोजपुर द्वारा सभी संवेदनशील स्थानों बालू तथा एउ बैग की समुचित व्यवस्था करने का निदेश दिया गया 12 नाव की उपलब्धता बाढ़ प्रवण क्षेत्र के अंचल अधिकारी को निदेश दिया गया है कि निजी नाव से एकरारनामा तथा निबंधन अचूक रूप से करवा कर आपदा प्रबंधन प्रशाखा, भोजपुर आरा को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। पशु चारा एवं पशु दवा की उपलब्धता की स्थिति जिला पशुपालन पदाधिकारी, भोजपुर द्वारा पशु चारा का दर निर्धारण दिनांक 30.03.2024 को निविदा द्वारा आपूर्तिकर्ता का चयन कर लिया गया है। उप विकास आयुक्त, भोजपुर द्वारा पूर्व के बाढ़ वर्ष 2016, 2019 एवं 2021 के आधार पर वर्तमान में पशुचारा की व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे तथा पशुचारा की उपलब्धता हेतु चयनित आपूर्तिकर्ता से भण्डारण के संबंध में स्पष्ट प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उप विकास आयुक्त भोजपुर द्वारा जिला तथा सभी प्रखण्ड स्तर पर पशु चिकित्सालयों में पशु चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति तथा पशु दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निदेश दिया गया है। **शुद्ध पेयजल की व्यवस्थाः** बाढ़ प्रभावित अंचलों में चयनित शरण स्थलों पर खराब हुए चापाकलों की मरम्मति तत्काल करवाई जाय। इसके लिए कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण को निदेश दिया गया कि वे बाढ़ शरण स्थल की सूची संबंधित बाढ़ क्षेत्र के अंचल अधिकारी से प्राप्त करेंगें।

पेयजल की शुद्धता को सुनिश्चित करने हेतु पर्याप्त संख्या में क्लोरीन टेबलेट की व्यवस्था कर ली जाय। जेनरेटर सेट ,महाजाल की व्यवस्था जेनरेटर सेट, टेन्ट, खाली सिमेन्ट की बोरियों इत्यादि की उपलब्धता का विशेष रूप से मानचित्रण किया जाय। उक्त संदर्भ में अंचल अधिकारी को स्थानिय बाजार से आपूर्तिकर्ता का चयन करने का निदेश दिया गया है। सड़कों की मरम्मती कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमण्डल, आरा एवं कार्यपालक अभियंता, फ्हऊ आरा एव जगदीशपुर को बाढ़ के पूर्व जिले की मुख्य सड़को, विशेष कर जिला मुख्यालय से प्रखण्ड/अंचलों को जोड़ने वाली सड़को की मरम्मती करा ली जाय। पुल-पुलिया की भी मरम्मती कर के उन्हें यातायात के लिए सुगम बना ली जाय। जिला अन्तर्गत पुल-पुलिया के नीचे शिल्ट्स की सफाई ससमय करने का निदेश दिया गया है। नाव/लाईफजैकेट / मोटरबोट के परिनियोजन की अकास्मिक व्यवस्थाः बाढ़ के समय जिले के किसी भी स्थान पर किसी भी समय लोगों के बचाने की आवश्यकता पड़ सकती है। अतः नाव, लाईफ जैकेट, मोटरबोट, आदि परिनियोजन हेतु एक अकास्मिक योजना तैयार कर ली जाय शरण स्थलों की पहचान भोजपुर जिला अंतर्गत चिन्हित शरण स्थल में मूलभूत सुविधा यथा शौचालय, चापाकल इत्यादि का भौतिक सत्यापन कराने का निदेश सभी संबंधित अंचल अधिकारी को दिया गया। मोबाईल मेडिकल टीम एवं मेडिकल कैम्प तथा मानव दवा की व्यवस्था सिविल सर्जन को निदेश दिया गया कि बाढ़ के समय अधिक मात्रा में उपयोग आवश्यक दवाएँ यथा, सर्पदंश की दवाएँ, क्लोरिन टैबलेट, ओ०आर०एस० घोल के पैकेट, हैलोजन टैबलेट, एन्टीरैबीज की सूईयाँ, एन्टीबायोटिक दवाएँ, ब्लीचिंग पाउडर आदि का भंण्डारण जिला एवं प्रखण्ड स्तर तक करना सुनिश्चित करेंगें। सभी शरण स्थल पर पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों ,पारामेडिकल स्टाफ की प्रतिनियुक्ति तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निष्क्रमित आबादी के निमित मोबाईल मेडिकल टीम की व्यवस्था, जिसमें पर्याप्त संख्या में चिकित्सक , पारामेडिकल स्टाफ की प्रतिनियुक्ति से संबंधित प्रतिवेदन एक सप्ताह के अन्दर आपदा प्रबंधन प्रशाखा को उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया है। गोताखोर उप विकास आयुक्त, भोजपुर द्वारा सभी बाढ़ क्षेत्र के अंचल अधिकारियों को निदेश दिया गया है कि ये अद्यतन प्रशिक्षित गोताखोरो का नाम एवं मोबाईल नम्बर संधारित करते हुए।आपदा प्रबंधन प्रशाखा, भोजपुर को उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया।

रोहतास के बिक्रमगंज में हुए दोहरी हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

प्रातः किरण संवाददाता

रोहतास (बिहार)। रोहतास पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है तथा उसने 18 जुलाई को बिक्रमगंज थानाक्षेत्र के धारूपुर में हुए दोहरी हत्या का खुलासा कर दिया है। साथ ही हत्याकांड में संलिप्त दो अपराधियों को भी हथियार के साथ गिरफ्तार भी कर लिया है। हत्या के पीछे कहीं न कहीं आपसी रंजिश तथा गैंगवार से जुड़ा मामला बताया जा रहा है। पुलिस ने दोहरी हत्याकांड मामले में मुख्य अभियुक्त विकास पंडित सहित तीन अपराधियों को पकड़ा है। विकास पंडित बिक्रमगंज के धारूपुर का रहने वाला है। इसके अलावा चंदन कुमार तथा विकास कुमार भी गिरफ्तार हुआ है। पकडे गये तीनों अपराधी धारूपुर के ही निवासी है। बताया जाता है कि बक्सर जिला के सिमरी थाना के खड़हना का रहने वाला हिमांशु कुमार तथा बक्सर के ही मुरार का रहने वाला विनय कुमार यादव की 18 जुलाई को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि दो साल पहले मृतक हिमांशु कुमार पर रॉकी नामक अपराधी ने एक लड़की के मामले में फायरिंग किया था। इस मामले में जेल में बंद रॉकी ने विकास पंडित के माध्यम से हिमांशु की हत्या करवा दी है। पकड़ा गया अपराधी विकास पंडित पहले से ही बिक्रमगंज थानाक्षेत्र में पांच अलग-अलग मामलों में आरोपी है तथा जेल भी जा चुका है। वही पकड़ा गया चंदन कुमार एवं विकास कुमार का भी अपराधीक इतिहास है। बिक्रमगंज के एसडीपीओ कुमार संजय ने बताया कि इन लोगों के पास से एक पिस्टल, चार जिंदा कारतूस, मोबाइल तथा बाइक भी बरामद हुआ है। जिसका अपराध में प्रयोग किया गया है।

रोहतास के उर्दू प्राथमिक विद्यालय के मिड डे मील में मिला मरा चूहा

प्रातः किरण संवाददाता

रोहतास (बिहार)। खबर सासाराम से है। जहां करगहर के सहुआर स्थित उर्दू प्राथमिक विद्यालय में मिड डे मील में चूहा निकालने के बाद हर हरकंप मच गया। चुकि चूहा वाला खाना खाने से कोई बीमार नहीं हुआ है। लेकिन सब्जी में चूहा देखकर बच्चे काफी डर गए। इसके बाद अभिभावक विद्यालय पहुंचकर शोर शराबा करने लगे तथा विद्यालय में मिड डे मील का बहिष्कार करने की बात कहने लगे। बता दे की एनजीओ के माध्यम से विद्यालय में मिड डे मील की आपूर्ति होती है। लेकिन मिड डे मील में सब्जी में चूहा निकलने के बाद कई बच्चे घर जाकर उल्टी तक कर दिए। सूचना पर शिक्षा विभाग के अधिकारी भी विद्यालय पहुंचे तथा जांच शुरू कर दिए हैं। विद्यालय शिक्षा समिति के लोग भी विद्यालय पहुंचे हुए हैं। वहीं बच्चों के अभिभावक मिड डे मील खाने से अपने बच्चों को रोक रहे हैं। ग्रामीण रोहित पांडे ने बताया कि बच्चों ने अचानक शोर मचाना शुरू कर दिया कि उसके भोजन में बड़ी सी चूहा मरी हुई है। जिसके बाद बच्चों ने खाना खाने से इनकार कर दिया। सूचना पर पहुंचे शिक्षा विभाग के डीपीएम अविनाश कुमार ने बताया कि वह मामले की खुद जांच कर रहे हैं तथा दोषी पर कार्रवाई की जाएगी।

भारती पब्लिक स्कूल की पूर्व छात्रा दीक्षा शुक्ला राष्ट्रीय कबड्डी टीम में चयनित

रक्सौल। भारती पब्लिक स्कूल परिवार के लिए यह गर्व का क्षण है, क्योंकि उनकी पूर्व छात्रा दीक्षा शुक्ला का चयन राष्ट्रीय कबड्डी टीम में हुआ है। यह उपलब्धि दीक्षा के खेल के दुनिया में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और उनके के लिए एक बड़ी खुशी की बात है। दीक्षा की कबड्डी में यात्रा भर्ती पब्लिक स्कूल से शुरू हुई, जहाँ उनकी प्रतिभा और समर्पण ने उन्हें जल्दी ही अलग पहचान दिलाई। खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, कठोर प्रशिक्षण और दृढ़ संकल्प ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मार्ग प्रशस्त किया। प्रिंसिपल श्री अमोद कुमार श्रीवास्तव ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हम दीक्षा की इस उपलब्धि पर अत्यंत गर्व महसूस कर रहे हैं। राष्ट्रीय कबड्डी टीम में उनका चयन उनके कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। हमारे सभी छात्रों के लिए प्रेरणा हैं, यह दिखाते हुए कि जुनून और समर्पण के साथ, कोई भी बड़ी ऊंचाइयां छू सकता है।" भारती पब्लिक स्कूल के निदेशक श्री प्रो. मनीष दुबे ने भी अपनी प्रतिक्रिया में कहा, दीक्षा की सफलता हमारे छात्रों के लिए एक चमकदार उदाहरण है कि सही समर्थन और दृढ़ संकल्प के साथ वे क्या हासिल कर सकते हैं। भारती पब्लिक स्कूल से राष्ट्रीय टीम तक की उनकी यात्रा हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है। हम उनके निरंतर सफलता और गौरव की कामना करते हैं। विद्यालय के शिक्षकों ने भी अपनी खुशी साझा की और कहा कि दीक्षा ने हमेशा अपनी पढ़ाई और खेल के प्रति असाधारण समर्पण और सकारात्मक दृष्टिकोण दिखाया है।

लायंस क्लब की मासिक बैठक के साथ लायंस क्लब उड़ीसा प्रतिनिधिमंडल का रक्सौल में भव्य स्वागत

रक्सौल। लायंस क्लब ऑफ रक्सौल की मासिक बैठक कावेरी होटल में हुई। जिसमें ये निर्णय हुआ कि डिस्ट्रिक्ट 322उ2, उड़ीसा का जो प्रतिनिधिमंडल रक्सौल के रास्ते नेपाल जाना है, उसका भव्य स्वागत हो।अनुमंडल सरकारी अस्पताल के प्रांगण में वृझारोपण करने का निर्णय हुआ।लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 322 सी 2, उड़ीसा के प्रतिनिधिमंडल लायन प्रदीप अग्रवाल के नेतृत्व में जिसको रक्सौल होकर नेपाल जाना था, उनका भव्य स्वागत पंकज सिनेमा के बैंकवेट हॉल में किया गया। अल्पाहार के पश्चात लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के सदस्यों के द्वारा आए हुए कैबिनेट पदाधिकारीगण, जिलापाल, साथ ही प्रथम महिला को लायन पिन लगा कर सम्मान किया गया। जिलापाल के द्वारा भी लायंस क्लब अध्यक्ष लायन साइमन रेक्स, सचिव लायन बिमल सर्राफ, पुर्व अध्यक्ष लायन शम्भु प्रसाद चौरसिया, महिला लायन सीमा वर्णवाल, लायन रेणु रुँगटा को डिस्ट्रिक्ट लायन पिन लगा कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन संयुक्त रूप से लायन सीमा वर्णवाल एवं लायन बिमल सर्राफ ने किया।

रोटरी क्लब ऑफ गया युवा ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल पर जागरूकता वार्ता आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

गया। रोटरी क्लब ऑफ गया युवा ने प्रभावती हॉस्पिटल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल पहल के तहत एक महत्वपूर्ण जागरूकता वार्ता का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। गाइनोकॉलजिस्ट डॉ. तेजस्वी नंदन ने गर्भावस्था के दौरान क्या करें और क्या न करें के बारे में विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया है। उन्होंने महिलाओं को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने की सलाह दी है। पीडियाट्रिशन डॉ. स्वर्णलता ने प्रसव के बाद शिशु की देखभाल के महत्वपूर्ण टिप्स साझा किए। उन्होंने टीकाकरण, स्तनपान और नवजात शिशुओं की स्वच्छता के महत्व पर जोर दिया है, जिससे माताएं अपने शिशुओं की बेहतर देखभाल कर सकें।इसके अतिरिक्त, डेंटिस्ट डॉ. मानसी राजपूत ने मौखिक स्वच्छता पर एक विशेष सत्र आयोजित किया, जिसमें उन्होंने गर्भवती महिलाओं को दांतों की सफाई और मौखिक स्वास्थ्य बनाए रखने के व्यावहारिक सुझाव दिए हैं।इस कार्यक्रम के अंत में, रोटरी क्लब ऑफ गया युवा ने गर्भवती महिलाओं और प्रसव के बाद भर्ती महिलाओं को फल, जूस और बिस्कुट के पैकेट वितरित किए, जो महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति क्लब की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष अर्चना गोयंका, सचिव भावना अग्रवाल, अनुराग पोद्दार, दिव्या गोयंका, स्मिता पोद्दार, शिल्पी बर्णवाल, नेहा सिंह, ममता महाजन,राहुल महाजन, मुकेश गुप्ता,कमल अग्रवाल और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे समुदाय की भलाई के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना है।रोटरी क्लब ऑफ गया युवा के इस प्रयास से समुदाय में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में वृद्धि होगी और एक स्वस्थ समाज के विकास में योगदान मिलेगा।

श्री चित्रगुप्त पीठ भोजपुर इकाई द्वारा एक किया गया बैठक आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। श्री चित्रगुप्त पीठ के संस्थापक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी सच्चितानंद जी के द्वारा 10, नवंबर 2024 को श्री चित्रगुप्त धाम, बेतिया, पश्चिम चंपारण में प्रथम चित्रगुप्त कथा का कार्यक्रम होना तय हुआ है। पश्चिम चंपारण के बाद बिहार के सभी जिलों में समय समय पर कथा का आयोजन किया जाएगा उक्त कार्यक्रम के भव्य आयोजन एवं भोजपुर जिले के चित्रांशो एवं कायस्थ समाज की ओर से सहयोग के लिए श्री चित्रगुप्त पीठ भोजपुर इकाई द्वारा एक बैठक दिनांक 25 जुलाई 2024 को की गई है। बिहार प्रांत की बैठक से प्राप्त निर्देश के आलोक में बैठक में निर्णय लिया गया कि श्री चित्रगुप्त पीठ भोजपुर इकाई के प्रमुख, उप प्रमुख एवं सभी सदस्यों द्वारा निर्धारित सहयोग राशि प्रांत के खाते में ऑनलाइन जमा करते हुए स्क्रीन शॉट भेजेंगे!

भोजपुर के सभी चित्रांश कायस्थ बंधुओं से अपील किया गया है कि वे 10 नवंबर 2024 को श्री चित्रगुप्त धाम, बेतिया, पश्चिम चंपारण में आयोजित कार्यक्रम में भारी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज करें और प्रथम श्री चित्रगुप्त कथा का आनंद लें! श्री चित्रगुप्त जी महाराज अकेले कायस्थ जाति के ही नहीं बल्कि विश्व के सभी जाति और समाज के देवता हैं ! चित्रगुप्त कथा के श्रवण से सारे कष्टों का निवारण होता है अतएव सभी समाज के लोगों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया! बैठक में ऑनलाइन के माध्यम से रजनीश श्रीवास्तव, प्रांत प्रमुख, एवं रौनक श्रीवास्तव, सह प्रांत प्रमुख,बिहार प्रांत, चित्रगुप्त पीठ, वृंदावन जुड़े रहे! चित्रगुप्त पीठ भोजपुर इकाई के प्रमुख राजीव कुमार, उप प्रमुख शैलेश कुमार राजू, उप प्रमुख अशोक कुमार के अलावे प्रखंडों के पदाधिकारी उपस्थित थे जिनमें मुख्य रूप से चंदन कुमार सिन्हा, अनिल कुमार, विकास कुमार सिन्हा, अमित रंजन कुमार, विनीत कुमार, महेंद्र प्रसाद सिन्हा, वीरेन्द्र कुमार सिन्हा, संतोष कुमार श्रीवास्तव, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अखौरी धीरेंद्र प्रसाद, विशाल कुमार, अजय श्रीवास्तव, शिव पुकार लाल, प्रतीक कुमार सिन्हा, राजीव कुमार श्रीवास्तव, राकेश कुमार, मुकेश कुमार श्रीवास्तव एवं अखिलेश चंद्र उपस्थित थे!

कौशल्या देवी के प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम यारी में प्रसिद्ध कवि एवं लेखक विनय मामूली बुद्धि के पूजनीय दादी कौशल्या देवी के प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।देव प्रखंड के पूर्व उप प्रमुख मनीष पाठक के नेतृत्व में उपस्थित लोगों ने सर्वप्रथम कौशल्या देवी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। तत्पश्चात उनके सम्मान में उपस्थित लोगों ने 2 मिनट का मौन रखा एवं संबोधन के क्रम में कहा कि वे एक कर्मठी एवं धर्म परायण महिला थी।धार्मिक कार्यो में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया करती थी।शिक्षा के प्रति उनकी गहरी अभिरुचि थी।साथ ही साथ सामाजिक कार्यो में संलग्न रहने वालों को मदद किया करती थी। शब्दाक्षर के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री धनंजय जयपुरी, शब्दाक्षर के जिलाध्यक्ष नागेंद्र केसरी,शिक्षक संघ के नेता समाजसेवी अशोक पांडेय, कविवर अनुज बेचैन, शिक्षक उज्जवल रंजन, वरीय अधिवक्ता योगेश मिश्रा, समाजसेवी अशोक पाठक, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी, पत्रकार राज पाठक ने संबोधन के क्रम में कहा कि कौशल्या देवी मिलनसार एवं मृदुभाषी महिला थी। मौके पर अजीत मिश्रा, सतीश मिश्रा, विकास मिश्रा, देव विकास परिषद के महासचिव सौरव रंजन मिश्र, अनुपम मिश्र,विमला देवी,रेणू मिश्र, उमा मिश्रा,रेणू पाठक, वंदना मिश्र, मंजरी मिश्र, सुप्रिया मिश्रा, वत्सल श्री,वेदांत दत्त, मानवी सहित अन्य उपस्थित थे।

रात्रि 11 बजे भटक रहीं युवती को सल्लू खान ने सही सलामत पहुंचावाया घर

औरंगाबाद। राजस्थान प्रदेश के उदयपुर जिले के मालवी गांव के सूरज देव ठाकुर की पुत्री रिचा कुमारी 19 जुलाई को बोधगया घूमने के लिए ट्रेन से गया आई थीं। उन्हें वापस जयपुर जाने के लिए ट्रेन पकड़नी थी, लेकिन किसी कारणवश ट्रेन छूट गई। किसी ने उन्हें बताया कि औरंगाबाद अनुग्रह नारायण रोड से रात में जयपुर जाने वाली ट्रेन पकड़ी जा सकती है। रिचा अकेली थीं और उनके पास एक बैग था। जब वह गया से बस द्वारा औरंगाबाद पहुंचीं, तो वहां स्टेशन खोजने लगीं। करीब 11 बजे रात में जब वह बाईपास ओवर ब्रिज के पास उतरीं, तो चार लोग उन्हें ट्रेन पकड़ने के लिए बहलाने लगे। उसी समय कांग्रेस नेता और समाजसेवी मोहम्मद शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान उसी रास्ते से गुजर रहे थे। उन्होंने रिचा को देखकर रुक गए और पूरी बात पूछी।

रिचा ने उन्हें अपनी सारी समस्या बताई। समाजसेवी सल्लू खान ने रिचा को अस्पताल में दिखाया, जहां उन्हें हल्का बुखार और दर्द था। उन्होंने रिचा को दवाइयां दिलाई और फिर उन्हें अपने घर पर आराम करने की सलाह दी। सल्लू खान ने रिचा को सुबह ट्रेन पर बैठाने का वादा किया। सल्लू खान ने अपने निजी खर्चे से रिचा का टिकट कटवाया और औरंगाबाद से डेहरी जाने के लिए निजी गाड़ी की व्यवस्था की। उन्होंने रिचा को बताया कि उनका कर्तव्य है कि वे उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाएं। रिया कुमारी ने कहा कि सल्लू खान ने उन्हें अपने भाई जैसा प्यार दिया और उनकी हर कठिनाई में साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा कि औरंगाबाद के लोग बहुत अच्छे हैं और वे सल्लू खान भाई को कभी नहीं भूलेंगी। रिया ने कहा कि वह रक्षाबंधन पर सल्लू खान को राखी बांधने आएंगी और उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

इनर वील क्लब गया संराइज ने प्रभावती अस्पताल में आयोजित किया टॉक शो

गया।इनर वील क्लब गया संराइज ने एक महत्वपूर्ण टॉक शो का आयोजन किया है, जिसका मुख्य विषय प्रेगनेंसी हेल्थ, ओरल हेल्थ और नवजात शिशु की देखभाल था। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान और बाद में उनके स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करना और नवजात शिशुओं की उचित देखभाल के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था।इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं में क्लब के अध्यक्ष और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. तेजस्वी नंदन और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वर्णलता और दंत एवं मौखिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. मानसी राजपूत शामिल थीं। डॉ. नंदन ने गर्भावस्था के दौरान सही पोषण, नियमित चेकअप्स और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ गर्भावस्था के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक शांति आवश्यक है। डॉ.स्वर्णलता ने नवजात शिशुओं की देखभाल उनके जीवन की शुरूआत से ही महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता को शिशुओं के लिए उचित स्वच्छता उपायों और उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के उपायों के बारे में जानकारी दी गई है। क्लब की संपादक डॉ. मानसी राजपूत ने मौखिक स्वच्छता के महत्व और गर्भावस्था से जुड़ी मसूढ़ों की सूजन के बारे में जानकारी दी गई है। उन्होंने गर्भावस्था के ९ महीनों में कम से कम दो बार नियमित दंत जांच कराने पर जोर दिया है।परियोजना अन्नपूर्णा के तहत प्रभावती अस्पताल के मरीजों को फल, बिस्कुट और लस्सी वितरित की गई है। क्लब की अध्यक्ष ने कहा, "हमारा उद्देश्य महिलाओं और परिवारों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और सही जानकारी प्रदान करना है। हम ऐसे और भी कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।यह आयोजन समुदाय में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

भारत का पहला ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले मुरलीकांत की कहानी

गया। पेटकर दृढ़ निश्चयी एवं कभी हार ना मानने यानि नेवर से डाई व्यक्तित्व पर एक प्रेरक व्याख्यान देने के लिए ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी गया में उपस्थित हुए हैं।भारत के प्रथम पैरा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता तैराकी, मुरलीकांत पेटकर का जन्म 01 नवम्बर 1947 को महाराष्ट्र के सांगली जिले में हुआ था।

पेटकर का खेलों के प्रति प्रेम उनकी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा के वर्षों में ही झलकने लगा था।जहां वे कुश्ती, हॉकी और एथलेटिक्स जैसे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया करते थे। भारतीय सेना में भर्ती होने पर, उन्होंने जल्द ही स्वयं को एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर लिया और हर खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 1964 में उन्हें टोक्यो, जापान में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सेवा खेल मीट में मुक्केबाजी में भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था।

दिलों में जगह बनाने में सफल रही हम पार्टी : राजेश पाण्डेय

गया ।हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से०) पार्टी के ९वां स्थापना दिवस की अवसर पर जिला प्रधान कार्यालय गया स्थित गोदावरी में पार्टी के जिला अध्यक्ष नारायण प्रसाद मांझी के नेतृत्व में एवं विशिष्ट अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय पप्रधान महासचिव राजेश पांडे की उपस्थिति में स्थापना दिवस केक काटकर एवं वृक्षारोपण कर मनाया गया है। इस अवसर पर पार्टी के सभी के पदाधिकारी एवं सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे ।सभी ने एक दूसरे को केक खिलाकर हर्ष के साथ स्थापना दिवस की एक दूसरे को बधाई दी है ।पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव राजेश पांडे ने कहा पार्टी संस्थापक संरक्षक और भारत सरकार के मंत्री जीतन राम मांझी के नेतृत्व में पार्टी गठन के ९ साल के अंतराल में लगातार आम अवाम गरीब मजदूर किसानों के दिलों में जगह बनाने में सफल रही है। उसी का परिणाम है कि आज हम पार्टी राज्य में भी और केंद्र में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करने में सफल हुई है। पार्टी के जिला अध्यक्ष नारायण प्रसाद मांझी ने कहा कि जीतन राम मांझी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संतोष कुमार मांझी एक विजन के साथ सकारात्मक सोच के साथ नेक नियत के साथ और पार्टी के नीति सिद्धांत और मजबूत विचारधारा को लेकर स्थापना काल से ही लगातार अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रहे हैं। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा हमें गर्व है ऐसे नेता के नेतृत्व में हम काम कर रहे हैं।

युवाओं के सम्मान में कॉंग्रेस पार्टी मैदान में

गया।प्रदेश युवा कॉंग्रेस के द्वारा विधानसभा घेराव कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार के प्रशासन एवं पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज के विरोध में आज बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार, गया जिला कॉंग्रेस कमिटी के नेताओं, कार्यकताओं ने गया समाहरणालय पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर इस अलोकतांत्रिक घटना के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया है।इस प्रदर्शन कार्यक्रम में उपस्थित गया जिला कॉंग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ गगन कुमार मिश्रा, बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रिका प्रसाद यादव, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, युगल किशोर सिंह, विद्या शर्मा रंजीत कुमार सिंह, ओंकार शर्मा प्रदीप शर्मा, राजीव कुमार सिंह उर्फ लबी सिंह, शिवनाथ प्रसाद, दामोदर गोस्वामी, अमित कुमार सिंह उर्फ रिंकू सिंह, मोहम्मद नवाब अली, ब्रजेश राय, मोहम्मद अजहरुद्दीन, शिव कुमार चौरसिया, विपिन बिहारी सिन्हा, मोहम्मद ताजउद्दीन, उदय शंकर पालित, युवा कॉंग्रेस अध्यक्ष विशाल कुमार, मोहम्मद शमीम आलम, उज्ज्वल कुमार, आयुष सेठ आदि ने कहा कि पेपर लीक, अग्निवीर, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महँगाई, बढ़ाती हुई अपराध के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवा कॉंग्रेस के नेताओं कार्यकताओं पर नीतीश सरकार के इशारे पर पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज पूरी तरह गैर जिम्मेदाराना एवं अलोकतांत्रिक है।

लगातार असफल हो रही हिंदी फिल्मों को रोहित ने बताया बुरा दौर

इस साल रिलीज हुईं बॉलीवुड फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। इसे कई लोग बॉलीवुड फिल्मों से दर्शकों का होता मोहभंग के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, मशहूर निर्माता और निर्देशक रोहित शेट्टी ने इसे महज एक दौर बताया है। उन्होंने कहा कि लोगों को सफल फिल्मों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी फिल्म सिंघम अगेन दर्शकों को खुश करने में कामयाब रहेगी।

ये साल अब तक बॉलीवुड फिल्मों के लिए निराशाजनक ही रहा है। इस साल किरण राव की लापता लेडीज, दिनेश विजन की होम प्रोडक्शन मुंज्या, करीना कपूर खान और तब्बू अभिनीत क्रू, अजय देवगन की शैतान और राजकुमार राव की श्रीकांत जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अपनी छाप छोड़ने में कामयाब नहीं हो सकीं। इन सभी छोटी और मध्यम बजट की फिल्मों के अलावा कई बड़े बजट की फिल्में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। बड़े मियां छोटे मियां, मैदान और योद्धा जैसे बड़े बजट की फिल्में भी बहुत अच्छी कमाई नहीं कर पाईं। हालांकि, इससे बड़े बजट और बड़े सितारों वाली फिल्में बनाने वाले निर्देशक रोहित शेट्टी चिंतित नहीं हैं।

रोहित शेट्टी ने कहा कि यह एक ऐसा दौर है, जो हर पांच से छह साल में आता है। इस दौरा में एक या दो साल व्यवसाय के हिसाब से अच्छे नहीं जाते। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा जैसे एक वक्त था, जब एक के बाद एक फिल्में लगातार सफल होती चली गईं, जिनमें पठान, जवान, गदर 2 और ओह माय गॉड 2 शामिल है। उन्होंने कहा, हम उन फिल्मों पर ध्यान देते हैं, जो अच्छा प्रदर्शन नहीं करती हैं, हम उन फिल्मों को नहीं देखते, जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है।

रोहित ने कहा कि गदर 2 ने 100 या 200 करोड़ नहीं, बल्कि 500 से 600 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। उन्होंने कहा कि पठान, जवान और गदर 2 की सफलता के बाद किसी को ये उम्मीद नहीं थी कि वो सीजन एक्शन फिल्मों के नाम होने जा रहा है। उन्होंने कहा, हम बहुत जल्द इस निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं कि केवल एक्शन ही काम करेगा या कॉमेडी काम नहीं करेगी। फिल्मों को अलग-अलग लिया जाना चाहिए, चाहे वह किसी भी शैली की हो। कौन सी फिल्म चलेगी या नहीं चलेगी इसका अनुमान कोई नहीं लगा सकता।

समय और जरुरत के हिसाब से बनाए रिश्तों से दूर रहती हैं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर हिंदी फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्हें कई मौकों पर उनके अभिनय के लिए सराहना भी मिली है। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्मों की वजह से चर्चा में हैं। बीते दिनों वह अपनी आगामी फिल्म उलझ के सह-कलाकार गुलशन देवैया के एक बयान की वजह से चर्चा में थीं। इस दौरान उन्होंने कहा था कि सेट पर दोनों के तालमेल अच्छे से नहीं बैठते थे। हालांकि, इसके बावजूद स्क्रीन पर दोनों की बॉन्डिंग काफी जबर्दस्त नजर आ रही है। हाल में ही अभिनेत्री ने आज कल के समय और जरुरत के हिसाब से बनाए रिश्तों पर बात की है। जान्हवी कपूर फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी की वजह से भी काफी चर्चा में रहती हैं। बीते कुछ दिनों से वह ब्वॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ अपने रिश्ते को लेकर भी चर्चा में रही हैं। वह अक्सर इस तरह की बातों पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। इस वजह से वह लगातार अपने बयानों से चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री ने हाल में ही युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे एक ट्रेंड पर बात की है। युवाओं में इन दिनों समय के हिसाब से रिश्ते रखना का चलन तेजी से बढ़ा है, जिसे सिचुएशनशिप कहा जाता है। इसे लेकर जान्हवी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। किसी भी इंसान के जीवन में प्यार के रूप में एक साथी का होना काफी ज्यादा मायने रखता है। किसी खास इंसान के होने जीवन के उतार-चढ़ाव को सहने में काफी मदद मिलती है। हालांकि, यह समय के हिसाब से बनाए रिश्ते नहीं, बल्कि प्रेम पर टिके रिश्ते होने चाहिए। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने समय और जरुरत के हिसाब से बनाए गए संबंधों पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि वह कभी ऐसे रिश्ते में नहीं रही हैं और ना ही किसी और को होना चाहिए। यह उन्हें काफी बेवकूफानी सोच लगती है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें इस तरह की चीजों में बिलकुल भी विश्वास नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कोई किसी को पसंद करता है, तो उसे लेकर प्रतिबद्ध होता है। अगर कोई किसी के प्रति प्रतिबद्धता नहीं महसूस करता है, तो वह एक रिश्ता नहीं हो सकता। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्हें यह बीच की बात नहीं समझ आती। उन्होंने इस दौरान लड़कियों को समझाते हुए कहा कि अगर किसी ने किसी लड़की को ऐसे बीच में लटकाया हुआ है, तो उसे तुरंत ही उस लड़के को छोड़ कर उस रिश्ते से बाहर आ जाना चाहिए।

बॉयफ्रेंड ऋत्विक धनजानी के साथ मानसून ट्रिप पर निकलीं क्रिस्टल डिसूजा

एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा हर किसी के दिलों पर राज करती हैं। फैंस ने सिर्फ उनकी एक्टिंग के, बल्कि उनकी अदाओं के भी दीवाने हैं। वह टीवी इंडस्ट्री का जाना-माना चेहरा हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और रोजमर्रा के अपडेट शेयर करती रहती हैं। इन दिनों वह अपने बॉयफ्रेंड ऋत्विक धनजानी और क्लोज फ्रेंड्स के साथ मॉनसून ट्रिप एन्जॉय कर रही हैं। बुधवार को, एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में ट्रिप के कई वीडियो शेयर किए। वीडियो में उन्हें ऋत्विक धनजानी के साथ रोड ट्रिप का लुत्फ उठाते हुए देखा जा सकता है। रोड ट्रिप वीडियो में रणबीर कपूर और प्रियंका चोपड़ा जोनस स्टारर बर्फी का गाना क्यों बैकग्राउंड में बज रहा है। दूसरे वीडियो में वह पाव भाजी खाते हुए और अपने दोस्तों के साथ डंब शरेड्स (एक तरह का गेम) खेलते हुए देखी जा सकती हैं। उनकी एक दोस्त वास्तव- द रियलिटी टाइटल पर एक्ट कर रही हैं। वह टीवी शो एक नई पहचान में साक्षी मोदी और ब्रह्मराक्षस में रैना शर्मा की भूमिका के लिए जानी जाती हैं।

क्या सुष्मिता के साथ फिल्म करने वाले हैं रोहमन? एक्ट्रेस के एक्स बॉयफ्रेंड ने बताई पूरी सच्चाई

अभिनेत्री सुष्मिता सेन इन दिनों बड़े परदे से दूर हैं। लेकिन, प्रशंसकों के बीच उनकी चर्चा भरपूर रहती है। अभिनेत्री के फैंस उनकी जिंदगी में खूब दिलचस्पी लेते हैं और हर अपडेट पर नजर रखते हैं। खासकर जब सुष्मिता की लव लाइफ की बात आती है तो फैंस का उत्साह कई गुना बढ़ जाता है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि अभिनेत्री अपने पूर्व प्रेमी रोहमन शॉल के साथ पैचअप कर रही हैं। हाल ही में जब रोहमन से मिस यूनिवर्स के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की गई तो उन्होंने इसकी सच्चाई बताई। इस दौरान रोहमन ने सुष्मिता सेन के साथ स्क्रीन शेयर करने के विचार पर भी बात की। हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत के दौरान रोहमन शॉल से उनके एक्टिंग प्लान के बारे में पूछा गया और उनसे सुष्मिता सेन के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने के बारे में भी सवाल किया गया। जवाब में रोहमन ने कहा, मैं पहले भी कह चुका हूं, उस लेवल तक उनके साथ स्क्रीन शेयर करूं, उसमें अभी बहुत वक्त है।

राणा नायडू 2 की स्टारकास्ट में जुड़े अर्जुन रामपाल

टॉलीवुड अभिनेता वेंकटेश की पहली ओटीटी सीरीज राणा नायडू बीते वर्ष मार्च में रिलीज हुई थी। इसमें उनके भतीजे राणा दग्गुबाती भी अहम भूमिका में दिखे। यह नेटफ्लिक्स सीरीज दर्शकों को काफी पसंद आई और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इसके प्रीमियर के एक महीने बाद इसके दूसरे सीजन का भी एलान कर दिया गया था। दूसरे सीजन की तैयारी भी जोर-शोर से चल रही है। इस बार वेंकटेशन और राणा दुग्गुबाती के साथ अभिनेता अर्जुन रामपाल भी नजर आएंगे। सेट से सीरीज की झलकियां सामने आई हैं। नेटफ्लिक्स इंडिया के इंस्टाग्राम हैंडल से एक वीडियो साझा किया गया है। इसमें आगामी सीरीज राणा नायूड के दूसरे सीजन की झलकियां साझा की गई हैं। दरअसल, यह बीटीएस वीडियो है। शुरुआती दृश्य में खून से सना एक बल्ला दिखाई देता है। इसके बाद राणा दुग्गुबाती हाथ में पिस्टल लिए दिखाई देते हैं। वहीं, वेंकटेश मोटरसाइकिल पर स्टंट करते दिखे हैं। इन दोनों के बाद नजर आते हैं अर्जुन रामपाल।

अर्जुन रामपाल का धांसू अंदाज वीडियो में अर्जुन रामपाल भी राणा दग्गुबाती से मुकाबला करते दिख रहे हैं। हाथों में बंदूक थामे वे निशाना लगाते नजर आ रहे हैं। नेटफ्लिक्स के सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किए गए इस वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है, राणा नायडू का दूसरा सीजन फिल्माया जा रहा है। फिलहाल बीटीएस वीडियो देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि दूसरा सीजन और अधिक व्यापक होगा।

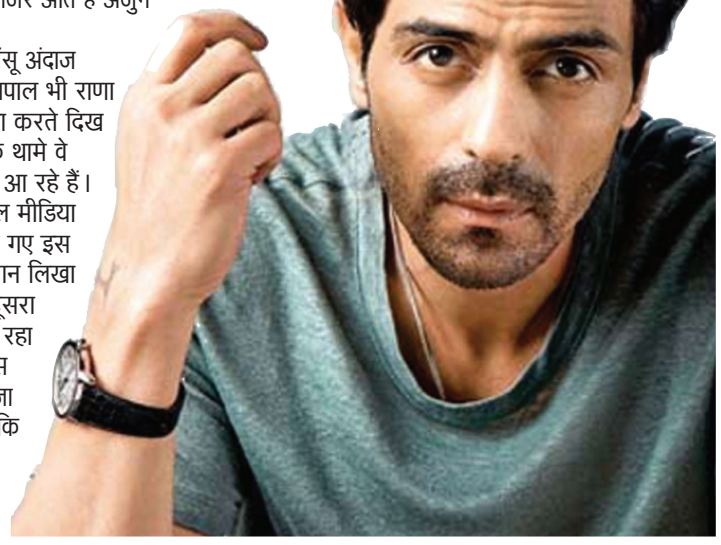

5 साल पुराने मर्डर केस को सुलझाने निकले राघव जुयाल- कृतिका कामरा

ग्यारह ग्यारह के निर्माताओं ने बुधवार को सोशल मीडिया पर इसका पहला ट्रेलर जारी किया। उमेश बिष्ट द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राघव जुयाल और कृतिका कामरा मुख्य भूमिका में हैं और धैर्य करवा, गौतमी कपूर, हर्ष छाया और पूर्णेंदु भट्टाचार्य और मुक्ति मोहन सहायक भूमिकाओं में हैं। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए,क्या समय की गड़बड़ी से अनसुलझे अपराधों का पता लगाया जा सकता है? ग्यारह ग्यारह का प्रीमियर 9 अगस्त को होगा। ट्रेलर की शुरुआत समय की अवधारणा और इसके छिपे रहस्यों पर चर्चा करने वाले वॉयसओवर से होती है। वीडियो में हमें पुलिस अधिकारी युग आर्य (राघव द्वारा अभिनीत) से मिलवाया गया है, जो अपनी सीनियर वामिका रावत (कृतिका कामरा द्वारा अभिनीत) से बात कर रहा है। यह 15 साल पुराने एक मामले के बारे में है, जिसमें एक महिला एक दशक से अधिक समय से अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग कर रही है। फिर, समय यात्रा के साथ एक दिलचस्प मोड़ आता है जिसमें वॉकी-टॉकी की मदद से राघव 1990 के एक अन्य पुलिस अधिकारी शौर्य अटवाल (धैर्य करवा द्वारा अभिनीत) से संवाद कर सकता है। वॉकी-टॉकी वर्तमान और अतीत के बीच की कड़ी का काम करता है क्योंकि वर्तमान की घटनाएं 1990 की घटनाओं से जुड़ती हुई प्रतीत होती हैं। जब शौर्य और युग कई ठंडे मामलों को सुलझाने के लिए एक साथ आते हैं, तो वे अनजाने में एक चेन रिएक्शन शुरू कर देते हैं, जिससे हर सफलता के साथ इतिहास का रुख बदल जाता है। वामिका, जो शौर्य और युग के बीच के असाधारण संबंध से अनजान है, अपने अधीनस्थ की अनोखी अंतर्दृष्टि से हैरान है। ग्यारह ग्यारह को करण जौहर और गुनीत मोंगा कपूर ने प्रोड्यूस किया है।

रक्त ब्रह्मांड में सामंथा रूथ प्रभु के साथ नजर आएंगे अली फजल

मशहूर एक्टर अली फजल अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को काफी एन्जॉय कर रहे हैं, एक तरफ जहां वह स्ट्रीमिंग शो मिर्जापुर के तीसरे सीजन की सफलता को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, तो वहीं बेटी के जन्म के बाद पेरेंटिंग का लुत्फ उठा रहे है। खबर है कि एक्टर मशहूर साउट स्टार सामंथा रुथ प्रभु संग स्क्रीन शेयर किया। वह जल्द ही वेब सीरीज रक्त ब्रह्मांड में नजर आने वाले हैं। यह सीरीज एक पीरियड फैंटेसी थ्रिलर ड्रामा है और इसे राही अनिल बर्वे के साथ राज और डीके डायरेक्ट करेंगे। एक सूत्र ने कहा, यह प्रोजेक्ट राज और डीके का एक अद्भुत विजन है, फैंटेसी ड्रामा जोनर में उनके काम को नई ऊंचाई देगा। कास्ट फाइनल हो चुकी है और अगले हफ्ते से इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। अली अगस्त तक सीरीज की शूटिंग करेंगे और साथ ही अपने अन्य प्रोजेक्ट्स के छोटे शेड्यूल भी पूरे करेंगे। शो के विजन के चलते अली सीरीज का हिस्सा बनने के लिए काफी एक्साइटेड है। यह वास्तव में एक दिलचस्प हिस्सा है, ऐसा कुछ जो उन्होंने किरदार के नजरिए से और शैली के लिहाज से पहले कभी नहीं किया है। सीरीज में 6 एपिसोड होंगे। इस सीरीज की शूटिंग अगले हफ्ते मुंबई में शुरू होने की उम्मीद है। इसमें आदित्य रॉय कपूर और वामिका गब्बी भी लीड रोल में हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अली फजल के पास अनुराग बसु की मेट्रोज्इन दिनों है। इसमें सारा अली खान, आदित्य रॉय कपूर, पंकज त्रिपाठी, नीना गुप्ता, कोंकणा सेन शर्मा और फातिमा सना शेख लीड रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा, एक्टर के पास आमिर खान द्वारा निर्मित लाहौर 1947 भी है। इस फिल्म में प्रीति जिंटा और सनी देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सलमान संग काम करना चाहती हैं वड़ा पाव गर्ल चंद्रिका गेरा दीक्षित

वड़ा पाव गर्ल के नाम से मशहूर चंद्रिका गेरा दीक्षित का बिग बॉस ओटीटी 3 से बाहर आ गई हैं। घर से बाहर आने के बाद वह खूब खबरों में बनी हुई हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्मों में जाने को लेकर बात की है। चंद्रिका दीक्षित से हाल ही में सवाल किया गया कि फिल्मों में काम करने का मौका मिला, तो वह किसके साथ काम करना चाहेंगी। उन्होंने कहा, मौका मिला तो जरूर फिल्मों में काम करूंगी, लेकिन जैसे मैंने पहले कहा कि बोल्ड सीन देना नहीं पसंद, बाकि जैसा रोल मिलेगा वो करूंगी। चंद्रिका ने कहा कि उनकी सलमान खान से मिलने की इच्छा है। उनसे सलमान के साथ काम करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, उनके साथ काम करने की इच्छा जरूर रखती हूं।

संक्षिप्त खबरें

105 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी का निधन

गंगटा (मुंगेर)। बनहारा पंचायत के मिल्की गांव निवासी स्वतंत्रता सेनानी दुलार देवी का निधन 105 वर्ष की लम्बी उम्र में होने का समाचार प्राप्त हुआ है। उनके शव यात्रा बाजे ढोल के साथ निकाल कर उसे गंगा घाट तक पहुंचाया गया। दुलार देवी का पति स्वर्गीय देवराज सिंह भूतपूर्व मुखिया रह चुके हैं। वर्तमान मुखिया अनिल कुमार सिंह के साथ मिलकर शव यात्रा को गंगा घाट पर संपन्न किया गया।

अतिक्रमण हटाने को अंचल अधिकारी ने दिया नोटिस

बरियारपुर (मुंगेर)। एन एच 80 के दोनों किनारे को अतिक्रमण से मुक्त करने के लिए बरियारपुर अंचल अधिकारी ने 110 लोगों को नोटिस दिया है। नोटिस में कहा गया है कि चूंकि विश्वस्त सूत्रों से सूचना के द्वारा सूचित किया जाता है की मौज बरियारपुर उत्तरी थाना नंबर 93 ग्राम बरियारपुर जिला मुंगेर पर अतिक्रमण के लिए जिम्मेदार ठहराये गए हैं। जो की बिहार सार्वजनिक भूमि अधिग्रहण 1956 की धारा 2 उप धारा 3 में यथा परिभाषित सार्वजनिक है पूर्व में काली स्थान बरियारपुर से पंडित तक एनएच 80 के दोनों किनारे अस्थाई अतिक्रमित भूमि को खाली कराया गया था जिस पर वर्तमान में पुनः आप लोगों के द्वारा एन एच 80 के भूमि को अतिक्रमण कर लिया गया है जिसे 3 दिनों के अंदर खाली करदें। अन्यथा प्रशासन के द्वारा अतिक्रमित भूमि को खाली कर दिया जाएगा इस संबंध में अंचल अधिकारी ने पंचानन चौधरी बरियारपुर बाजार सहित करीब 110 लोगों को नोटिस भेजा है।

जर्जर भवन में चल रहा है सीडीपीओ कार्यालय

सदर मुंगेर। सदर प्रखंड के परिसर में चल रहे बाल विकास परियोजना कार्यालय बुरी तरह से जर्जर हो चुका है। इसकी जानकारी देते हुए बाल विकास परियोजना पदाधिकारी मुंगेर ग्रामीण द्वारा बताया गया कि हमारा कार्यालय बिल्कुल जर्जर की स्थिति मे है जिसके कारण हम अपने कार्यालय छोड़ लिपिक के रूम में बैठने को मजबूर है। छत के चट्टान गिर जाने से भाई के मारे हम अपने कार्यालय में बैठना उचित नहीं समझे क्योंकि किसी भी समय कोई और प्रिया घटना घट सकती है इसी को देखते हुए हम अपने कार्यालय में नहीं बैठ पा रहे हैं। कार्यालय के साथ भवन की स्थिति भी जर्जर हो चुकी है। कार्यालय जर्जर रहने के कारण कोई भी कर्मी उसे कमरे में नहीं घुसते हैं इधर ऐसा में कार्यालय की कमी भी रहती है।

स्वास्थ्य कर्मियों के हड़ताल के कारण मरीजों को भारी परेशानी

सहदेई बुजुर्ग। सहदेई बुजुर्ग प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहदेई बुजुर्ग में कार्यरत एएनएमआर एवं सीएचओ कर्मियों ने अपनी दस सूत्री मांगों को लेकर बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले बीते 22 जुलाई से जारी कार्य बहिष्कार के कारण स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवा प्रभावित होने लगी है एएनएमआर एवं सीएचओ कर्मियों के जारी इस अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर पंचायतों के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, स्वास्थ्य उप केंद्रों तक स्वास्थ्य सेवा प्रभावित हो गई है। कार्य बहिष्कार के बीच सभी स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी मांगों के समर्थन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहदेई बुजुर्ग के मुख्य द्वार पर चौथे दिन भी धरना जारी रखा। एएनएमआर कर्मियों के दस सूत्री मांगों में मुख्य रूप से एफएएनएस से उपस्थिति दर्ज करने के फरमान को वापस लेने, समान कार्य के लिए समान वेतन देने, स्वास्थ्य उपकेंद्रों पर स्थाई भवन, आवासीय सुविधा, शौचालय, स्वच्छ पेयजल, बिजली वाई फाई इंटरनेट जैसे बुनियादी सुविधा सुनिश्चित की जाए, एनएचएम के अंतर्गत अन्य कर्मियों की भांति सीएचओ को भी समान रूप से वेतन वृद्धि एवं अन्य सुविधाओं का लाभ देने, कार्य स्थल पर विशाखा जजमेंट के अनुरूप महिला कर्मियों की सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित करने आदि की मांग शामिल है।

घायल सांप का इलाज सामान्य चिकित्सक के द्वारा किया गया

महुआ। मशीन में फंस कर घायल एक विषैले सांप का इलाज पशु अस्पताल के चिकित्सक एवं उसके कर्मियों के द्वारा नहीं किए जाने के बाद घायल सांप का इलाज सामान्य चिकित्सक एवं उसके टीम के द्वारा सफल इलाज किया गया। सांप का इलाज एक सामान्य चिकित्सक के द्वारा किए जाने की खबर इलाकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। घटना बुधवार की शाम की है जहां सोनपुर के एक कॉफी दुकान में कॉफी मशीन में बुरी तरह से सांप फस गया था। उस दुकानदार का हिम्मत काम नहीं किया कि कॉफी मशीन से सांप को बाहर निकाले फिर उसने डॉक्टर सरवन कुमार को कॉल करके उन्हें बुलाया और घटना स्थल पर पहुंच कर मशीन में से सांप को अच्छे तरीके से बाहर निकाले लेकिन सांप बुरी तरह से जख्मी हो गया था।

मौन महादेव चांदपुरा के दर्शन से श्रद्धालुओं की मन्नतें होती है पूरी

साधक स्वर्गीय मोनी बाबा ने ग्रामीणों के सहयोग से कराया था शिवलिंग के साथ शिवालय का निर्माण

प्रात: किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर) (सावन में बोलबम के रास्ते मुख्य सड़क के किनारे अपनी खुबसूरती को बिखेरता चमचमाता चकाचौंध मौन महादेव शिवालय चांदपुरा का विशेष महत्व माना जाता है। श्रावणी मेला के चौथे दिन गुरुवार को भी मौसम खुशनुमा रहने के कारण कच्ची कांवरिया पथ पर देवघर जा रहे भोलेनाथ के पैदल शिव भक्तों से संपूर्ण कांवरिया मार्ग पटा रहा एवं बोल बम की जयकारा से संपूर्ण क्षेत्र गुंजयमान हो उठा है। जिला प्रशासन द्वारा किए गए हर तरह की सरकारी व्यवस्थाएं भी प्रतिदिन धीरे-धीरे सुसज्जित हो रही है। गौरतलब है कि तारापुर संग्रामपुर देवघर एस एच 22 मुख्य सड़क के किनारे काफी आकर्षक नुमा मौन महादेव शिवालय पर पहुंचकर ओम नमः शिवाय की जाप एवं दर्शन करने से सभी श्रद्धालुओं की मन्नतें पूरी होती है। उल्टानाथ महादेव शिवालय तारापुर के निर्माणकर्ता क्षेत्र के चर्चित साधक रहे स्वर्गीय मोनी बाबा ने ही वर्षों पूर्व मौन महादेव शिवालय चांदपुरा का ग्रामीणों के सहयोग से शिवलिंग सहित विभिन्न देवी-देवताओं के शिवालय का निर्माण कराया था। शिवालय का भीतरी एवं बाहरी हिस्सा काफी खूबसूरत सुसज्जित बनाए गए है। जहां पार्वती, भैरो, गणेश, सहित हनुमान मंदिर विराजमान है। मान्यता यह रहा है कि इस शिवालय पर सावन ही नहीं सालों भर दूर-दूर से श्रद्धालुओं की भीड़ अपनी मन्नतें मांगने एवं जलाभिषेक करने को सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि यहां सालों भर श्रद्धालुओं का आना-जाना होता रहता है। इतना ही नहीं सच्चे मन से मन्नतें मांगने वाले श्रद्धालुओं की मुरादें भी पूरी होती है। इस शिवालय के मुख्य पुजारी परमानंद झा चांदपुरा बताते हैं कि सावन के हर दिन यहां पर पुरोहितों द्वारा सुबह में विशेष पूजन के साथ साथ शाम ढलने के बाद रात्रि में श्रृंगार पूजा का भव्य आयोजन होता है। शिवालय के बाहर एवं भीतरी हिस्सों में बाबाधाम देवघर जा रहे श्रद्धालुओं के ठहरने को लेकर बिजली पानी एवं सभी तरह की सुविधाएं ग्रामीणों की ओर से निशुल्क मुहैया कराई जाती है। यहां मनोहारी दृश्य के बीच इस शिवालय के प्रांगण में भोले नाथ के दरबार में जलाभिषेक के लिए जा रहे शिवभक्त दिन व रात दोनों ही समय में ठहरकर इनके दर्शन मात्र से अपने को धन्य महसूस करते हैं। हर रोज नई-नई कांवरिया श्रद्धालुओं की टीमें यहां ठहरकर श्रृंगार पूजा के समय भजन कीर्तन एवं आरती की भक्ति में सराबोर हो उठते हैं। इधर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार ने भी लगातार विधि व्यवस्था को लेकर श्रावणी मेला पर विशेष नजर रख रहे हैं।

प्रखंड उर्वरक निगरानी समिति का बैठक सम्पन्न

प्रात: किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। अम्बेडकर भवन के सभागार में प्रखंड उर्वरक समिति के बैठक आहुत किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी स्वेता कुमारी ने की। उन्होंने कहा कि आप लोग कृषि के क्षेत्र मे उचित मात्रा का उपयोग कर बिहार राज्य को रोग मुक्त बनाने का कार्य मे योग दान करने का प्रयास करें। जिससे कि हमारे समाज के लोगों को भरपूर फसल प्रदान करते हुए रोग मुक्त बनाने मे सहयोग करें इस अवसर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी संजय कुमार, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी कुणाल कुमार, प्रखंड कृषि सम्नवक राणा प्रताप सिंह, व भावनी भुषण सिन्हा, बी जे पी प्रखंड अध्यक्ष राजीव कुमार टीटू, जदयू अध्यक्ष कृष्ण देव मंडल, विधायक प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह, बी टी एम सुधीर कुमार तिवारी, ऐ टी एम विकाश कुमार के साथ किसान सलाहकार के साथ सभी प्रतिष्ठान संचालकों के समक्ष किसान कृष्णदेव मंडल ने कहा हमारे किसान जब दुकानदारों के समक्ष किटनाशक दवाइयों के लिए जाते है तो दुकानदार द्वारा रसीद नही दी जाती है उचित मूल्य के स्थान पर विषेश राशी ली जा रही है जिससे अन्नदाताओं मे आक्रोश व्याप्त है। अधिकतर दुकानों पर यह कहते है कि हमे रसायनिक पदार्थ बेचने का अधिकार प्राप्त नही है हम बील नही दे पायेंगे इससे किसानों मे आक्रोश व्याप्त है। वहीं सरकार के द्वारा बीज मे हमे चावल के दाने मिलने से हमे विश्वास उठना प्रारंभ हो चुके है प्रखंड कृषि पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा हमारे कृषक रसायनिक खाद्य भरपूर मात्रा मे उपयोग कर हमारे समाज मे रोग बाटने का कार्यक्रम रहे है। अतः किसानों को नैनो यूरिया का उपयोग करनी चाहिए। साथ ही साथ जैविक खेती करने की सलाह दिये।

श्रेया हत्याकांड में निर्दोष को जेल भेजने की सीबीआई जांच करा असली अपराधी को गिरफ्तार करे सरकार : धनवंत सिंह राठौर

प्रात : किरण ब्यूरो

औरंगाबाद। अखिल भारतीय अपराध विरोधी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनवंत सिंह राठौर ने औरंगाबाद के नवीनगर की 16 वर्षीय श्रेया कुमारी जिसकाअपहण के बाद दुषकर्म कर हत्या के मामले मे पुलिस ने जिसे गिरफ्तार किया है। उसे निर्दोष बताते हुए कांड की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। मोर्चा के प्रधान कार्यालय मे आयोजित संवाददाता सम्मेलन मे इसकी जानकारी देते हुए श्री राठौर ने कहा कि इस मामले मे सारी सच्चाई राष्ट्रपति प्रधानमंत्री राज्यपाल मुख्यमंत्री समेत आला अधिकारियों को पत्र लिखकर अवगत कराया है। पत्र की कॉपी भी पत्रकारों को उपलब्ध कराया। राष्ट्रीय महासचिव अशोक जैन, प्रदेश अध्यक्ष राहुल कुमार, सचिव कविता पाण्डे, संजय कुमार सिंह, संयुक्त सचिव रीना कुमारी व डॉली कुमारी भी उपस्थित थे। श्री राठौर ने कहा कि 11 जून को अपहृत श्रेया की लाश 13 जून को करीब 50 /55किलोमीटर दूर रोहतास के इंद्रपुरी बैराज के नहर से बरामद किया।जनता के भारी दवाब और पूरे प्रदेश मे हो रहे आंदोलन को रोकने के लिए पुलिस आनन फानन में निर्दोष लोगों को पकड़ कर झूठी कहानी और सबूत दिखाकर गिरफ्तार कर जेल भेज वाहवाही लूटने लगी। पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया और जो उनके जिस बयान को लगाई है उसे देखने से ही लगता हैं पुलिस ने निर्दोष लोगों को गिरफ्तार की हैं।अभियुक्त रोहित कुमार पिता संजय सिंह ग्राम झड़ी थाना टंडवा जिला औरंगाबाद के बयान मे दिखा रहीं हैं कि उस ने रात्रि 10.30 मे श्रेया के साथ चैट किया हैं। फिर सुबह 6.15 मे श्रेया कुमारी ने रोहित कुमार को चैट कर घर से निकलने की सुचना की और उसे नवीनगर मे बबलू चंदा मैरिज गेस्ट हाउस मे लाकर गलत काम किया जिसे वहा उपस्थित धर्मेंद्र कुमार सिंह ने देख लिया तो रोहित भाग गया और उसने श्रेया कुमारी के साथ जबरदस्ती रेप किया और उसने कही किसी को बता न दे इसी लिय गला दवा कर हत्या कर दी। पुलिस एक और अभियुक्त श्रुति कुमारी जो श्रेया की दोस्त थी उससे बात हुई लेकिन कितने बजे बात हुई इसका कोई साक्ष्य पुलिस नहीं दे रही है। श्री राठौर ने कहा कि पुलिस ये भी लिख रही है कि रोहित कुमार ने धर्मेंद्र कुमार को श्रेया कुमारी जिस रुम मे थी उसमें जाते देखा। जब रोहित मैरिज हॉल से भाग ही गया तो उसने धर्मेंद कुमार को रुम मे जाते कैसे देखा यह एक सोचनीय विषय है।सबसे आश्चर्य तो पुलिस के द्वारायह कहना कि रात्रि आठ बजे गेस्ट हाउस से धर्मेंद्र कुमार सिंह और उसके भाई जो गेस्ट हाउस मे ही रहता है राकेश कुमार के साथ श्रेया की लाश को गेस्ट हाउस से इंद्रपुरी रोहतास के सोन नहर केनाल मे फेंक दिया और वापस आकर उक्त गाड़ी को साफ कर और मैरिज हॉल गेस्ट हाउस को भी साफ कर दिया।मैरिज हॉल गेस्ट हाउस से केनाल की दुरी जो रास्ता पुलिस खुद ही दिखा रही है।

डीएम के कार्यशैली से जिले के सभी विभाग में मच गया हड़कंप

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर (बिहार)। जिलाधिकारी, मुंगेर अवनीश कुमार सिंह की कार्यशैली से जिले के सभी विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। उनके द्वारा लगातार किसी न किसी विद्यालय अथवा कार्यालय का निरीक्षण किया जा रहा है। आज जिलाधिकारी ने जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) के कार्यालय का औचक निरीक्षण करने पहुंच गए। दस बजे कार्यालय बंद पाया गया, जिसे देख उन्होंने जिला प्रोग्राम पदाधिकारी रेखा कुमारी सहित वहां कार्यरत अन्य सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों से स्पष्टीकरण करते हुए सभी के वेतन स्थगित करने का आदेश दिया है। जिलाधिकारी के इस रूप से जहां सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं सभी पदाधिकारी एवं कर्मी भी स-समय कार्यालय पहुंच रहे हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि आज डीपीओ आईसीडीएस के कार्यालय का मेरे द्वारा औचक निरीक्षण किया गया, जहां कार्यालय अवधि में भी कार्यालय बंद पाया गया। इसके तहत कार्यालय में पदस्थापित डीपीओ आईसीडीएस रेखा कुमारी सहित अन्य सभी अधिकारी एवं कर्मियों से स्पष्टीकरण पूछते हुए अगले आदेश तक सभी के वेतन स्थगन का आदेश दिया गया है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी लोग कार्यालय ससमय पहुंचे और अपने कर्तव्यों का सही से निर्वहन करें। इस तरह की कोई भी लापरवाही अथवा अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा ससमय कार्यालय नहीं आना उनके कर्तव्यों के प्रति लापरवाही अथवा अनुशासनहीनता का द्योतक है, जिसे बर्दास्त नहीं किया जायेगा।

डीएम ने पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के योजनाओं की समीक्षा की

प्रात : किरण ब्यूरो

अरवल। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह द्वारा पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की गई। योजनाओं के सफल संचालन हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा विभिन्न निदेश दिये गये। जिला पदाधिकारी द्वारा रामपुर चौरम में पशु चिकित्सालय के निर्माण करने हेतु अंचलाधिकारी अरवल को भूमि चिन्हित करने का निदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा जिला स्तरीय पशु क्रूरता की बैठक नियमित रूप से कराये जाने का निदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा प्रत्येक प्रखण्ड में सुधा मिल्क बुथ निर्माण हेतु 2020 वर्गफीट का भूमि चिन्हित करने हेतु अंचलाधिकारी को निदेशित किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा पशु एवं मत्स्य क्रेडिट कार्ड निर्गत करने हेतु बैंकों को निदेशित किया गया।

इसके साथ ही बैंकों को डेयरी ऋण (देशी गौपालन, समग्र गव्य विकास) अंतर्गत पशुपालकों को ऋण स्वीकृति हेतु निदेशित किया गया।मत्स्य नियंत्रण योजनान्तर्गत प्रखण्ड स्तर पर 8000 वर्गफीट एवं पंचायत स्तर पर 4000 वर्गफीट भूमि चिन्हित करने का निदेश अंचलाधिकारी को दिया गया।

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति भोजपुर की किया गया मासिक बैठक आयोजित

आरा :उप विकास आयुक्त भोजपुर की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति भोजपुर की मासिक बैठक आयोजित की गई । इस बैठक का संचालन प्रभारी पदाधिकारी विकास शाखा सह नोडल पदाधिकारी जिला गंगा समिति के द्वारा किया गया । इस बैठक में मुख्य रूप से जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी /पदाधिकारी उपस्थित रहे । बैठक में वन विभाग को निर्देश दिया गया कि इस वर्ष गंगा ग्राम के तीनों प्रखंड में अधिक से अधिक पेड़ लगाई जाए और उसकी सूची जिला गंगा समिति को उपलब्ध कराई जाए। साथ ही साथ जिले के सभी नगर पंचायत और नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि वन प्रमंडल भोजपुर से समन्वय स्थापित करके अधिक से अधिक मात्रा में नगर पंचायत और नगर परिषदों में पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया जाए साथ ही कृषि विभाग को निर्देशित किया गया कि जिले के सभी बड़े किसानों की सूची वन प्रमंडल को उपलब्ध कराई जाए जो किसान पौधा रोपण करने के लिए इच्छुक हो। बड़हरा और आरा के प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि गंगा ग्राम के सभी गंगा घाटों पर साप्ताहिक सफाई के कार्यक्रम का आयोजन करना सुनिश्चित करेंगे। कृषि विभाग को निर्देशित किया गया कि जिला मत्स्य विभाग से समन्वय स्थापित करके तीनों प्रखंडों में गंगा ग्राम के किसानों और मछुआरों को जीरो बजट प्राकृतिक खेती पर संगोष्ठी आयोजित करके जागरूक करने का कार्य करेंगे।

आरा अंचल पदाधिकारी से मिला भाकपा माले का प्रतिनिधि मंडल : क्यामुद्दीन अंसारी

प्रात : किरण ब्यूरो

आरा, एक प्रेस ब्यान जारी कर भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य व इंसाफ मंच के राज्य सचिव क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि आज दिनांक 25 जुलाई 2024 को भाकपा माले का प्रतिनिधि मंडल आरा अंचल पदाधिकारी से मुलाकात की और कई जन सवालों पर उनसे बात की।

भाकपा माले का प्रतिनिधि मंडल ने अंचल पदाधिकारी आरा से मांग की कि जाति आधारित सर्वे बिहार सरकार ने कराई थी ,सरकार के आर्थिक सर्वे की रिपोर्ट मे आया है कि बिहार मे 95 लाख परिवार की आय महज 6000 से कम है।

भाकपा माले प्रतिनिधि मंडल ने अंचल पदाधिकारी से कहा कि 6000 से कम आय वाले परिवार को बिहार सरकार सीधे 2 लाख रुपया अनुदान देने का फैसला लिया था। भाकपा माले प्रतिनिधि मंडल के तरफ से बोलते हुए भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी ने आरा अंचल पदाधिकारी से 95 लाख परिवार मे से आरा अंचल मे कितने परिवार 6000 से कम आय वाले परिवार है उसकी सूची जारी किजिए। तथा उक्त सभी परिवार की आय प्रमाण पत्र 6000 मासिक से कम का बनाने की गारंटी किजिए। क्यामुद्दीन अंसारी ने यह भी मांग की है कि उन गरीबों का जिनका राशन कार्ड नहीं है उन गरीबों को 5000 से कम का आय प्रमाण पत्र निर्गत किजिए। भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने आरा नहर से उजाड़े गये सभी गरीब परिवार को 3 डी।जमीन देने का मामला पुरजोर तरिके से उठाया गया।जिस पर अंचल पदाधिकारी ने सकारात्मक बाते की।

आरा नगर सचिव व पार्टी राज्य कमिटी सदस्य सुधीर सिंह ने सरकार द्वारा घोषित 5 डी। जमीन का मामला उठाते हुए एक मांग पत्र अंचल पदाधिकारी को सुपुर्द की। प्रतिनिधि मंडल मे सामिल प्रमुख लोगों मे राज्य कमिटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी, सुधीर सिंह, विजय ओझा,जिला कमिटी सदस्य राजनाथ राम, नगर कमिटी सदस्य राजेन्द्र यादव व बब्लू कुमार गुप्ता थे।

दिन दहाड़े हथियार लैस अपरधियों ने सीएसपी से लूटा रुपये

शेरघाटी।दिनदहाड़े हथियार लैस अपराधियों ने सीएसपी से लुटा रुपये किया फायरींग शहर के डाक बंगला रोड पर स्थित एसडीओ आवास के सामने गुरुवार को करीब 11:30 बजे हथियार बंद अपराधियों ने दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के सीएसपी से करीब 42 हजार रुपए लूट कर फरार हो गए. बदमाशों ने इस दौरान तीन राउंड फायरिंग भी किया जिससे सीएसपी संचालक बाल बाल बचा. सीएसपी के सह कर्मी संदीप कुमार ने बताया कि सुबह होने से पहली दौरान कस्टमर का भीड़ था।

इसी दौरान एक युवक आया और उसने यूनियन बैंक के खाते से पैसा निकालने को कहा. हमने उसे कहा कि यूनियन बैंक का पैसा यहां नहीं निकलता है. इसके बाद वह वहां से चला गया. जब भीड़ कुछ कम हुई तो वह दो लोगों के साथ दोबारा पहुचा, फिर से यूनियन बैंक से पैसा निकालने को कहा. जब हमने उसे दोबारा मना कर दिया तो उसने कमर से रिवॉल्वर निकाल कर मेरे कनपटी में सटा दिया और पैसा लूट कर भागने लगा।उसने बताया कि बदमाशों ने मेरे साथ मारपीट भी किया है, उसने कहा कि ड्रावर में रखे पैसा निकाल लिया. करीब 15 से 20 मिनट तक बदमाश मुझे लपड़- थप्पड़ एवं लात घुसो से मारते रहा।

डीएम ने विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान में आवासित बालिका को दत्तक ग्रहण में दिया

हाजीपुर। जिला पदाधिकारी , वैशाली के द्वारा विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान हाजीपुर में आवासित लगभग 18 महीने की एक बालिका को दत्तक ग्रहण पूर्व पालक देख रेख (प्री एडॉप्सन फोस्टर केयर) में सौंपा गया। जिला बाल संरक्षण इकाई, वैशाली के द्वारा संचालित विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान में छः माह पूर्व उक्त बालिका को बाल कल्याण समिति वैशाली के आदेश से आवासित किया गया था।

कोई दावेदार उपस्थित नहीं होने के बाद उसे महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दत्तक ग्रहण मार्गदर्शिका 2022 के प्रावधानों के आलोक में समस्त प्रक्रिया पूर्ण कर दत्तक ग्रहण हेतु प्रदान किया गया है। पेशे से साफ्टवेयर इंजीनियर दिल्ली के की दम्पत्ति को पंजीकरण के लगभग 4 वर्ष बाद उनकी बारी आने पर वेबसाइट के माध्यम से ईमेल पर सूचना दी गई। उनके द्वारा बालिका को दत्तक ग्रहण में लेने हेतु सहमति दी गई, जिसके पश्चात आज दत्तक ग्रहण कमिटी की बैठक में दम्पति के द्वारा समर्पित प्रमाण पत्रों एवं दत्तक ग्रहण हेतु उनके अभिरुचि की जांच की गई और उन्हें दत्तक ग्रहण के लिए उपयुक्त पाया गया। इसके बाद अब जिला दंडाधिकारी के न्यायालय में कोर्ट ऑर्डर के लिए आवेदन किया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा दत्तक ग्रहण आदेश जारी करने के पश्चात ही दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण होगी । जिला पदाधिकारी ने बच्ची को उपहार भी प्रदान किए। इस अवसर पर सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई वैशाली, बाल संरक्षण पदाधिकारी, दत्तक ग्रहण संस्थान की समन्वयक तथा अन्य कर्मी उपस्थित थे।

माकपा के जनसंगठन एडवा व खेमयू ने प्रतिवाद सभा कर बजट का किया विरोध

हाजीपुर। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी (माकपा) के जनसंगठन भारत के जनवादी महिला समिति (एडवा) की वैशाली जिला कमेटी एवं बिहार प्रांतीय खेतिहर मजदूर यूनियन (खेमयू) के वैशाली जिला कमेटी ने अलग-अलग प्रतिरोध सभा कर केंद्र सरकार के बजट का विरोध किया । हाजीपुर के रामचौरा में निभा सिंहा के निवास पर एडवा के जिला सचिव शीला देवी के अध्यक्षता में प्रतिरोध सभा किया गया। सभा को संबोधित करते हुए शीला देवी ने कहा कि बजट न केवल गरीब, मजदूर विरोधी है बल्कि महिला विरोधी भी है, केंद्र और राज्य की गरीब महिलाएं माइक्रो फाइनेंस एवं स्वम सहायता समूह के जाल में फस गई है और उनके कर्जो को माफ कर महिलाओं को मुक्त कर उक्त संकट से निकाला जा सकता है । परंतु यह सरकार कारपोरेट घरानों को कर्ज से मुक्त करने की ठान रखि है। महिलाओं को विभिन्न योजनाओं में लगा दिया जा रहा है परंतु उनकी मजदूरी बंधूआ मजदूर के तरह हाथ उठाई दिया जा रहा है । उक्त अवसर पर एडवा नेत्री रिंकी कुमारी, रश्मि सीखा, रिचा कुमारी पार्टी के जिला कमेटी सदस्य दीनबंधु प्रसाद ने संबोधित किया तथा आधि आबादी के लिए बजट का आधा हिस्सा लेने की लड़ाई लड़ने का आवाहन किया । दूसरी ओर भगवानपुर प्रखंड के जानकीपुर में माकपा के जिला सचिव के निवास पर खेतिहर मजदूर यूनियन के जिला अध्यक्ष पुण्यकाल पासवान के अध्यक्षता में प्रतिरोध सभा किया गया ।प्रतिरोध सभा को संबोधित करते हुए पार्टी के जिला सचिव रामजी राम ने कहा कि बजट खेतिहर मजदूरो के साथ खिलवाड़ है। मनरेगा को संकट से निकलने की योजना न हीं है और न हीं खेतीहर और ग्रामीण मजदूर गरीबों को संकट से निकलना का तथा नहीं महंगाई कम करने वाली बजट है । यह बजट बिहार के लिए छलावा और फरेब है सभा को भगवानपुर प्रखंड के सचिन शिवजी राम ,हरेंद्र पासवान , रामदास राम , किस्मतीया देवी, शिव कुमार राम आदि ने संबोधित करते हुए कहा कि गरीबों को संघर्ष जारी रखना होगा ।

मानवाधिकार संगठन द्वारा शिविर का समापन

गया।बिहार प्रदेश मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनीष पंकज मिश्रा के द्वारा भीषण तपती गर्मी में मानव सेवा की भावना से निशुल्क पीने का पानी शिविर लगा कर आम जन राहगीरों को पिलाया गया प्याऊ का समापन के अवसर पर डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि अतिथि देवो भवः करना ही सच्ची सेवा हैं, संगठन के माध्यम से 2023 में विष्णुपद,रेलवे स्टेशन पर शिविर लगाकर चाय,बिस्किट पुड़ी हलवा ,खिचड़ी ,खीर बनाकर प्रसाद के रूप में बाटा जाता था एवं सगठन के लोगों द्वारा सेवा में लगे रहते थे गरीब एवं असहाय लोगों के लिए कंबल,छतरी एवं तरह तरह के सहायता दी जाती हैं राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के द्वारा देश के आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वतन्त्रता सेनानी के परिवारों को सम्मानित करने का कार्य किया गया आने वाले दिनों में पुनः सेवा करने के लिए तत्पर हैं। इस अवसर पर देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन को राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के माध्यम की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी देश विदेश से आए श्रद्धालुओं का भगवान विष्णु कोरिडोर, बुद्ध सर्किट कोरिडोर,राजगीर ,नालंदा विश्वविद्यालय को 2024 के बजट में लाना हमसबो की मांग को पूरा किया गया मुझे भी सौभाग्य है 2024 में गया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर स्वागत करते हुए बोधगया,विष्णुपद कोरिडोर की चर्चा करने पर देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री मुस्कुराकर ही जवाब दिया था मैं शौभाग्यशाली हूं कि आज उपरोक्त कोरिडोर की घोषणा की गई मुझे आशा है कि 2024 पितृपक्ष मेला को राष्ट्रीय मेला घोषित किया जाय जिसे देश विदेश से आए श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो। इस अवसर पर कार्यवाहक अध्यक्ष राणा रंजीत सिंह ने बताया कि एआईआईयूटी एवं आदर्श कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा निशुल्क पनशाला के समापन समारोह, कर्म योद्धा सम्मान एवं भव्य भंडारा के सफल आयोजन पर विष्णु पद , मंगलागौरी, अक्षय वट में दरिद्र-नारायण एवं तीर्थ यात्रीयों के बीच भोजन के पैकेट वितरित कर बिहार में अमन-चैन, खुशहाली के कामना करते हुए हैं। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जिस प्रकार से केन्द्र सरकार द्वारा सभी प्रसिद्ध मंदिरों को विकसित किया जा रहा है तो अब केन्द्र सरकार द्वारा मां मंगलागौरी कारीडोर समेत सभी शक्ति पीठों को विकसित कर अन्य राज्यों समेत बिहार में रोजगार एवं पर्यटन के बढ़ावा देने का कार्य जल्द शुरू किया जाना चाहिए इसके लिए जल्द ही राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन द्वारा प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री को हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन भेजकर मांग किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राणा रंजीत सिंह, संजीव कुमार सिंह, संजय गुप्ता, उमेश कुमार, गुड्डू सिंह पिंटू सिंह बबलू सिंह, मनोज सिंह, विकास सिंह, अखिलेश बाबा,कारू सिंह, मनीष सिन्हा, टूटू कुमार भदानी, मृत्युंजय कुमार सिंह समेत कई लोग मौजूद थे। प्रदेश अध्यक्ष सह नेता डॉ मनीष पंकज मिश्रा, राष्ट्रीय अध्यक्षा साधना ओझा ने भी इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राणा रंजीत सिंह एवं आदर्श कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रोपराइटर संजीव कुमार सिंह समेत पूरे टीम को धन्यवाद देते हुए इन मांगों का समर्थन किया।

नाला, पीसीसी सडक एवं प्राइवेट बस स्टैंड के गेट का हुआ उद्घाटन

कहा: आरा शहर को विकास के पटल पर लाना मेरी प्राथमिकता

आरा। मेयर इंदू देवी ने आरा नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या-43 में नाला, पीसीसी सड़क तथा वार्ड संख्या-38 में प्राइवेट बस स्टैंड के दक्षिणी गेट का उद्घाटन किया।

इस मौके पर महापौर इंदू देवी ने कहा कि आरा शहर को विकास के पटल पर लाना मेरी प्राथमिकता है। इसी कड़ी में आज नाला, पीसीसी सड़क समेत दो योजनाओं का उद्घाटन किया गया। पीसीसी सड़क के निर्माण से लोगों को आने-जाने में काफी सहूलियत होगी। वही प्राइवेट बस स्टैंड के दक्षिणी गेट के निर्माण होने से शहर की सुंदरता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाना मेरा सपना है। यह आपके सहयोग के बिना संभव नहीं है। आप चिन्हित स्थान पर कुडा-कचरा फेंकें और शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाएं।

वार्ड संख्या -43 में नाली व पीसीसी सड़क कके उद्घाटन के मौके पर मेयर इंदु देवी के अलावे वार्ड पार्षद श्रीकांत, हरि गोपाल, प्रताप सिंह, प्रदीप, राजेंद्र सिंह, भोला प्रसाद, अनिल सिंह, इशू, आनंद, रंजीत आदि मौजूद थे। वहीं वार्ड नंबर-38 में प्राइवेट बस स्टैंड के दक्षिणी गेट के उद्घाटन के मौके पर पार्षद प्रतिनिधि मुन्ना जी, पिंटू कुमार, रमेश जी, आनंद, अजीत यादव, विनोद पासवान सहित कई लोग मौजूद रहे।

दक्षिण अफ्रीका को लगा झटका, तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी वेस्टइंडीज टेस्ट से बाहर

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएत्जी को साइड स्ट्रेन के कारण वेस्टइंडीज के साथ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज से बाहर कर दिया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार बताया कि कोएत्जी सात अगस्त से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज खेलने के लिए फिट नहीं हैं और उन्हें साइड स्ट्रेन की चोट कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। उन्हें यह चोट अमेरिका की टी-20 फ्रेंचाइजी लीग मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के दौरान लगी थी। वह लीग में टेक्सास सुपर किंग्स के लिए खेल रहे थे। कोएत्जी की जगह मिगेल प्रीटोरियस को टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने अभी तक टेस्ट स्तर का कोई मैच नहीं खेला है लेकिन उन्होंने 64 प्रथम श्रेणी खेले है। प्रीटोरियस को इससे पहले दिसंबर 2020 में श्रीलंका में टेस्ट सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम में भी शामिल किया गया था, लेकिन कंधे में चोट के कारण वे पर्दापण नहीं कर सके। दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच पोर्ट-ऑफ-स्पेन में पहला टेस्ट मैच खेला जायेगा। दूसरा टेस्ट मैच प्रोविडेंस में होगा। इसके बाद 24 से 28 अगस्त तक तीन टी20 मैच खेले जाएंगे।

तीरंदाजों के साथ आज से शुरू हुआ भारत का अभियान

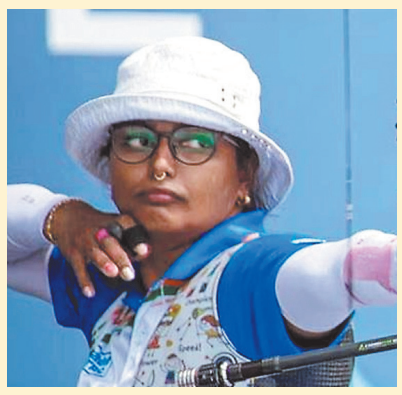

पेरिस (फ्रांस)(एजेंसी)। दीपिका कुमारी और तरुणदीप राय की अगुआई वाली तीरंदाजी टीम के लेस इनवैलिड्स में रैंकिंग राउंड में पदक के लिए अपना पहला प्रयास के साथ भारत पेरिस ओलंपिक में अपनी यात्रा शुरू करेगा। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार लंदन ओलंपिक 2012 के बाद पहली बार भारत छह तीरंदाजों की अपनी पूरी टीम उतारेगा, जो पुरुष टीम/व्यक्तिगत, महिला टीम/व्यक्तिगत और मिश्रित टीम श्रेणियों में सभी पांच पदक स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेगी। यह राउंड इस बात के लिए महत्वपूर्ण होगा कि भारतीय तीरंदाजी इस ओलंपिक के दौरान पदक जीतने के कितने करीब पहुंच सकते हैं क्योंकि छह तीरंदाजों में से प्रत्येक के 72 तीरों के प्रदर्शन से व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं के लिए वरीयता निर्धारित होगी। पुरुष और महिला टीम प्रतियोगिताओं के लिए रैंकिंग राउंड से शीर्ष चार वरीयता प्राप्त टीमों को सीधे क्वार्टरफाइनल क्वालीफिकेशन मिलेगा और आठवीं से 12वीं वरीयता प्राप्त टीमें क्वार्टरफाइनल स्थानों के लिए एक-दूसरे का सामना करेंगी। रैंकिंग यह भी तय करेगी कि मिश्रित टीम प्रतियोगिता में कौन कट बनाता है, जिसमें केवल शीर्ष 16 जोड़े अगले चरण के लिए क्वालीफाई करते हैं। प्रत्येक देश के लिए एक पुरुष और एक महिला तीरंदाज को मैदान में उतारने के लिए, पुरुष और महिला श्रेणियों में शीर्ष स्कोर को मिलाकर टीम की वरीयता तय की जाती है। दीपिका कुमारी का यह चौथा ओलंपिक और मां बनने के बाद पहला ओलंपिक होगा। इसी तरह तरुणदीप भी अपना चौथा ओलंपिक खेल रहे हैं, जबकि टीम के साथी प्रवीण जाधव टोक्यो 2020 के बाद अपनी दूसरी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। शेष तीन, धीरज बोम्मादेवरा, भजन कौर और अंकिता भक्त पहली बार ओलंपिक में हिस्सा ले रहे हैं। भारतीय तीरंदाजों ने कभी ओलंपिक पदक नहीं जीता है। पेरिस 2024 में तीरंदाजी प्रतियोगिता उद्घाटन समारोह से एक दिन पहले 25 जुलाई को व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड के साथ शुरू हो गया था। शेष चरण 28 जुलाई से 4 अगस्त तक लेस इनवैलिड्स में आयोजित किए जाएंगे।

आज महिला एशिया कप में

भारतीय टीम से सेमीफाइनल में भिड़ेगी बांग्लादेश

दाम्बुला (एजेंसी)। बांग्लादेश महिला टीम ने मुर्शिदा खातून (80 रन) और कप्तान निगार सुल्ताना (नाबाद 62) के अर्धशतकों की बदौलत बुधवार को यहां महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट मैच में मलेशिया को 114 रन से पराजित कर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया जिसमें उसका सामना 26 जुलाई को भारतीय टीम से होगा। वहीं शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका की भिड़ंत पाकिस्तान से होगी। श्रीलंका ने बुधवार को ग्रुप मैच में थाईलैंड को 51 गेंद रहते 10 विकेट से रौंदकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

बांग्लादेश ने मुर्शिदा के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी और निगार के अर्धशतक तथा दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 56 गेंद में 89 रन की साझेदारी की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट पर 191 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टीम का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी है। इसके बाद बांग्लादेश ने कसी गेंदबाजी से मलेशिया को 20 ओवर में 8 विकेट पर महज 77 रन ही बनाने दिए। मलेशिया इस तरह टूर्नामेंट में अपने अभियान में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सका। मलेशिया के लिए एल्सा हंटर ने सर्वाधिक 20 रन बनाए।

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए दिलारा अख्तर (33 रन) और मुर्शिदा के बीच पहले विकेट के लिए 65 रन की भागीदारी से अच्छी शुरूआत की और बड़े स्कोर की नींव रखी। दिलारा के आउट होने के बाद कप्तान निगार ने शानदार बल्लेबाजी की और मुर्शिदा के साथ शानदार साझेदारी की। मुर्शिदा ने 59 गेंद का सामना करते हुए अपनी पारी में 10 चौके और एक छक्का जड़ा जबकि निगार ने 37 गेंद में पांच चौके और दो छक्के से नाबाद 62 रन जोड़े।

इसके बाद बांग्लादेश की गेंदबाज नाहिदा अख्तर (13 रन देकर दो विकेट), शोर्णा अख्तर सबीकुन नाहर जेस्मिन, राबिया खान, रितु मोनी और जहांआरा आलम की कसी गेंदबाजी से मलेशिया को लगातार झटके दिये। इन सभी गेंदबाजों ने एक एक विकेट झटके। दिन के दूसरे मैच में श्रीलंका ने थाईलैंड को 20 ओवर में सात विकेट पर 93 रन ही बनाने दिए। इसके बाद कप्तान चामरी अटापट्टू (नाबाद 49 रन) और विश्मी गुणरत्ने (नाबाद 39 रन) ने यह लक्ष्य 11.3 ओवर में बिना विकेट गंवाये 94 रन बनाकर हासिल कर लिया।

24 घंटे के भीतर श्रीलंका को लगा दूसरा झटका

टी20 सीरीज से बाहर हुए नुवान तुषारा

- **नुवान तुषारा से पहले दुष्मंथा चमीरा हुए थे रूल्ड आउट**
- **27 जुलाई को खेला जाएगा दोनों टीमों का पहला मैच**

कोलंबो (एजेंसी)। भारत के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज से पहले श्रीलंकाई टीम की मुश्किलें कम नहीं हो रही है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज नुवान तुषार चोटिल होकर पूरे सीरीज के बाहर हो चुके हैं। तुषारा को प्रैक्टिस के दौरान उंगली में चोट लगी है और स्कैन में पता चला की उनकी हड्डी टूटी है। ऐसे में वह अब एक भी मैच नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह अभी किसी भी रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि दिलशान मधुशंका को स्क्वाड में शामिल किया जा सकता है। नुवान तुषारा से पहले दुष्मंथा चमीरा भी चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हो चुके हैं। चमीरा को चोटिल हुए अभी 24 घंटे भी नहीं हुए थे कि नुवान तुषारा के रूप में श्रीलंका को दूसरा बड़ा झटका लगा गया। ऐसे में भारत के खिलाफ श्रीलंकाई टीम अपने ही घर में मुश्किल में पड़ चुकी है।

टी20 विश्व कप में भी तुषारा ने किया कमाल

बता दें कि नुवान तुषार ने फरवरी 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रीलंका के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह श्रीलंका के लिए 11 टी20 मैच खेल चुके हैं, जिसमें 19 विकेट उनके नाम हैं। पिछले महीने हुए टी20 विश्व कप में भी नुवान ने अपनी गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया था। नुवान ने तीन मैचों में श्रीलंका के लिए आठ विकेट अपने नाम किए थे।

विश्व कप के बाद फुल स्ट्रेंथ में टी20 सीरीज खेलेगी टीम इंडिया

आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में चैंपियन बनने के बाद भारतीय टीम फुल स्ट्रेंथ के साथ मैदान पर उतरने जा रही है। टीम इंडिया को नया कप्तान और कोच मिल चुका है। सूर्यकुमार टीम की अगुवाई कर रहे हैं जबकि गौतम गंभीर कोच हैं। टी20 विश्व कप के बाद टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे का दौरा किया था, लेकिन उसमें सभी नए चेहरे शामिल थे। ऐसे में अब श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया की नई शुरुआत होने जा रही है।

मैच से पहले ड्रोन स्कैंडल में फंसी कनाडा फुटबॉल टीम, सपोर्ट स्टाफ पर लगा जासूसी का आरोप

सपोर्टिंग स्टाफ को फ्रांस से भेजा गया कनाडा

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलिंपिक में हिस्सा लेने गई कनाडा महिला फुटबॉल टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के असिस्टेंट कोच और एर एनालिसिस्ट को जासूसी के आरोप में ओलंपिक से घर भेज दिया गया है। मुख्य कोच बेव प्रिस्टमैन ने यह भी घोषणा की कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ कनाडा के गोल्ड मेडल के बचाव के शुरुआती मैच में हिस्सा नहीं लेंगी। यह फैसला उस समय आया जब एक स्टाफ सदस्य को इस हफ्ते सेंट-एटियेन में न्यूजीलैंड के ट्रेनिंग सेशन पर ड्रोन उड़ाने के लिए फ्रांसीसी अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। कनाडाई ओलिंपिक समिति (सीओसी) ने कहा कि उसे तब से न्यूजीलैंड से जुड़ी एक दूसरी घटना के बारे में पता चला है, जिसने आईओसी की ईमानदारी इकाई के पास औपचारिक शिकायत दर्ज की और कनाडा से जवाब मांगा।

- **कनाडा की फुटबॉल टीम को देनी पड़ेगी सफाई** - इस पूरे मामले पर सीओसी ने कहा, सीओसी आईओसी और फीफा के संपर्क में है। कनाडा सॉकर पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सहयोग रहा है। सीओसी इस मामले की समीक्षा जारी रखेगा और यदि आवश्यक हो तो आगे की कार्रवाई कर सकता है। बता दें कि कनाडा फुटबॉल टीम के जिन सपोर्ट स्टाफ को भेजा गया उनका नाम जोसेफ लोम्बार्डी, कनाडा सॉकर के एक गैर-मान्यता प्राप्त एनालिसिस्ट और जैस्मीन मंदर और एक सहायक कोच है। वहीं टीम के मुख्य कोच प्रिस्टमैन ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले मैच के लिए बेंच पर रहना उचित होगा।
- **कनाडा के कोच ने मांगी माफी** - कनाडा के मुख्य कोच ने, अपनी पूरी टीम की ओर से मैं सबसे पहले न्यूजीलैंड फुटबॉल के खिलाड़ियों और स्टाफ और टीम कनाडा के खिलाड़ियों से माफी मांगना चाहता हूं। यह हमारे टीम के मूल्यों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। उन्होंने कहा, मैं अंतत: हमारे कार्यक्रम में आचरण के लिए जिम्मेदार हूं। ऐसे में हमारी टीम की ईमानदारी के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर देने के लिए, मैंने स्वेच्छा से गुरुवार के मैच को कोचिंग देने से हटने का फैसला किया है।

ओलंपिक पेरिस 2024: पदकों की हैट्रिक बनाने के लिए तैयार है पीवी सिंधु

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु लगातार तीसरे ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर इतिहास रचने के लिए किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़ रही हैं और उन्होंने अपना यह लक्ष्य हासिल करने के लिए पिछले कुछ महीनो में अलग-अलग तरीकों से कड़ा अभ्यास किया है। सिंधु ने रियो ओलंपिक में रजत और तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। अगर वह पेरिस ओलंपिक में पोडियम पर पहुंचने में सफल रहती है तो फिर वह पदकों की हैट्रिक पूरी करने वाली भारत की पहली खिलाड़ी बन जाएंगी।

सिंधु पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रही है लेकिन उन्होंने कहा कि पिछले आठ महीने प्रकाश पादुकोण के साथ बिताने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वह लगातार तीसरा पदक जीतने के लिए तैयार है। सिंधु ने पोर्टे डे ला चैपल एरिना में अभ्यास सत्र के बाद कहा, 'निश्चित रूप से पदक जीतना मेरा लक्ष्य है। यह पहला हो या दूसरा या फिर तीसरा यह मायने नहीं रखता। मैंने दो पदक जीते हैं और मैं तीसरे पदक के बारे में सोच कर खुद पर दबाव नहीं बनना चाहती हूं।

उन्होंने कहा, 'जब भी मैं ओलंपिक में भाग लेती हूं तो वह मेरे लिए नया ओलंपिक होता है। इसलिए मैं जब भी ओलंपिक में खेलने के लिए उतरती हूं तो मेरा लक्ष्य पदक जीतना होता है। उम्मीद है कि मैं जल्द ही हैट्रिक पूरी करूंगी। पेरिस आने से पहले सिंधु ने जर्मनी के सारब्रुकेन में स्पोर्टकैंपस सार में अभ्यास किया जहां की समुद्र तल से ऊंचाई, मौसम और परिस्थितियां फ्रांस की राजधानी के समान हैं। परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए वहां उन्होंने अपने कमरे में एक हाइपोक्सिक चैंबर (कम ऑक्सीजन) बनाया और कुछ दिनों तक वहीं सोई।

मोरक्को बनाम अर्जेंटीना मैच में विवाद, मैदान में घुसे प्रशंसक, डर कर भागे खिलाड़ी

पेरिस (एजेंसी)। यह मेरे जीवन में अब तक का सबसे बड़ा सर्कस है। यह शब्द अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के मैनेजर जेवियर मास्चेरानो ने कहे क्योंकि ओलंपिक खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता में मोरक्को के खिलाफ उनकी टीम के शुरुआती मैच ने बुधवार को पेरिस में बड़े पैमाने पर विवाद पैदा कर दिया। मोरक्को और अर्जेंटीना के बीच मैच के अंतिम मिनटों में मोरक्को के प्रशंसक गुंडागर्दी पर उतर आए और मैदान में घुस गए। इस कारण अर्जेंटीना के मैच को निलंबित कर दिया गया उनके बराबरी के गोल को अनुमति नहीं दी गई और टीमों को मैच के निर्धारित समय के दो घंटे बाद अंतिम कुछ मिनट खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मैच 2-2 पर रोक दिया गया था, जब दक्षिण अमेरिकी टीम द्वारा बराबरी का गोल करने के तुरंत बाद मोरक्को के प्रशंसकों ने मैदान पर कब्जा कर लिया और अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को पटाखे फोड़कर डरा दिया। शेष समय में स्कोर 2-1 मोरक्को के पक्ष में रहा और अंततः अफ्रीकी टीम को विजेता घोषित किया गया जबकि अर्जेंटीना की टीम खेल के अंतिम मिनटों को संभालने के तरीके से नाराज होकर दूसरी बार मैदान से बाहर चली गई।

पीएसजी स्टार अचरफ हकीमी की अगुआई में मोरक्को ने खेल की शानदार शुरुआत की और जल्द ही 2-0 की बढ़त ले ली। हालांकि अर्जेंटीना ने दूसरे हाफ में वापसी की और दो बार बराबरी की, 90+16 मिनट में स्कोर 2-2 हो गया। अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को रेड कार्ड न मिलने सहित कई फैसले कथित तौर पर उनकी टीम के खिलाफ जाने के बाद मोरक्को के प्रशंसक बराबरी के गोल से पूरी तरह नाराज हो गए। प्रशंसक गुस्से में मैदान पर आ गए और जमीन पर पटाखे फेंके, जिससे अर्जेंटीना के खिलाड़ी डर गए और ड्रेसिंग रूम में वापस भाग गए।

मोरक्को के प्रशंसकों को लगा कि उनकी टीम की जीत छिन गई है और वे सुरक्षा का उल्लंघन करते हुए मैदान में घुस गए, जिसके परिणामस्वरूप खेल को रोकना पड़ा। आखिरकार मैदान को हमलावरों से मुक्त कर दिया गया, दोनों टीमें बीच में लौट आई और रेफरी ने ड्रुक्र से सलाह ली, अंततः गोल को खारिज कर दिया। मैच अंततः विवाद में समाप्त हुआ क्योंकि अर्जेंटीना के खिलाड़ी इस बात से खुश नहीं थे कि यह सब कैसे समाप्त हुआ।

इस घटना ने उद्घाटन समारोह से एक दिन पहले पेरिस ओलंपिक में ग्रीष्मकालीन खेलों में एथलीटों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए और आयोजन समिति को शर्मिंदगी से लाल कर दिया। अर्जेंटीना के डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी आयोजकों के लिखित बयान के बाद जिस तरह से दोनों टीमों को मैच खेलने के लिए मजबूर किया गया, उससे वास्तव में निराश थे। उन्होंने कहा, यह एक ऐतिहासिक कागज है। ऐसा कभी नहीं हुआ। मोरक्को इसे खेलना नहीं चाहता था और न ही हम। हमने एक घंटे और चालीस मिनट तक इंतजार किया लेकिन किसी ने हमें कुछ नहीं बताया। यह आपको शक्तिहीन बनाता है क्योंकि यह ओलंपिक है।

ओलिंपिक ऑर्डर, भारत के 'गोल्डन बॉय' अभिनव बिंद्रा को मिला, पीएम मोदी भी गदगद

नई दिल्ली(एजेंसी)। एक ओर जहां पेरिस ओलिंपिक के ऑफिशली आगाज से पहले गेम्स शुरू हो चुके हैं तो दूसरी ओ भारत के हर नागरिक के लिए एक गर्व की बात सामने आई है। अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) ने 'ओलिंपिक मूवमेंट' में अभिनव बिंद्रा के उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें ओलिंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया है। पुरस्कार समारोह ओलिंपिक के समापन से एक दिन पहले 10 अगस्त को पेरिस में 142वें आईओसी सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा।

गोल्डन बॉय के यह अवॉर्ड मिलने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिग्गज निशानेबाज अभिनव बिंद्रा की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें 'ओलिंपिक ऑर्डर' से सम्मानित जाना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अभिनव को ओलिंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया जाना हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। उन्हें बधाई। चाहे एथलीट के रूप में हो या आने वाले खिलाड़ियों के लिए एक संरक्षक के रूप में उन्होंने खेलों व ओलिंपिक मूवमेंट में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

दूसरी ओर, गृह मंत्री ने लिखा- ओलिंपिक आर्डर पुरस्कार से सम्मानित होने पर अभिनव बिंद्रा को बधाई। अनुकरणीय प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी, अभिनव बिंद्रा अपने ज्ञानवर्धक मार्गदर्शन से एथलीटों को प्रेरित करते रहते हैं। मेरी सारी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। बता दें कि बीजिंग ओलिंपिक में अभिनव ने पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल टूर्नामेंट का गोल्ड मेडल जीता था।

क्या होता है ओलिंपिक ऑर्डर और किसे दिया जाता है?

ओलिंपिक ऑर्डर पुरस्कार किसी व्यक्ति को दिया जाने वाला सर्वोच्च ओलिंपिक सम्मान है। 10 अगस्त को पेरिस में आयोजित होने वाले 142वें आईओसी सत्र में भारतीय निशानेबाज को सम्मानित किया जाएगा। ओलिंपिक ऑर्डर सम्मान की स्थापना 1975 में हुई थी। शुरुआत में यह पुरस्कार गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज कैटेगरी में विशिष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ियों को दिया जाता था। 1984 में रिव्यू के बाद आईओसी ने सिल्वर और ब्रॉन्ज की कैटेगरी को समाप्त कर दिया।

इसके बाद यह तय किया कि अब यह पुरस्कार सिर्फ गोल्ड कैटेगरी में ओलिंपिक खेलों में विशिष्ट योगदान देने वाले खिलाड़ियों को ही दिया जाएगा। आईओसी ओलिंपिक की मेजबानी करने वाले राष्ट्र प्रमुखों को भी यह पुरस्कार देता रहा है। परंपरागत रूप से आईओसी प्रत्येक ओलिंपिक गेम्स के समापन समारोह में यह सम्मान वितरित किया जाता रहा है।

अभिनव बिंद्रा इकलौते भारतीय

दुनिया में अब तक 116 हस्तियों को गोल्ड ओलिंपिक ऑर्डर पुरस्कार मिल चुका है। अभी तक इसमें सिर्फ एक भारतीय शामिल है। अभिनव को यह सम्मान ओलिंपिक आंदोलन में अहम भूमिका निभाने के लिए दिया गया है। वह अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन की मदद से भारतीय खेलों को आगे बढ़ा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जबलपुर में दुर्लभ आनुवंशिक रोग से पीड़ित बच्चे का बोन मैरो ट्रांसप्लांट से किया गया इलाज

जबलपुर, एजेंसी। 5 महीने के बच्चे कियांश की दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी विस्कॉट एल्ड्रिच सिंड्रोम का इलाज किया गया। यह सिंड्रोम बच्चे की प्रतिरक्षा प्रणाली के समुचित कामकाज को प्रभावित करता है और प्लेटलेट्स के उत्पादन को बाधित करता है। इससे रोगियों में रक्तस्राव होने की अधिक संभावना होती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, हर 10 लाख लड़कों में से केवल 1 से 10 लड़कों में ही विस्कॉट-एल्ड्रिच सिंड्रोम होता है। दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट और सेलुलर थेरेपी विभाग के निदेशक डॉ. गौरव खार्या ने इलाज की पुष्टि करने के लिए आनुवंशिक परीक्षण किए और कियांश के लिए तत्काल स्टेम सेल ट्रांसप्लांट की सिफारिश की। डॉ. खार्या बताते हैं, स्टेम सेल बोन मैरो में पाई जाने वाली बहुमुखी कोशिकाएँ हैं। उनमें विभिन्न विशिष्ट कोशिकाओं में विभेदित होने की उल्लेखनीय क्षमता होती है। वास्तव में, बोन मैरो ट्रांसप्लांट थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और प्राथमिक प्रतिरक्षा कमियों जैसे कई रक्त विकारों को ठीक कर सकता है। और पिछले कुछ वर्षों में, उन्नत तकनीक और नई उपचार पद्धतियों के साथ, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण की सफलता दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 90 प्रतिशत तक पहुँच गई है। विस्कॉट-एल्ड्रिच सिंड्रोम वाले बच्चों में, टी कोशिकाएँ और बी कोशिकाएँ ठीक से काम नहीं करती हैं, जिससे वे गंभीर संक्रमणों के प्रति अतिसंवेदनशील हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त, उनके शरीर को प्लेटलेट्स का उत्पादन करने में कठिनाई होती है, जो थक्के बनाने और अत्यधिक रक्तस्राव को रोकने के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह रक्तस्राव त्वचा के नीचे, नाक, मसूड़ों, मुँह, मल त्याग और यहाँ तक कि मस्तिष्क में भी हो सकता है। इन बच्चों में ऑटोइम्यून हमलों का जोखिम भी अधिक होता है।

आरसीसीपीएल मैहर ने कलेक्ट्रेट में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया

मैहर, एजेंसी। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड मैहर आईयू ने आज जिला कलेक्ट्रेट परिसर में कलेक्ट्रेट के सहयोग से एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड़ की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिन्होंने पेड़ों के महत्व और पर्यावरण में उनके योगदान पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में अपर कलेक्टर, साथ ही कलेक्ट्रेट परिषद के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे, जिन्होंने वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमती रानी बाटड़ द्वारा एक पौधा लगाकर की गई। परिसर के चारों ओर कुल 150 पौधे लगाए गए, जिनमें नीम, गुलमोहर, आम, करंज, अर्जुन, कटहल और जामुन शामिल हैं। ये पेड़ न केवल कलेक्ट्रेट परिसर को सुशोभित करेंगे, बल्कि आगंतुकों और कर्मचारियों के लिए छाया और स्वच्छ हवा भी प्रदान करेंगे।

फरीदाबाद में हड़ताल पर चले गए डॉक्टर, मरीज परेशान

फरीदाबाद एजेंसी। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज के आह्वान पर गुरुवार को बादशाह खान अस्पताल सहित विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत डॉक्टर हड़ताल पर रहे। डॉक्टर सुबह अस्पताल पहुंचे, लेकिन ओपीडी में अपनी चिकित्सकीय सेवाएं देने नहीं गए। बारिश के बीच लोगों ने सुबह 8ः30 बजे से बीके अस्पताल पहुंचना शुरू कर दिया था। इस दौरान ओपीडी के अलावा आपातकालीन और पोस्टमार्टम सेवाएं भी पूरी तरह से् बंद रही। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री की अपील को चिकित्सा अधिकारियों ने गंभीरता से नहीं लिया। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज के पदाधिकारी प्रदेश सरकार से सीधे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी नियुक्ति पर रोक, चिकित्सकों का स्पेशल कैडर बनाने, पीजी बॉन्ड राशि एक करोड़ रुपये से घटाकर 50 लाख करने और चिकित्सकों को केंद्र के समान वेतन लाभ, जिसमें चौथे एसीपी का लाभ और अलाउंस की मांग कर रहे हैं।

राजस्थान में ऊंटपालकों को मिलेंगे 20 हजार

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की बहुमूल्य पशु सम्पदा के विकास एवं पशुधन उत्पादन को बढ़ाकर पशुपालकों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पशुपालन मंत्री ने कहा कि राज्य में 250 करोड़ रूपए के प्रावधान के साथ मुख्यमंत्री पशुपालन विकास कोष का गठन किया जाएगा। सेक्स सॉर्टेड सीमन योजना की अनुदान राशि को बढ़ाकर 75 प्रतिशत किया जाएगा। प्रदेश में पशु चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए 125 चिकित्सकों तथा 525 पशुधन सहायकों के नए पदों का सृजन किया जाएगा। 500 ग्राम पंचायतों में नए पशु चिकित्सा उप केन्द्र खोले जाएंगे। साथ ही, 100 पशु चिकित्सा उप केन्द्रों को पशु चिकित्सालय, 50 पशु चिकित्सालयों को प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय तथा 25 प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों को पॉली क्लिनिक में क्रमोन्नत किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आवारा गौवंश के लिए अब से निराश्रित शब्द का प्रयोग किया जाएगा। जोराराम कुमावत बुधवार को विधानसभा में पशुपालन एवं मत्स्य विभाग (मांग संख्या-47) की अनुदान

मांग पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। चर्चा के बाद सदन ने पशुपालन एवं मत्स्य विभाग की 15 अरब 58 करोड़ 15 लाख 40 हजार रूपये की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दी।उन्होंने कहा कि दुधारू पशुओं के साथ अन्य पशुओं को शामिल करते हुए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना शुरू की जाएगी। पशुपालकों की सुविधा के लिए चरणबद्ध रूप से सभी जिलों में पशु मेले आयोजित किए जाएंगे।

ऊंटपालकों को 20 हजार मिलेंगे: मंत्री जोराराम कुमावत ने विभाग में भर्तियों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई 900 पशु चिकित्सकों की भर्ती का कानूनी तरीके से सुप्रीम कोर्ट से निस्तारण करवाया। अब हाई कोर्ट से भी कानूनी तरीके से निस्तारण करवाकर नियुक्ति दी जाएगी। इसके बाद चिकित्सकों के 619 पदों पर नई भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि पशु परिचर के 5934 पदों के लिए जनवरी, 2024 में भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। कुमावत ने कहा कि राज्य में ऊंटों को बढ़ावा देने के लिए हमारी पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई ऊष्ट्र संरक्षण योजना के तहत ऊंटपालकों को दी जाने वाली सहायता राशि 10 हजार रूपए से बढ़ाकर 20 हजार रूपए की गई है। बजट में गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना शुरू कर पहले चरण में लगभग 5 लाख गोपालक परिवारों को 1 लाख रूपए ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा।

पशुपालन मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने घोषणाएं तो खूब की, लेकिन इन्हें धरातल पर लागू कर पशुपालकों को फायदा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जोधपुर में नवीन पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय खोलने की घोषणा पूरी नहीं हो पाई। साथ ही, घोषित आठ वेटरनरी कॉलेज भी नहीं खुल सके। गत सरकार ने केन्द्र सरकार की शत प्रतिशत सहयोग वाली आपातकालीन 102-मोबाइल वेटरनरी सेवा को रोके रखा। वर्तमान सरकार ने आते ही 3 महीने में मोबाइल वेटरनरी यूनिट की 536 गाड़ियों की शुरूआत कर दी। उन्होंने कहा कि महंगाई राहत शिविरों में पशु बीमा के लिए एक करोड़ से अधिक पशुपालकों का पंजीकरण किया गया, लेकिन 1064 पशुओं का ही बीमा किया गया और एक भी पशुपालक को क्लेम नहीं दिया गया।

कर्ज से परेशान युवक ने नहर में लगाई छलांग; उफनती नदी से निकाल लाए ऑटो ड्राइवर

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद में कर्ज से परेशान एक युवक ने बुधवार सुबह मसूरी गंगनहर में छलांग लगा दी। इसी दौरान वहां से गुजर रहे चार ऑटो चालकों ने देख लिया और युवक की जान बचाने के लिए गंगनहर में कूद गए। उन्होंने मशक्कत के बाद उफनती नहर के बीच से युवक को सकुशल बचा लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सरकारी अस्पताल में उपचार कराकर युवक को परिजनों को सौंप दिया। मानवता की मिसाल कायम करने पर पुलिस और युवक के परिजनों ने ऑटो चालकों की प्रशंसा की है। पुलिस के मुताबिक क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र के डूंडाहेड़ा में रहने वाला 39 वर्षीय अमित भारद्वाज नोएडा की एक एक्सपोर्ट कंपनी में नौकरी करता है। बुधवार सुबह करीब नौ बजे वह मसूरी गंगनहर पर पहुंचा और कुछ देर रुकने के बाद पानी में छलांग लगा दी। पुलिस का कहना है कि इसी दौरान वहां से गुजर रहे ऑटो चालक बाबू, सलीम, मोबीन और दानिश ने अमित भारद्वाज को गंगनहर में कूदते देख लिया। चारों ने उसे बचाने के लिए गंगनहर में छलांग लगा दी और गहरे पानी से बाहर निकालकर उसकी जान बचा दी। इसके बाद चारों ऑटो चालक अमित भारद्वाज को डासना स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। ऑटो चालकों के मुताबिक गंगनहर से निकालने के बाद युवक ने अपना नाम अमित भारद्वाज बताया। जान देने का कारण पूछने पर वह बिलख पड़ा। उसने कहा कि उसे क्यों बचा लिया। कर्ज से परेशान होकर उसने जान देने की कोशिश की थी। वह मरना चाहता था। एसीपी मसूरी नरेश कुमार ने बताया कि ऑटो चालकों ने युवक की जान बचाई है। चारों ने मानवता की मिसाल कायम की है। पुलिस और युवक के परिजनों ने ऑटो चालकों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।

हरियाणा में जाट फैक्टर की काट के लिए भाजपा का ओबीडी फॉर्मूला तैयार

चंडीगढ़, एजेंसी। लंबे समय से हरियाणा में चर्चा रही है कि जाट मतदाता भाजपा के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं। किसानों के आंदोलन और पहलवानों के प्रदर्शन से भी इस धारणा को मजबूती मिली है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को हरियाणा में 10 में से 5 सीटें ही मिल पाई थीं। उस निराशा के बाद अक्टूबर में विधानसभा के इलेक्शन होने वाले हैं। ऐसे में भाजपा चाहती है कि ऐंटी-इनकम्बैंसी से उबरा जाए। ऐसे में जाट फैक्टर की काट के लिए वह सामाजिक समीकरण तैयार करने की कोशिश में है। कहा जा रहा है कि इसी के तहत पहले ओबीसी चेहरे नायब सिंह सैनी को सीएम बनाया गया। फिर ब्राह्मण नेता मोहन लाल बड़ौली को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी गई। अब दलित समाज से आने वाले कृष्ण बेदी को महासचिव बनाया है। पहले इस पद पर मोहन लाल बड़ौली थे, उनका प्रमोशन हुआ तो जगह खाली थी और अब कृष्ण बेदी उस जगह पर होंगे। इस तरह भाजपा ने जाट फैक्टर की काट के लिए ओबीडी फॉर्मूला तैयार किया है। इस फॉर्मूले के तहत भाजपा राज्य के 62 फीसदी मतदाताओं को टारगेट करना चाहती है। राज्य में सैनी, गुर्जर, यादव समेत ओबीसी बिरादरियों के करीब 30 फीसदी वोट हैं। यह सबसे बड़ा सामाजिक समूह है। इसके अलावा दलितों की संख्या भी करीब 20 फीसदी बताई जाती है।

अब जातिवार बात करें तो राज्य में जाटों के बाद दूसरे नंबर की बिरादरी ब्राह्मण है। इनकी संख्या राज्य में करीब 12 फीसदी है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि हम पहले से इस फॉर्मूले पर कायम रहे हैं और अब तीसरी बार इसके साथ ही चुनाव में जाएंगे। बता दें कि इन तीन समुदायों के अलावा पंजाबी समुदाय का भी भाजपा को अच्छा समर्थन रहा है, जिससे खुद मनोहर लाल खट्टर आते हैं। हरियाणा के करनाल, अंबाला, कैथल जैसे इलाकों में बड़ी आबादी पंजाबी मूल के लोगों की है। दरअसल 2024 के आम चुनाव से यह संकेत मिला था कि जाट और दलित मतदाता कांग्रेस के पक्ष में एकजुट हो रहे हैं। ऐसे में भाजपा ने उस गठजोड़ की काट के लिए कृष्ण बेदी को मौका दिया है। भाजपा को 2019 के आम चुनाव में 58 फीसदी वोट मिले थे, जो अब 46 फीसदी पर आकर ठहर गया है। माना जा रहा है कि दलित मतदाताओं के छिटकने से ही ऐसा हुआ है। इसके अलावा कांग्रेस अब 28 फीसदी से आगे बढ़कर 43 पर्सेंट तक पहुंच गई है।

नया गाजियाबाद होगा आबाद; बसने जा रहा नया शहर

गाजियाबाद एजेंसी। राजनगर एक्सटेंशन के पास 500 हेक्टेयर में नया गाजियाबाद नाम से टाउनशिप बसाने की तैयारी है। इस नई टाउनशिप की दूरी आरआरटीएस कॉरिडोर से करीब पांच से 10 किलोमीटर के दायरे में होगी। टाउनशिप में छोटे-बड़े सभी तरह के आवासीय, व्यवसायिक भूखंड होंगे। साथ ही स्कूल, अस्पताल, मॉल, आईटी पार्क आदि भी बनेंगे। इसका प्रस्ताव आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा, जहां से मंजूरी मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने बताया कि मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण और नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत 500 हेक्टेयर में नया गाजियाबाद नाम से टाउनशिप विकसित करने की योजना बनाई है। इसका प्रस्ताव आगामी बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। इस प्रस्ताव पर मंडलायुक्त से अनुमोदन होने के बाद इसे शासन को भेजा जाएगा।

शासन से मंजूरी मिलने के साथ ही इसे धरातल पर लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि नया गाजियाबाद नाम से बनने वाले इस टाउनशिप में सभी सुविधाएं होंगी।

इसमें छोटे-बड़े साइज के आवासीय व व्यवसायिक भूखंड काटे जाएंगे। साथ ही ग्रुप हाउसिंग की योजना भी लाई जा सकती है। इसके अलावा यहां के लेआउट में स्कूल, कॉलेज, रेस्टोरेंट, मॉल, अस्पताल, साइबर सिटी आदि के लिए भी भूखंड रखने की योजना बनाई जा सकती है। इस क्षेत्र में हरियाली के लिए भी क्षेत्र छोड़ा जाएगा। ताकि यहां का वातावरण स्वच्छ रहे। उन्होंने बताया कि इस टाउनशिप को आधुनिक रूप देते हुए तैयार किया जाने की योजना है।

इस टाउनशिप को राजनगर एक्सटेंशन के आसपास बसाया जा सकता है। हालांकि अभी इसपर कोई फैसला नहीं हो सका है। जीडीए का प्रयास है कि यह नया गाजियाबाद आरआरटीएस कॉरिडोर के आसपास बसाया जा सके, ताकि इस टाउनशिप से नमो भारत ट्रेन के स्टेशनों की दूरी 10 मिटर ही हो और लोगों को यातायात की बेहतर सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण एवं नए शहर प्रोत्साहन योजना-2023-24 के तहत प्रदेश सरकार नया शहर बसाने के लिए भूमि खरीदने पर 50 प्रतिशत की राशि दे रही है। जबकि 50 फीसदी राशि प्राधिकरणों को ही वहन करने होंगे। इस योजना में जीडीए ने उस वक्त कोई प्रस्ताव नहीं भेजा था, लेकिन अब जीडीए उपाध्यक्ष इस योजना को आगे बढ़ा रहे हैं। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने बताया कि राजनगर एक्सटेंशन और आरआरटीएस कॉरिडोर के पास 500 हेक्टेयर में नया गाजियाबाद नाम से टाउनशिप बसाई जाएगी। इसका प्रस्ताव आगामी जीडीए बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। प्रस्ताव पर मंडलायुक्त से अनुमोदन के बाद इसे शासन को भेजा जाएगा।

एससीओ में शामिल सभी सदस्य देशों ने किया पहला संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभ्यास

बीजिंग, एजेंसी। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के सुरक्षा अधिकारियों ने चीन में पहले संयुक्त आतंकवाद-रोधी अभ्यास में हिस्सा लिया, जिसमें आतंकवादी समूहों के उन्मूलन जैसे विशेष अभियानों पर ध्यान केंद्रित किया गया। चीन के जन सूचना मंत्रालय ने कहा कि उत्तर-पश्चिमी चीन के झिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र में हाल में आतंकवाद विरोधी संयुक्त अभ्यास 'इंटरैक्शन-2024 आयोजित किया गया। सरकारी समाचार एजेंसी यह अभ्यास पहली बार आयोजित किया गया और इसमें एससीओ के सभी सदस्य देशों की संबंधित एजेंसियों ने हिस्सा लिया। इस अभ्यास में भारत के एक छोटे प्रतिनिधिमंडल ने भी भाग लिया। आतंकवादी खतरे अक्सर दूसरे देशों तक पहुंच जाते हैं और दुनिया इससे अछूती नहीं है, इसलिए आतंकवाद विरोधी अभियानों में सदस्य देशों की क्षमताओं और अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाने के लिए एससीओ संयुक्त अभ्यास का बड़े पैमाने पर आयोजन किया गया। जन सुरक्षा मंत्रालय ने कहा कि संबंधित एजेंसियों

द्वारा संयुक्त अभ्यास के लिए एक नया मॉडल स्थापित किया गया है और इसने एससीओ सदस्य देशों के अधिकारियों की संयुक्त परिचालन क्षमताओं को बढ़ाया। मंत्रालय ने कहा कि आतंकवाद के अहम खतरों के मद्देनजर, अभ्यास में आतंकवादी समूहों के उन्मूलन जैसे विशेष अभियान शामिल थे। सरकारी मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में दिख रहा है कि सैनिक और पुलिस अधिकारी असॉल्ट राइफल, पिस्तौल और दंगारोधी उपकरणों से लैस हैं। इस दौरान बख्तरबंद और अन्य वाहन, हेलीकॉप्टर, ड्रोन और रोबोट कुत्तों को भी अभ्यास में तैनात किया गया था। एससीओ सदस्य देशों, एससीओ सचिवालय और एससीओ क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना की कार्यकारी समिति के प्रतिनिधियों ने अभ्यास का अवलोकन किया। इस महीने की शुरुआत में बेलारूस आधिकारिक रूप से एससीओ का 10वां सदस्य देश बन गया, जिसमें पहले से ही चीन, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। एससीओ सदस्य देशों का आतंकवाद-रोधी प्रयासों में प्रभावी सहयोग का लंबा इतिहास रहा है। चीन समकालीन अंतरराष्ट्रीय संबंध संस्थान से जुड़े रक्षा विशेषज्ञ ली वीई ने 'ग्लोबल टाइम्स से कहा कि इससे पहले आयोजित सभी आतंकवाद विरोधी अभ्यास द्विपक्षीय या बहुपक्षीय थे, लेकिन उनमें एससीओ के सभी सदस्य देश शामिल नहीं थे।

अमेरिका की संसद में गरजे इजरायली पीएम नेतन्याहू, कट्टर दुश्मन ईरान से निपटने के लिए दिया बड़ा प्रस्ताव

वॉशिंगटन, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए ईरान के खिलाफ जोरदार हमला बोला। नेतन्याहू ने ईरान के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए एक क्षेत्रीय गठबंधन के गठन का प्रस्ताव रखा। नेतन्याहू ने इसे अब्राहम गठबंधन नाम दिया है। नेतन्याहू ने कहा, मेरे पास इस गठबंधन के लिए एक नाम है। मुझे लगता है कि हमें इसे अब्राहम गठबंधन कहना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ ही इजरायल और दूसरी क्षेत्रीय ताकतों के साथ रिश्तों को शुरू करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी धन्यवाद दिया। नेतन्याहू पहले ऐसे विदेशी नेता बन गए हैं, जिन्होंने अमेरिकी सीनेट और प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ कॉमन्स) की संयुक्त बैठक को रिकॉर्ड चौथी बार संबोधित किया है। उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे विंस्टन चर्चिल को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने तीन बार संबोधन किया था। अपने संबोधन में नेतन्याहू ने अमेरिका को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, जब हम सभी मोर्चों पर अपना बचाव कर रहे हैं, तो मुझे पता है कि अमेरिका हमारे साथ है। और मैं इसके लिए आप सभी का धन्यवाद करता हूं। नेतन्याहू ने संबोधन में कहा कि इजरायल, संयुक्त राज्य अमेरिका और अरब दुनिया ईरान की आतंक की धुरी से खतरे में है। उन्होंने कहा, हमारी दुनिया उथल-पुथल में है। मध्य पूर्व में ईरान की आतंक की धुरी अमेरिका, इजरायल और हमारे अरब मित्रों से टकरा रही है। यह सभ्यताओं का टकराव नहीं है। यह बर्बरता और सभ्यता के बीच का टकराव है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा, सभ्यता की ताकतों की जीत के लिए अमेरिका और इजरायल को एक साथ खड़ा होना चाहिए। नेतन्याहू ने दावा किया कि अधिकांश अमेरिकी इजरायल का समर्थन करते हैं। यह पश्चिमी सभ्यता का संरक्षक अमेरिका है, जो दुनिया पर कट्टरपंथी इस्लाम थोपने की ईरान की पागलपन भरी योजनाओं के रास्ते में खड़ा है। नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह के अधिकारी का हवाला देते हुए कहा कि इजरायल ईरान के लिए केवल एक उपकरण है।

9 मई हिंसा मामले में इमरान खान का पोलीग्राफ जांच कराने से इंकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान) ने पिछले साल नौ मई को हुए अप्रत्याशित उपद्रव से जुड़े दर्जनों मामलों की लाहौर पुलिस द्वारा की जा रही जांच के तहत पोलीग्राफ (एक प्रकार की झूठ पकड़ने वाली जांच) और आवाज मिलान परीक्षण कराने से इनकार कर दिया है। बारह सदस्यीय फोरेंसिक टीम क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय इमरान खान का पोलीग्राफ परीक्षण करने मंगलवार को अडियाला जेल पहुंची थी। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने 19 करोड़ पाउंड के भ्रष्टाचार के मामले में पिछले साल जब पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान को गिरफ्तार किया था तब नौ मई को देशभर में उपद्रव हुए थे। इमरान खान 200 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं और वह पिछले साल अगस्त से जेल में हैं। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने खबर दी है कि एक पुलिस उपाधीक्षक की अगुवाई में लाहौर पुलिस का एक दल (पोलीग्राफ और आवाज मिलान) परीक्षण करने आडियाला जेल पहुंचा था। इस अखबार के अनुसार उनके साथ पंजाब अपराध जांच विज्ञान एजेंसी के विशेषज्ञ भी थे।

ताइवान में तूफान गेमी का कहर, डूबा मालवाहक जहाज; चीनी समुद्र तट से टकराने की आशंका

बीजिंग , एजेंसी। ताइवान में आए तूफान गेमी ने तबाही मचा दी है, इससे आम जन जीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है। तूफान के चलते, दो लोगों की मौत हो गई और 26 लोग घायल हैं, जगह -जगह बाढ़ आ गई। तूफान के ताइवान जलडमरूमध्य से चीन के पूर्वी समुद्री तट से टकराने की उम्मीद जताई जा रही है। बता दें कि चीन की ओर बढ़ने से पहले एक मालवाहक जहाज डूब गया। साथ ही और अधिक मूसलाधार बारिश होने की आशंका है। गेमी ने आधी रात के आसपास यिलान काउंटी में ताइवान के उत्तरपूर्वी तट पर भूस्खलन किया। केंद्रीय मौसम प्रशासन के अनुसार, यह आठ सालों में द्वीप पर आया सबसे शक्तिशाली तूफान है और 227 किलोमीटर प्रति घंटे (141 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से चल रहा था। दोपहर 12ः15 बजे तक (स्थानीय समय अनुसार), गेमी ताइवान जलडमरूमध्य में था और चीन के फुजियान प्रांत में फूजौ की ओर जा रहा है। गैमी इस साल चीन के पूर्वी समुद्री तट से टकराने वाला सबसे बड़ा तूफान होगा, इसके सर्पिल बादल-बैंड पश्चिमी प्रशांत महासागर के अधिकतर हिस्से में फैलेंगे और फिलीपींस से जापान के ओकिनावा द्वीपों तक भारी बारिश का अनुमान है। ताइवान में, तूफान के कारण लगभग पांच लाख घरों की

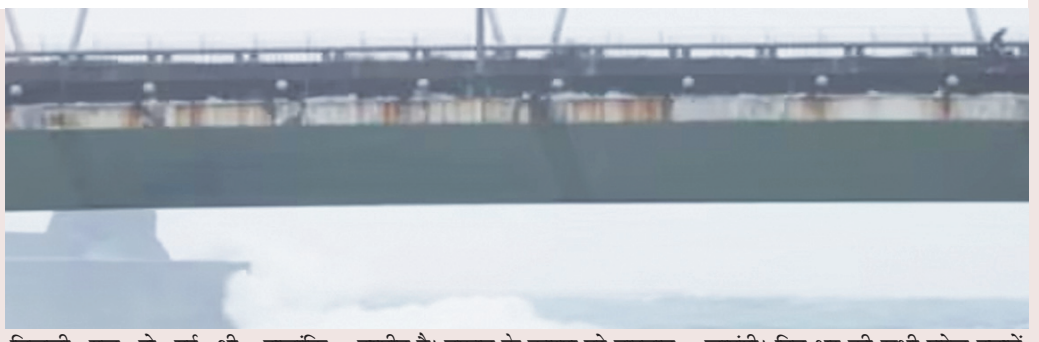

बिजली गुल हो गई थी, हालांकि अधिकांश घरों में अब बिजली आ चुकी है। दक्षिणी ताइवान के कुछ हिस्सों में मंगलवार से 2,200 मिमी (87 इंच) की वर्षा दर्ज होने की उम्मीद है। तूफान के कारण पूरे ताइवान में और अधिक बारिश होने की आशंका है, कार्यालय और स्कूलों के साथ-साथ वित्तीय बाजार गुरुवार को दूसरे दिन भी बंद रहेंगे। दोपहर 3 बजे तक ट्रेनें रोकी जाएंगी। दिन भर की सभी घरेलू उड़ानें और 195 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। उत्तर और दक्षिण ताइवान को जोड़ने वाली हाई स्पीड ट्रेन दोपहर 2 बजे फिर से खुलेगी।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129